रांची, शनिवार । 26 सितंबर 2026 । वर्ष-27, अंक-234, पृष्ठ-12 । www.rastriyanaveenmail.com
भाद्रपद शुक्लपक्ष 15, संवत 2083 । रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/00155

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मूल्य 2 रु.

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

रांची का तापमान

रांची	कांके
अधिक. 23.9°	अधिक. 24.4°
न्यून. 21.0°	न्यून. 20.5°

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने एआईओएस कांफ्रेंस का उद्घाटन करते हुए कहा

‘नॉलेज हब’ बन रही रांची, देश के मानचित्र पर अब रिसर्च और उच्च शिक्षा का सिरमौर

● देशभर के एक हजार से ज्यादा दिग्गज नेत्र विशेषज्ञों का हुआ महाजुटान

● रांची में पहली बार राष्ट्रीय स्तर के नेत्र चिकित्सा कांफ्रेंस की हुई भव्य शुरुआत

● झारखंड में चिकित्सा क्षेत्र के अब तक के सबसे बड़े सम्मेलन का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने शुक्रवार को कहा कि झारखंड के लिए गौरव की बात है कि एआईओएस का मिड टर्म कांफ्रेंस रांची में हो रहा है और देश भर के लगभग 1500 नेत्र चिकित्सक आज यहां पहुंचे हैं। वे आज रांची के होटल बीएनआर में ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआईओएस) के 5वें मिड टर्म कांफ्रेंस 2026 का भव्य शुभारंभ करने के बाद चिकित्सकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए डॉ भारती कश्यप और डॉ बीपी कश्यप को बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की। राजधानी रांची में शुक्रवार को ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआईओएस) के 5वें मिड टर्म कांफ्रेंस 2026 का उद्घाटन हुआ। झारखंड ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी (जेएचओएस) के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का उद्घाटन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ बीपी कश्यप और आयोजन सचिव डॉ भारती कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर किया।

शेष पेज 11 पर

युवा चिकित्सकों को देश के श्रेष्ठ वैज्ञानिक मंचों से जुड़ने का मौका मिलेगा : डॉ भारती

आयोजन सचिव डॉ भारती कश्यप ने स्वागत भाषण में कहा कि एआईओएस मिडटर्म कांफ्रेंस केवल एक वैज्ञानिक आयोजन नहीं, बल्कि देश के मिड-टियर शहरों तक शिक्षा, शोध और वैज्ञानिक अवसरों में समानता पहुंचाने की एक महत्वपूर्ण पहल है। रांची में इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य यहां की छिपी हुई युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। इस आयोजन के बाद रांची राष्ट्रीय स्तर के अकादमिक एवं वैज्ञानिक केंद्र के रूप में पहचाना जाएगा और यहां के युवा चिकित्सकों को देश के श्रेष्ठ वैज्ञानिक मंचों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

प्रमुख वैज्ञानिक सत्र की मुख्य गतिविधियां

1. **जस्ट केसेस :** जस्ट केसेस सत्र में चुनौती पूर्ण नेत्र विकारों पर विशेषज्ञों द्वारा कैसे आधारित प्रस्तुति दी गई।
2. **मास्टरक्लास इन रिफ्रैक्टिव सर्जरी - बियॉन्ड 20/20 :** रिफ्रैक्टिव सर्जरी में डॉक्टर रोहित शेट्टी डॉक्टर भारती कश्यप द्वारा चश्मा हटाने की आधुनिक लेजर तकनीक पर विशेष मास्टर क्लास का संचालन किया गया।
3. **अनप्लांड कट - व्हेन थिंग्स डोंट गो एज प्लांड :** अन प्लांट कट सेशन में सर्जरी के दौरान आने वाली अप्रत्याशित जटिलताओं एवं सटीक सर्जिकल समाधान पर वीडियो आधार आधारित विशेष सत्र का आयोजन किया गया।
4. **डेफर्ड लाइव सर्जरी :** इस सेशन में देश के शीर्ष नेत्र रोग विशेषज्ञों के साथ झारखंड की डॉ निधि गडकर कश्यप ने अपने नेत्र चिकित्सा के सर्जिकल कौशल का प्रदर्शन किया।
5. **साइंटिफिक ‘जोड़ी’ कंपीटीशन :** जोड़ी कंपीटीशन में देश के विभिन्न राज्यों और राष्ट्रीय संगठनओं के नेत्र विशेषज्ञों की टीम के बीच में कड़ा बौद्धिक एवं वैज्ञानिक मुकाबाला हुआ।
6. डॉ आरपी टंडन एक्स्ट्रा म्यूरल ओरेशन : विशिष्ट वक्ता डॉ प्रिया नारंग द्वारा ‘वेवफ्रंट गाइडेड पिनहोल प्यूपिलोप्लास्टी’ विषय पर सारगर्भित एवं प्रतिष्ठित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
7. **पर्ल्स ऑफ विजडम :** वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने फेकोइमल्सीफिकेशन (मोतियाबिंद सर्जरी), कॉर्निया ट्रांसप्लांट, डायबिटिक रेटिनोपैथी और ग्लूकोमा के आधुनिक प्रबंधन पर अपने वर्षों के सर्जिकल अनुभव और ‘क्लीनिकल टिप्स’ साझा किए।
8. **हॉल ‘रीजेंसी’ - युवा डॉक्टरों के लिए ‘फिशबॉल’ सत्र का आयोजन :** युवा डॉक्टर्स के लिए फिश बॉल सत्र में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

झारखंड में भारी वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त

रांची के डोरंडा में स्कूल बस पर गिरा पेड़, बच्चे सुरक्षित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ओडिशा और छत्तीसगढ़ में बने अति निम्न दबाव के कारण पिछले तीन दिनों से हो रही भारी बारिश से पूरा झारखंड पानी-पानी हो गया है। इसका जनजीवन व्यापक प्रभाव पड़ा है। शुक्रवार को भी दिनभर बारिश होती रही। इससे राज्य की कई नदियां, नाले, डैम एवं वाटरफॉल उफान पर हैं। वहीं, राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न शहरों के कई मुहल्लों में बारिश का पानी घर में घुस गया है। बारिश के कारण रांची के अधिकांश इलाकों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई रही। बारिश के कारण रांची के कोकर और डोरंडा सहित कई इलाकों में सड़क पर पेड़ गिर गए। इससे यातायात बाधित हो गया। वहीं, शुक्रवार की सुबह डोरंडा थाना क्षेत्र के एजी कॉलोनी के पास बड़ा हादसा टल गया। बच्चों को लेकर जा रही एक स्कूल बस पर अचानक पेड़ गिर गया।

शेष पेज 11 पर

बारिश के कारण रांची जिले में आज बंद रहेंगे सभी स्कूल

● आदेश का पालन नहीं करने पर संबंधित विद्यालय एवं संस्थान पर आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा के तहत हो सकती है कार्रवाई

रांची। रांची के जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने भारी बारिश के अलर्ट के मद्देनजर शनिवार (26 सितंबर) को जिला में संचालित सभी कोटि के सरकारी/गैर सरकारी सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में वर्ग-केजी से वर्ग-12 तक के विद्यालय को बंद रखने का आदेश जारी किया है। जारी प्रेस बयान के अनुसार, यह आदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा-34 के तहत दिया गया है। आदेश का पालन नहीं करने पर संबंधित विद्यालय एवं संस्थान पर आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की संबंधित धारा के तहत कार्रवाई की जा सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत मौसम विज्ञान केंद्र झारखंड, रांची के 25 सितंबर 2026 के विशेष बुलेटिन में भारी बारिश के परिप्रेक्ष्य में ‘येलो जोन’ की श्रेणी में रांची जिला को चिह्नित करते हुए भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

शेष पेज 11 पर

आज व कल के लिए येलो अलर्ट

मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार (26 और 27 सितंबर) तक गर्जन के साथ बारिश होने और वज्रपात (आकाशीय बिजली) को लेकर ‘येलो अलर्ट’ जारी किया है। विभाग ने 28 सितंबर 2026 से बारिश से राहत की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण छत्तीसगढ़ और उससे सटे दक्षिण के अंदरूनी ओडिशा के ऊपर बना अति निम्न दबाव पिछले 15 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। यह शुक्रवार की सुबह तक रायपुर (छत्तीसगढ़) से लगभग 70 किमी पूर्व, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से 90 किमी दक्षिण, चंपा (छत्तीसगढ़) से 90 किमी दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम और पेंड्रा रोड (छत्तीसगढ़) से 170 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में स्थित था। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और आने वाले समय में अति निम्न दबाव की तीव्रता बनाए रहने की काफी संभावना है। इसके बाद के 12 घंटों में इसके कमजोर होकर ‘वेल-मार्क्ड लो प्रेशर एरिया’ (स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र) में बदलने की उम्मीद है।

स्वर्णरेखा व खरकई उफनाईं, बाढ़ का खतरा

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)। पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के कारण जमशेदपुर की स्वर्णरेखा और खरकई नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार की सुबह खरकई नदी आदित्यपुर पुल के समीप खतरे के निशान 129.00 मीटर को पार कर 129.12 मीटर पर पहुंच गई। वहीं, मानगो पुल के पास स्वर्णरेखा का जलस्तर 120.40 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 121.50 मीटर से महज 1.10 मीटर नीचे है। दोनों नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच निचले और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। खरकई के खतरे के निशान को पार करने और स्वर्णरेखा के जलस्तर के तेजी से बढ़ने से बागबेड़ा, जुगसलाई, शास्त्रीनगर, कदमा, सोनारी, मानगो और सिदगोड़ा के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नदी किनारे बसे परिवारों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

दुंदरिया चर्च में दखल-दिहानी कराने पहुंचा जिला प्रशासन

आमने-सामने आए दोनों पक्ष, पुलिस बल तैनात

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला शहर से सटे मिशन चौक स्थित दुंदरिया चर्च परिसर में शुक्रवार को उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब न्यायालय के आदेश के आलोक में प्रशासनिक टीम दखल-दिहानी की कार्रवाई कराने पहुंची। प्रशासनिक कार्रवाई की जानकारी मिलते ही जीएल चर्च और एनडब्ल्यू चर्च से जुड़े समर्थक बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। सुबह करीब छह बजे से ही चर्च परिसर के आसपास लोगों की भीड़ जुटने लगी थी। लगातार हो रही बारिश के बावजूद दोनों पक्षों के लोग मौके पर डटे रहे।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। बड़ी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। अधिकारियों ने दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित रखने का प्रयास किया।

जीएल चर्च के अनिल कुमार केरकेट्टा ने बताया कि उनके पक्ष के अनुसार वर्ष 1845 से यह जमीन ट्रस्ट के अधीन है।

शेष पेज 11 पर

भारतीय राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन

लगातार गिरता भूजल स्तर है चिंता का विषय : प्रो मृत्युंजय

● आईआईटी आईएसएम में घटते जलस्तर और संरक्षण पर विशेषज्ञों ने की चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। धनबाद के आईआईटी आईएसएम में 6वें भारतीय राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। सम्मेलन में देशभर से वैज्ञानिक, स्कॉलर्स और भूजल विशेषज्ञ शामिल हुए। इस दौरान भूजल संरक्षण, लगातार घटते जलस्तर, भूजल रिचार्ज, उसकी मात्रा और गुणवत्ता सहित जल संसाधनों के बेहतर और सतत इस्तेमाल को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के कन्वेनर प्रो मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि लगातार गिरता भूजल स्तर गंभीर चिंता का विषय है।

भूजल एक सीमित संसाधन है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना जरूरी है। उन्होंने बताया कि भूजल के रिचार्ज, मात्रा और गुणवत्ता को बेहतर तरीके से समझने के लिए विभिन्न आईआईटी और विश्वविद्यालयों से विशेषज्ञ, स्पीकर्स और स्कॉलर्स सम्मेलन में पहुंचे हैं। सम्मेलन के माध्यम से विशेषज्ञ अपने शोध, अनुभव और सुझाव साझा कर रहे हैं।

गिरिडीह में पुलिस अवर निरीक्षक के पुत्र की पीट-पीटकर हत्या

● जांच में जुटी पुलिस, आरोपियों की तलाश में कर रही छापेमारी

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बंदरकुप्पी स्थित प्रसिद्ध मैगी प्वॉइंट दुकान के समीप गुरुवार की देर रात अपराधियों ने एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान राजेंद्र नगर निवासी ऋतिक यादव उर्फ बंटी यादव (24 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। मृत युवक के पिता झारखंड पुलिस में अवर निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। मृत युवक के साथी शुभम दास ने शुक्रवार को सदर अस्पताल में बताया कि रात में करीब 10:30 बजे ऋतिक यादव और उसका दोस्त राजा गुप्ता कार से बंदरकुप्पी स्थित मैगी प्वॉइंट गए थे। इसी दौरान पीरटांड़ थाना क्षेत्र के नावाडीह निवासी सतीश यादव अपने 8-10 साथियों के साथ वहां पहुंचा।

आरोप है कि सभी ने लाठी-डंडों से ऋतिक और उसके साथियों पर हमला कर दिया। मारपीट में गंभीर चोट लगने से ऋतिक ने मौके पर दम तोड़ दिया। घटना में दो अन्य युवकों के घायल होने की भी सूचना है। घटना की सूचना पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नगर अध्यक्ष रॉकी सिंह भी पहुंचे।

शेष पेज 11 पर

न्याय

पूर्वी सिंहभूम के पारा शिक्षकों को हाईकोर्ट से राहत

बर्खास्तगी का आदेश रद्द, बकाया मानदेय भी मिलेगा

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शैक्षणिक प्रमाण पत्र सही नहीं होने के आधार पर पूर्वी सिंहभूम के पारा शिक्षकों को नौकरी से हटाने के आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने प्रार्थियों को अप्रैल 2025 से बकाया मानदेय का भुगतान करने का भी निर्देश दिया है।

मामले में मेरी मुर्मू एवं अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रखा था। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार ने पक्ष रखा। इलाहाबाद और देवघर के कुछ गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों से मैट्रिक और इंटरमीडिएट के प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले पारा शिक्षकों की शैक्षणिक अर्हता को लेकर मामला सामने आया था। इनमें इंटर प्रयाग महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद, हिंदी महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद और हिंदी विद्यापीठ, देवघर आदि संस्थानों के प्रमाण पत्र शामिल थे। इन प्रमाण पत्रों के आधार पर कार्यरत कक्षा पहली से पांचवीं और कक्षा छठी से आठवीं के पारा शिक्षकों की शैक्षणिक अर्हता को सही नहीं बताते हुए उनके कार्य पर रोक लगाने और मानदेय बंद करने के संबंध में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने सात नवंबर 2025 को पत्र जारी किया था। इस पत्र के आलोक में राज्य के विभिन्न जिलों के जिला शिक्षा अधीक्षकों ने ब्लॉक विस्तार अधिकारी, नगर संसाधन केंद्र और संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र जारी किया था।

पूर्वी सिंहभूम के जिला शिक्षा अधीक्षक ने भी संबंधित पारा शिक्षकों को कार्य से हटाने और उनका मानदेय रोकने का आदेश जारी किया था। इसके खिलाफ मेरी मुर्मू एवं अन्य ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रखा था

झारखंड आर्म्ड पुलिस के कर्मचारियों को बकाया वेतन व सेवा लाभ देने का आदेश

● न्यायालय ने राज्य सरकार को आदेश का अनुपालन आठ सप्ताह के भीतर सुनिश्चित करने को कहा

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने झारखंड सशस्त्र पुलिस में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के पद पर नियुक्त दिकेश कुमार एवं अन्य को बड़ी राहत देते हुए राज्य सरकार को नियुक्ति रद्द होने से पुनः सेवा में बहाल किए जाने तक की अवधि का पूर्ण बकाया वेतन और सभी परिणामी सेवा लाभ देने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने राज्य सरकार को आदेश का अनुपालन आठ सप्ताह के भीतर सुनिश्चित करने को कहा है। यह मामला वर्ष 2016 में झारखंड सशस्त्र पुलिस में चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों के पद पर हुई नियुक्तियों से जुड़ा है। नियुक्ति के कुछ समय बाद चयन परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर शिकायतें और समाचार सामने आए थे। इसके बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया था।कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर पूरी चयन प्रक्रिया को निरस्त कर नियुक्त कर्मचारियों की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई थीं।

शेष पेज 11 पर

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर मंत्री डॉ इरफान अंसारी सख्त, बोले

सहिया भुगतान में देरी नहीं, डॉक्टरों के रिक्त पद जल्द भरें

- संविदाकर्मियों के मानदेय भुगतान में भी होगा सुधार
- मलेरिया मरीजों को मच्छरदानी उपलब्ध कराने का निर्देश
- एनएचएम कर्मियों को ईपीएफ का लाभ जल्द देने पर जोर

सहियाओं की प्रोत्साहन राशि में देरी बर्दाश्त नहीं : मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सहियाओं को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के भुगतान को लेकर स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सहिया बहनों को उनकी प्रोत्साहन राशि समय पर मिलनी चाहिए और भुगतान में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि भविष्य में राज्य सरकार द्वारा सहियाओं को दी जाने वाली विशेष प्रोत्साहन राशि राज्य मुख्यालय स्तर से सीधे भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भुगतान प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जा सके तथा सहियाओं को समय पर उनका पारिश्रमिक प्राप्त हो। सहियाओं के कार्य को तकनीकी रूप से और अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से उन्हें शीघ्र टैब उपलब्ध कराने का भी निर्देश मंत्री ने दिया।

कम वित्तीय व्यय वाले कार्यक्रमों पर विशेष निगरानी

समीक्षा के दौरान विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी लेते हुए मंत्री ने उन योजनाओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, जिनमें निर्धारित लक्ष्य की तुलना में वित्तीय व्यय कम पाया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं एवं गतिविधियों का समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा उपलब्ध बजट का निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप समुचित उपयोग हो। मंत्री ने स्पष्ट किया कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

नियमित मॉनिटरिंग व क्षेत्रीय फीडबैक को बनाया जाए आधार

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने अधिकारियों को अपने-अपने कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र भ्रमण तथा जमीनी स्तर से प्राप्त फीडबैक के आधार पर योजनाओं में आवश्यक सुधार किए जाएं। उन्होंने विभागीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान, बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक के अंत में मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ समयबद्ध तरीके से आम जनता तक पहुंचे, इसके लिए सभी स्तरों पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्यों की समय पर प्राप्ति, मानव संसाधन की उपलब्धता, स्वास्थ्यकर्मियों को सामाजिक सुरक्षा तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं जनहितकारी बनाने के लिए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति, बजट के उपयोग तथा आमजनों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, निदेशक वित्त सहित स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों के नोडल पदाधिकारी एवं परामर्शी उपस्थित रहे।

मंत्री ने संविदा पर कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों के मानदेय भुगतान की प्रक्रिया की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि संविदा कर्मियों के मानदेय का भुगतान HIRS के माध्यम से राज्य मुख्यालय स्तर से करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भुगतान प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब को दूर किया जा सके।

राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने मलेरिया से ग्रसित मरीजों की सुरक्षा और बीमारी की रोकथाम को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलेरिया से प्रभावित मरीजों को मच्छरदानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, साथ ही मलेरिया नियंत्रण एवं रोकथाम से जुड़ी गतिविधियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्र स्तर की स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में भी मंत्री ने महत्वपूर्ण निर्देश दिया। उन्होंने एनएचएम कर्मियों को शीघ्र ईपीएफ का लाभ उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा, ताकि मिशन के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके।

स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों के रिक्त पदों को लेकर भी स्वास्थ्य मंत्री ने गंभीरता दिखाई। उन्होंने अधिकारियों को डॉक्टरों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि राज्य की जनता को समय पर बेहतर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

प्रदीप वर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुष्पांजलि अर्पित की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने एकात्म मानववाद के प्रणेता, अंत्योदय के महान चिंतक एवं राष्ट्रनिष्ठ राजनीति के पुरोधा श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर नई दिल्ली में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनसेवा और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' के विचार आज भी समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से ओत-प्रोत पंडित दीनदयाल जी का जीवन, उनके विचार और संगठन के प्रति समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास का लाभ पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

प्रदेश भाजपा ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती, बोले आदित्य साहू

पंडित जी का संपूर्ण जीवन वंचितों के उत्थान के लिए रहा

- दीनदयाल जी ने राष्ट्र प्रथम के आदर्शों एवं उच्च नैतिक मूल्यों का हमेशा किया पालन : बाबूलाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा ने राष्ट्रवादी विचारक और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर भाजपा नेताओं द्वारा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों और आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके मार्ग एवं विचारों पर चलने का संकल्प दोहराया गया। मौके पर झारखंड प्रदेश भाजपा ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय एवं पंडित दीनदयाल नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश कार्यालय में जहां प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह के द्वारा मुख्य रूप से श्रद्धांजलि दी गई। वहीं पंडित दीनदयाल नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय समाज के गरीब, पिछड़े और वंचित वर्ग के लिए हमेशा समर्पित रहे। उन्होंने कहा कि वे हमेशा विकास के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के विकास और उन्नति हेतु प्रयासरत रहे।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी पंडित दीनदयाल जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र प्रथम के आदर्शों एवं उच्च नैतिक मूल्यों का हमेशा पालन करने वाले व्यक्ति दीनदयाल उपाध्याय का सम्पूर्ण जीवन त्याग, तपस्या और सेवा भाव से भरा रहा। वे अंत्योदय के प्रणेता, वसुधैव कुटुम्बकम तथा एकात्म मानववाद का मंत्र देने वाले एक महान विचारक थे।

संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय दृढ़ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति थे। बचपन में ही माता पिता का साया सर से उठ जाने के भीषण संकट के बावजूद भी वे कभी रुके नहीं, थके नहीं और अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का लोहा पूरे देश को मनवाया।

श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, बालमुकुंद सहाय, महामंत्री गणेश मिश्रा, मनोज सिंह, अमर कुमार बाउरी, रांची के विधायक सीपी सिंह, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, अमरदीप यादव, सुनीता सिंह, शालिनी बैसिखियार, कार्यालय मंत्री हेमन्त दास, सूरज चौरसिया, मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, शोभा यादव, केके गुप्ता, उपमेयर नीरज कुमार, वरुण साहू, सुनील साहू, निशि जायसवाल, अमरनाथ चौधरी, राजेन्द्र शाही मुंडा, रोमित नारायण, राकेश चौधरी सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता भी शामिल रहे।

दो चुनाव आयुक्तों के सवालों से चुनाव आयोग की कार्यशैली पर उठे सवाल : लाल किशोर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि जिस तरह दो चुनाव आयुक्तों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं, उससे पिछले एक वर्ष से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग और कथित वोट चोरी को लेकर उठाए जा रहे सवालों को बल मिला है। उन्होंने कहा कि अब आयोग के भीतर से ही इस संबंध में सवाल सामने आ रहे हैं। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने आरोप लगाया कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार अनैतिक तरीके से संवैधानिक संस्थाओं पर अधिकार जमाने और उन्हें अपने नियंत्रण में लेने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि दो चुनाव आयुक्तों की ओर से उठाए गए सवालों से स्थिति स्पष्ट हो गई है। ऐसे में ज्ञानेश कुमार को बिना देर किए मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की कार्यशैली को लेकर अब देश में चुनाव की निष्पक्षता पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और पूरी चुनाव प्रणाली में बदलाव किए जाने तक कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर झारखंड में पार्टी की ओर से आंदोलन की तैयारी की जा रही है। आंदोलन के पहले चरण में 28 सितंबर को राज्य के सभी जिलों में चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा।

'भाजपा के आरोप तथ्यहीन व राजनीति से प्रेरित'

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता दीनदयाल बरनवाल के स्वास्थ्य व्यवस्था संबंधी आरोपों को तथ्यहीन और राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि सरकार 108 एंबुलेंस समेत स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और दूर-दराज के क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। शाहदेव ने कहा कि रिम्स व जिला अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार, रिक्त पदों पर नियुक्ति, आधुनिक उपकरणों की खरीद और जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता पर सरकार का ध्यान है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में घोटाले और भ्रष्टाचार के भाजपा के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि दवा प्रबंधन में डिजिटल निगरानी व्यवस्था लागू की गई है।

चेक बाउंस मामले में दोषी को एक साल की सजा

रांची। चेक बाउंस और वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट मयंक मालियाज की अदालत ने मोरहाबादी निवासी संतोष कुमार तिवारी को परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत दोषी करार देते हुए एक वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने 32.73 लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। राशि का भुगतान नहीं करने पर तीन महीने की अतिरिक्त साधारण कैद भुगतनी होगी। फैसले के बाद दोषी को न्यायिक हिरासत में ले लिया गया। बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से दायर शिकायत के अनुसार, संतोष कुमार तिवारी ने फ्लैट खरीदने के लिए बैंक से 25 लाख रुपये का गृह ऋण लिया था। बकाया भुगतान के लिए उन्होंने 25.64 लाख रुपये का चेक दिया, जो खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण बाउंस हो गया। कानूनी नोटिस के बावजूद भुगतान नहीं करने पर बैंक ने मामला दर्ज कराया।

समान नागरिक संहिता जल्द लागू करे केंद्र : सुनील सिंह

नवीन मेल संवाददाता

कहा- सवर्ण समाज के लिए भी आयोग, मंत्रालय और छात्रवृत्ति का प्रावधान हो

रांची। अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव सह झारखंड प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर केंद्र सरकार से समान नागरिक संहिता जल्द लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया गया है। एक देश में सभी नागरिकों के लिए समान कानून और अधिकार होने चाहिए।

सुनील सिंह ने कहा कि संविधान का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए समान न्याय और कानून सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग वर्गों और समुदायों के लिए अलग-अलग कानूनी प्रावधान होने से असमानता की भावना पैदा होती है। उन्होंने सभी जाति, धर्म, लिंग, वर्ग और क्षेत्र के लोगों को समान अधिकार देने की मांग की।

उन्होंने कहा कि यदि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समाज के लिए अलग-अलग मंत्रालय, आयोग, छात्रावास, छात्रवृत्ति और बजट में सामाजिक विकास के लिए प्रावधान किए जाते हैं, तो सवर्ण समाज के लिए भी समान सुविधाएं और अधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय सवर्ण आयोग, सवर्ण मंत्रालय, सवर्ण छात्रों के लिए छात्रावास और छात्रवृत्ति के साथ बजट में सवर्ण समाज के लिए प्रावधान करने की मांग की।

बैठक विधानसभा क्षेत्रवार एक-एक सीएचसी को अपग्रेड करने की योजना

100 सीएचसी के उन्नयन की तैयारी, 600 डॉक्टरों की जरूरत

नवीन मेल संवाददाता

- जिला अस्पताल से सीएचसी स्तर तक पदों की होगी रिस्ट्रक्चरिंग
- सिविल सर्जनों को 10 दिनों में प्रस्ताव देने का निर्देश

अस्पतालों में 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर

बैठक में 30 बेड और 50 बेड के प्रस्तावित एमसीएच केंद्रों के साथ-साथ 100 बेड वाले जिला अस्पतालों के लिए भी चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ के पदों की रिस्ट्रक्चरिंग करने का निर्देश दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने प्रमंडलवार विधानसभा क्षेत्रों और वहां प्रस्तावित सीएचसी उन्नयन की स्थिति की समीक्षा की तथा जिला स्तर पर अस्पतालों की वर्तमान स्थिति का आकलन किया। उन्होंने कहा कि अस्पतालों के उन्नयन के साथ पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराना भी जरूरी है, ताकि स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिल सके।

रांची। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने तथा सभी जिलों में 24 घंटे सातों दिन मरीजों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्तर तक पदों की रिस्ट्रक्चरिंग की प्रक्रिया शुरू की है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके कार्यालय कक्ष में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के सिविल सर्जन जुड़े। अपर मुख्य सचिव ने सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिया कि जिले में उपलब्ध पदों, आवश्यक पदों और अस्पतालों की वर्तमान स्थिति का आकलन कर पदों के पुनर्गठन का प्रस्ताव तैयार करें। बैठक में पूर्व में दिए गए विधानसभा क्षेत्रवार 100 सीएचसी के उन्नयन पर विशेष रूप से चर्चा की गई। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक सीएचसी का चयन कर उसे अपग्रेड करने की योजना पर विचार किया गया। चयनित अस्पतालों में आवश्यक मानव संसाधन, चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ तथा अन्य पदों की आवश्यकता का आकलन करने का निर्देश दिया गया। हम आपको बता दें कि राज्य में विधानसभा क्षेत्रवार करीब 100 सीएचसी को अपग्रेड करने का लक्ष्य रखा गया है।

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर नए अस्पताल भवन बनकर तैयार हो चुके हैं, वहां आवश्यकतानुसार नए पदों का सृजन किया जाए और अनुपयोगी अथवा पुराने पदों को सरेंडर करते हुए उनका उपयोग नए पदों के सृजन में किया जाए। सभी सिविल सर्जनों को अनुपयोगी पदों को प्रत्यर्पित करते हुए आवश्यक नए पदों के सृजन का प्रस्ताव 10 दिनों के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

बैठक में बताया गया कि 100 स्थानों को अपग्रेड करने के लिए अनुमानतः करीब 600 चिकित्सकों की आवश्यकता होगी। चिकित्सकों की उपलब्धता और नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर भी सिविल सर्जनों को आवश्यक विचार-विमर्श करने का निर्देश दिया गया।

रांची जिले में बुंडू, नामकुम, सिल्ली, रातू, कांके और मांडर जैसे सीएचसी को अपग्रेड करने के प्रस्ताव पर भी बैठक में चर्चा हुई। इसके अलावा कुछ स्वास्थ्य केंद्रों को ट्रॉमा सेंटर के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया गया। इनमें तोपचांची, बरही, निरसा, हंसडीहा, बुंडू और चैनपुर शामिल हैं।

बैठक में विशेष सचिव डॉ. नेहा अरोड़ा, डीआईसी डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, संयुक्त सचिव श्री ललित मोहन शुक्ला, श्रीमती सीमा कुमारी उदयपुर सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी तथा सभी जिलों के सिविल सर्जन उपस्थित थे।

राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चयनित सीएचसी को अपग्रेड कर आवश्यक चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाता है तो इससे जिला अस्पतालों पर मरीजों का दबाव कम करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर ही बड़ी संख्या में मरीजों को बेहतर और समय पर उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

दृष्टिपात

बिजली-पानी कनेक्शन में ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट की बाध्यता पर चैंबर ने उठाया सवाल

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष तुलसी पटेल के नेतृत्व में नगर विकास विभाग के सचिव सुनील कुमार से मुलाकात कर जमशेदपुर की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने टाटा कमांड एरिया में ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट के अभाव में नवनिर्मित भवनों को बिजली एवं पेयजल कनेक्शन नहीं मिलने, बाजार टांड की दुकानों के किराया विवाद और ट्रांसपोर्ट नगर का संचालन शुरू नहीं होने का मुद्दा उठाया। चैंबर ने कहा कि कई भवन निर्माण पूरा होने के बाद उपयोग योग्य हैं, लेकिन प्रमाणपत्र के अभाव में मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। पुराने भवनों में बिजली भार बढ़ाने या नया कनेक्शन लेने में भी प्रमाणपत्र की अनिवार्यता से परेशानी हो रही है। चैंबर ने आवश्यक जांच और औपचारिकताओं के बाद कनेक्शन देने की सरल व्यवस्था की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने ट्रांसपोर्ट नगर का जल्द संचालन शुरू करने, भवन नियमितीकरण योजना की अवधि बढ़ाने तथा बाजार टांड के किराया विवाद के स्थायी समाधान के लिए नगर विकास विभाग, चैंबर और नगर आयुक्त की समन्वय समिति बनाने का सुझाव दिया। सचिव सुनील कुमार ने सभी सुझावों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

शशांक राज ने संभाला भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष का पदभार

रांची। झारखंड भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित समारोह में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बाबूलाल मरांडी ने शशांक राज को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में उन्होंने युवा मोर्चा की गतिविधियों और विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा झारखंड के युवाओं से निरंतर संवाद स्थापित करते हुए उनकी आवाज उठाए। कर्मवीर सिंह ने कहा कि युवा मोर्चा को गांव और प्रत्येक बूथ तक संगठन को मजबूत करने के लक्ष्य के साथ काम करना चाहिए। शशांक राज ने नई जिम्मेदारी के लिए पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि युवा शक्ति को संगठन से जोड़ना और युवाओं के मुद्दों को मजबूती से उठाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि झारखंड के 30 हजार बूथों तक युवा मोर्चा को मजबूत करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। सीजीएल, एसएससी, जेपीएससी और उत्पाद से जुड़े मामलों को लेकर भी संगठन आवाज उठाएगा। इससे पहले मोरहाबादी से कार्यकर्ताओं का कारवां निकला, जो रातू रोड, किशोरगंज और हरमू चौक होते हुए भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचा। रास्ते में कई स्थानों पर शशांक राज का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमरदीप यादव, अनंत ओझा, रोमित नारायण सिंह सहित प्रदेशभर के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर भाजपा ने सरकार से मांगा सार्वजनिक ऑडिट

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता दीनदयाल बरनवाल ने झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सरकार से घोषणाओं के बजाय जमीनी स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर बड़े सरकारी अस्पतालों तक मरीजों और उनके परिजनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बरनवाल ने गिरिडीह के देवरी में कीचड़ भरे रास्ते के कारण एंबुलेंस नहीं पहुंचने की घटना का हवाला देते हुए एंबुलेंस सेवाओं की स्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने 108 एंबुलेंस के खराब होने और जरूरी उपकरणों की कमी संबंधी शिकायतों का भी उल्लेख किया। बाइक एंबुलेंस सेवा को लेकर भी उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। भाजपा प्रवक्ता ने रिम्स में नियुक्तियों, उपकरणों की खरीद और भवनों की मरम्मत में देरी तथा सदर अस्पतालों में दवाओं की कमी के मुद्दे उठाए। उन्होंने दवाओं की खरीद और एंबुलेंस व्यवस्था में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच की मांग की। बरनवाल ने सरकार से एंबुलेंस की जिला-वार उपलब्धता, ऑक्सीजन व जीवनरक्षक उपकरणों की स्थिति, अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता और स्वास्थ्य विभाग की खरीद प्रक्रिया का सार्वजनिक ऑडिट कराने की मांग की।

हाईकोर्ट ने एनएचएआई अधिकारी की पदोन्नति बरकरार रखी

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी पूर्ण चंद्र कहिली की पदावनति से जुड़े मामले में अहम फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश एम. एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट), पटना की रांची पीठ के आदेश को रद्द करते हुए एनएचएआई की पदोन्नति संबंधी कार्रवाई को बरकरार रखा। मामले के अनुसार, पूर्ण चंद्र कहिली ने 1997 में एनएचएआई में प्रारूपकार के रूप में नौकरी शुरू की थी। उन्होंने दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की और इसी आधार पर पदोन्नति पाकर उप महाप्रबंधक (तकनीकी) बने। सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2018 के एक फैसले के आधार पर एनएचएआई ने 27 जून 2024 को उनकी डिग्री को मान्य योग्यता नहीं मानते हुए उन्हें उप महाप्रबंधक पद से वापस तकनीकी सहायक के पद पर भेज दिया था। इसके खिलाफ कैट ने उनके पक्ष में फैसला दिया था। हाईकोर्ट ने कहा कि संबंधित तकनीकी पद के लिए सिविल इंजीनियरिंग की मान्य डिग्री अनिवार्य योग्यता है। लंबे कार्य अनुभव को आवश्यक शैक्षणिक योग्यता का विकल्प नहीं माना जा सकता। अदालत ने कैट के 6 फरवरी 2025 के आदेश को रद्द कर एनएचएआई की कार्रवाई को सही ठहराया।

हत्या मामले में उम्रकैद काट रहे गुलाम गौश को हाईकोर्ट से जमानत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने लोहरदगा में वर्ष 2017 के हत्या मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे गुलाम गौश अंसारी को राहत दी है। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की खंडपीठ ने उसकी सजा निलंबित करते हुए 10 हजार रुपये के मुचलके पर नियमित जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि घटना के दिन पीड़ित के घर जाना या किसी सह-आरोपी से फोन पर बातचीत होना मात्र हत्या की साजिश का मुख्य सूत्रधार साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। अदालत ने यह भी पाया कि घायल पीड़ित ने होश में रहते हुए परिजनों को हमलावरों के नाम बताए थे, लेकिन उसमें गुलाम गौश का नाम नहीं था। वारदात में इस्तेमाल बाइक की बरामदगी और उसके मालिकाना हक से जुड़े पुलिस के दावे पर भी अदालत ने सवाल उठाए। मामला कुड़ू थाना क्षेत्र का है, जहां धान खरीदने के बहाने युवक को नदी किनारे ले जाकर गोली मार दी गई थी। वर्ष 2020 में निचली अदालत ने चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

बारिश-तेज हवा में नगर निगम की त्वरित कार्रवाई, 24 जगहों से हटाए पेड़

- क्विक रिस्पॉन्स टीम ने रात-दिन जुटकर सड़कें कराईं साफ, झुके पेड़ों की भी की छंटाई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं के बीच रांची नगर निगम की टीमों ने शहर में त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 स्थानों से गिरे पेड़ और उनकी डालियां हटाईं। पेड़ गिरने से कई जगहों पर यातायात प्रभावित होने और दुर्घटना की आशंका को देखते हुए निगम की उद्यानिकी और स्वच्छता शाखा की टीमों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर रास्ते साफ किए। वहीं, जहां पेड़ तेज हवा के कारण झुक गए थे, वहां आवश्यकतानुसार डालियों की छंटाई कर आवागमन सुचारू कराया गया। नगर निगम के अनुसार, एजी मोड़, हवाई नगर रोड, डोरंडा स्थित केंद्रीय विद्यालय रोड, हरमू बाइपास-सैटेलाइट चौक, ऑड्रे हाउस के पास, कांके रोड, इरगु टोला, पहाड़ी मंदिर लेन, सेक्टर-3 और सेक्टर-4 धुर्वा, चिरौंजी, बरियातू हिल व्यू अस्पताल के पास, डीएवी नंदराज के पास, पटेल चौक हरमू, भूतनाथ मंदिर हरमू, मिशन चौक, भरपकना चौक, जेल चौक, संत फ्रांसिस स्कूल के पास, सदर थाना, हटिया कब्रिस्तान के पास, एदलहातू, पल्लवी कॉन्वेंट के पास, डोरंडा साउथ ऑफिस पाड़ा और भाभा नगर कोकर सहित अन्य इलाकों में पेड़ व डालियां हटाई गईं।

सड़कों पर गिरते पेड़ों से बढ़ा खतरा : लगातार बारिश और तेज हवा के कारण शहर के कई हिस्सों में पेड़ और उनकी डालियां टूटकर सड़कों पर गिर रही हैं। ऐसे में निगम ने नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। निगम का कहना है कि तेज बारिश और हवा के दौरान लोग पेड़ों के नीचे या कमजोर एवं झुके हुए पेड़ों के आसपास खड़े न हों। अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें और वाहनों को पेड़, बिजली के खंभे अथवा कमजोर संरचनाओं के नीचे खड़ा न करें।

गिरे तारों से रहें दूर : नगर निगम ने बिजली के गिरे हुए तारों और उनके संपर्क में आए पेड़ों से दूरी बनाए रखने की अपील की है। लोगों से कहा गया है कि वे ऐसे तारों या पेड़ों को खुद हटाने का प्रयास न करें। कहीं पेड़ गिरने, डालियां टूटने या पेड़ के झुकने की सूचना मिलने पर तत्काल निगम को जानकारी दें।

खादगढ़ा बस टर्मिनल से 7 दिनों में हटाएं लावारिस बसें

नवीन मेल ने उठाया था सवाल

रांची। रांची नगर निगम ने भगवान बिरसा मुंडा बस टर्मिनल, खादगढ़ा-कांटाटोली परिसर में लंबे समय से खड़ी लावारिस, कंडम एवं अनुपयोगी बसों के मालिकों को सात दिनों के भीतर वाहन हटाने का निर्देश दिया है। निगम की ओर से जारी आम सूचना में कहा गया है कि निर्धारित अवधि में बसें नहीं हटाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के अनुसार, समय सीमा समाप्त होने के बाद संबंधित सक्षम प्राधिकारी एवं मोटर वाहन निरीक्षक के माध्यम से बसों का मूल्यांकन और दर निर्धारण कराया जाएगा। इसके बाद नियमों के तहत बसों की नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। निगम ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के बाद बस मालिकों की ओर से किसी प्रकार का दावा, अनुरोध या आपत्ति प्रस्तुत किए जाने पर उस पर विचार नहीं किया जाएगा। संबंधित बस मालिकों से अपने वाहनों को तय समय सीमा के अंदर बस टर्मिनल परिसर से हटाने की अपील की गई है।

बीएयू के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ अखिलेश कुमार सिंह नहीं रहे

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर और रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय के एक्वाकल्चर विभाग के अध्यक्ष डॉ अखिलेश कुमार सिंह का शुक्रवार (25 सितंबर) को अपराह्न कोलकाता में निधन हो गया। उनकी उम्र लगभग 63 वर्ष थी। वह पिछले कुछ अरसा से अस्वस्थ थे और कोलकाता में इलाजरत थे। वह झारखंड में मात्स्यिकी विज्ञान के एकमात्र स्थायी शिक्षक और प्रोफेसर थे। आईसीएआर के सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिशरीज एजुकेशन, मुंबई से मास्टर डिग्री करने के बाद उन्होंने वर्ष 1991 में आरवीसी के पशु उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके प्रयासों से आरवीसी में अलग एक्वाकल्चर विभाग की स्थापना हुई । उन्हीं की पहल पर गुमला में मात्सियकी विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना हुई जिसके संस्थापक एसोसिएट डीन के रूप में उन्होंने कई वर्ष कार्य किया।

गोवंशीय पशुओं के साथ क्रूरता मामले में 35 नामजद समेत 25 अज्ञात पर एफआईआर

रांची। डोरंडा थाना क्षेत्र के रहमत कॉलोनी स्थित फ्रेंड्स कंपाउंड के चूड़ीखाना परिसर में गोवंशीय पशुओं के साथ कथित क्रूरता और अवैध वध के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में 35 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है, जबकि 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, 23 सितंबर को सूचना के आधार पर परिसर में छापेमारी की गई थी। तलाशी के दौरान वहां 84 गोवंशीय पशु बरामद किए गए। इनमें 39 गाय, 16 बाछी, 15 बाछा और 14 बैल शामिल हैं। परिसर से करीब 450 पीस गोवंशीय पशुओं का चमड़ा और बड़ी मात्रा में हड्डियां भी बरामद होने की बात प्राथमिकी में कही गई है। बरामद पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखने की व्यवस्था की गई है। डोरंडा थाना कांड संख्या 229/26 में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अलावा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और झारखंड गोवंशीय पशु वध प्रतिषेध अधिनियम, 2005 की संबंधित धाराएं लगाई गई हैं।

जल जीवन मिशन की योजनाएं समय पर पूरी करें : उपायुक्त

मॉडल विलेज के भौतिक सत्यापन में तेजी लाने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों और अभियंताओं को योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत पूर्वी और पश्चिमी पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडलों में संचालित बहु-ग्राम योजना और एकल ग्राम योजना की स्थिति की जानकारी ली गई। लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने को कहा गया। उपायुक्त ने अभियंताओं को नियमित स्थल निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की निगरानी करने का निर्देश दिया। योजनाओं का भौतिक सत्यापन और संबंधित दस्तावेजों को अद्यतन रखने पर भी जोर दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत चालू वित्तीय वर्ष में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण की प्रखंडवार प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने पात्र लाभुकों का शीघ्र चयन कर निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा लाभुक चयन में ऑनलाइन माध्यम का प्रभावी उपयोग करने को कहा। बैठक में मॉडल गांवों के विकास कार्यों की भी समीक्षा हुई। शेष गांवों में निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य पूरा करने और लंबित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी योजनाओं का स्थल निरीक्षण कर कमियों को तत्काल दूर किया जाए।

बैठक में उप विकास आयुक्त संजय भगत, जिला शिक्षा पदाधिकारी बादल राज सहित संबंधित अधिकारी और अभियंता मौजूद थे।

नगड़ी ईवीएम वेयरहाउस का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने शुक्रवार को नगड़ी स्थित ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट की सुरक्षा व्यवस्था, भंडारण, सीसीटीवी निगरानी, प्रवेश-निकास नियंत्रण और संबंधित अभिलेखों की जांच की। उपायुक्त ने अधिकारियों को ईवीएम एवं वीवीपैट के रख-रखाव और सुरक्षा से जुड़े निर्धारित प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने नियमित निगरानी और समय-समय पर जांच करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, उप निर्वाचन पदाधिकारी बिबेक कुमार सुमन और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय मौजूद थीं।

रातू से पंडरा के बीच एनएच 75 के किनारे दिन रात लगने वाले किसी भी वाहन चालक के पीछे लाल बत्ती नहीं जलती जिससे बरसात के धुंधलके में ये जमशेदपुर की दु:खद घटना की तरह जानलेवा साबित हो सकते हैं

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में अनंत चतुर्दशी पर हुआ विशेष पूजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नगर के प्रसिद्ध दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी का व्रत पर्व पूरे विधि-विधान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अनंत रूप में भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर की विशेष पूजा-अर्चना की गई। प्रातः भगवान के विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम् और अन्य नित्य आराधना के बाद दूध, दही, शहद, गंगाजल और डाभयुक्त जल से महाभिषेक किया गया। इसके बाद हल्दी के लेप तथा सहस्त्रधारा से भगवान का अभिषेक हुआ। भगवान के सभी विग्रहों को सुगंधित चंदन से अलंकृत कर कुंभधारा, चक्रधारा और शंखधारा से अभिषेक किया गया। इसके बाद श्रीदेवी, भूदेवी, नीलादेवी और पद्मावती सहित भगवान श्रीमन्नारायण का सुगंधित तेल और इत्र से मार्जन कर वस्त्राभूषणों से श्रृंगार किया गया। वनमाला, मुकुट और विभिन्न मालाओं से भगवान के विग्रह को आकर्षक रूप से सजाया गया। महाआरती के बाद पोंगल, खीर, फल और मेवे का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद भगवान श्रीनिवास के अनंत रूप की गंध, दीप, धूप, कुंकुम, चंदन, तुलसीदल और पुष्प आदि से विधिवत पूजा की गई। पूजन के उपरांत विभिन्न स्तोत्रों से भगवान की स्तुति की गई। मंदिर में दिनभर चले अनुष्ठान को अर्चक सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य और नारायण दास ने विधिवत संपन्न कराया। महाभिषेक के यजमान रांची निवासी शशांक धरनीधरका और उनकी धर्मपत्नी सौम्या धरनीधरका रहे। आयोजन में राम अवतार नारसरिया, अनूप अग्रवाल, प्रदीप नारसरिया, राजेश सुल्तानिया, रंजन सिंह और ओमप्रकाश गरोदिया सहित अन्य श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।

आज कल

नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा को लेकर विभागीय कार्यशाला

व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी : माधवी मिश्रा

- अधिकारियों को डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और कानून के अनुपालन के उपायों की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट भवन, धुर्वा स्थित न्यू ऑडिटोरियम में 'डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 एवं डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025' विषय पर विभागीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन सी-डैक, कोलकाता ने झारखंड सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग के समन्वय से किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए आईटी निदेशक माधवी मिश्रा ने कहा कि अधिनियम का मूल उद्देश्य आम नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। लोग सरकार पर भरोसा कर अपना डेटा साझा करते हैं और इस विश्वास की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रशासन के विस्तार के साथ नई चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विभागीय अधिकारियों को डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और कानून के अनुपालन से जुड़े पहलुओं की जानकारी देना जरूरी है।कार्यशाला में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ और प्रशासनिक पदाधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के प्रमुख प्रावधानों, दायित्वों और अनुपालन प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

आईआईएम के हिंदी पखवाड़ा में डॉक्यूमेंट्री 'द लास्ट सैल्यूट' की स्क्रीनिंग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़ा के तहत डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग और परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'ऑपरेशन सफेद सागर : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द करगिल वॉर' के निर्माता-निर्देशक कुशल श्रीवास्तव बतौर अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत उनकी हालिया डॉक्यूमेंट्री 'द लास्ट सैल्यूट : ए लव स्टोरी टू मिग-21' की स्क्रीनिंग से हुई।डॉक्यूमेंट्री में 26 सितंबर 2025 को भारतीय वायुसेना के ऐतिहासिक मिग-21 लड़ाकू विमान को दी गई विदाई समारोह को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसमें मिग-21 की 62 वर्षों की सेवा और भारतीय वायुसेना के 23 स्क्वाड्रन 'पैंथर्स' के साथ उसकी शौर्यगाथा को दिखाया गया है। डॉक्यूमेंट्री में वायुसेना के विभिन्न स्क्वाड्रनों में मिग-21 से उड़ान भरने वाले अधिकारियों की यादों, अनुभवों और महत्वपूर्ण घटनाओं को भी शामिल किया गया है। स्क्रीनिंग के बाद 'सोल टॉक' मंच पर आयोजित परिचर्चा में कुशल श्रीवास्तव ने अपनी जीवन यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि स्नातक की पढ़ाई के दौरान वर्ष 1999 में करगिल युद्ध हुआ था। युद्ध से प्रभावित होकर उन्होंने वायुसेना में जाने का निर्णय लिया और उसी वर्ष भारतीय वायुसेना में शामिल हो गए।

दृष्टिपात

श्रीमद्भागवत कथा में उमड़े श्रद्धालु, साध्वी गोपिका जी ने सुनाए गोवर्धन लीला के प्रसंग

रांची। पुंदाग स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में श्री राधाष्टमी महोत्सव के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के षष्ठम दिवस कथा का वातावरण अत्यंत भक्तिमय रहा। वृंदावन की सुप्रसिद्ध कथा वाचिका साध्वी गोपिका जी ने भगवान श्रीकृष्ण की कालिया नाग दमन, गोवर्धन लीला, दिव्य महारास एवं मथुरा गमन की कथा का भावपूर्ण एवं विस्तृत वर्णन किया। कथा का प्रारंभ श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से हुआ। साध्वी गोपिका जी ने बताया कि कालिया नाग के विष से यमुना का जल दूषित हो गया था। भगवान श्रीकृष्ण ने यमुना में प्रवेश कर कालिया नाग का दमन किया और उसे अहंकार एवं दुष्टता का त्याग कर यमुना से दूर जाने का संदेश दिया। यह प्रसंग धर्म की अधर्म पर विजय और प्रकृति की शुद्धता का प्रतीक है। इसके बाद गोवर्धन लीला का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को प्रकृति एवं गोवर्धन पर्वत के प्रति कृतज्ञता का भाव रखने की प्रेरणा दी और इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठिका अंगुली पर धारण किया।

महिला काव्य मंच की पूर्वी एवं पश्चिमी इकाइयों की संयुक्त गोष्ठी

रांची। अंतर्राष्ट्रीय संस्था महिला काव्य मंच की पूर्वी एवं पश्चिमी इकाइयों की संयुक्त गोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन 23 सितंबर को संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण के आवास पर हुआ। संस्था के संस्थापक नरेश नाज के दिशा-निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में प्रख्यात लेखक एवं आलोचक अशोक प्रियदर्शी तथा दूरदर्शन के पूर्व निदेशक प्रमोद कुमार झा उपस्थित रहे। अशोक प्रियदर्शी ने हिंदी साहित्य के विभिन्न आयामों पर विचार रखते हुए लेखन की बारीकियों और रचनात्मकता से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की। प्रमोद कुमार झा ने लेखन को समृद्ध बनाने के लिए विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों से जुड़ी पुस्तकों के निरंतर अध्ययन की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के आरंभ में सारिका भूषण ने स्वागत संबोधन के दौरान गोष्ठी एवं कार्यशाला की नई पहल के उद्देश्य से सदस्यों को अवगत कराया। इस अवसर पर मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं समापन सहयोगात्मक माहौल में हुआ।

कलकत्ता पब्लिक स्कूल में आयुर्वेद दिवस मनाया गया

रांची। आयुर्वेद दिवस के अवसर पर कलकत्ता पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं ने स्लाइड और पीपीटी के माध्यम से आयुर्वेद के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने महर्षि धन्वंतरि और चरक के योगदान के साथ दवा निर्माण, शल्य चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक चिकित्सा, नवजात शिशु चिकित्सा और स्त्री रोग चिकित्सा जैसी आयुर्वेदिक पद्धतियों से शिक्षकों और विद्यार्थियों को अवगत कराया। लकी शिप्रा और कोमल ने अपनी प्रस्तुति के दौरान तुलसी, अर्जुन, पीपल, एलोवेरा, पत्थरचट्टा, लेमनग्रास और नीम सहित विभिन्न औषधीय पौधों का भौतिक रूप से अवलोकन कराया। उन्होंने इन पौधों के औषधीय महत्व और उपयोगिता की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने बताया कि आयुर्वेद में औषधीय पौधों का विशेष महत्व है। उन्होंने योग और प्राणायाम को भी स्वस्थ जीवनशैली के लिए उपयोगी बताया।

खराब मौसम और तेज हवाओं से 24 उड़ानें प्रभावित, कनेक्टिंग फ्लाइट वाले परेशान

रांची। बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर शुक्रवार को खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण हवाई सेवा बुरी तरह प्रभावित हुई। लगातार बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं की वजह से कुल 12 उड़ान रोटेशन रद्द करने पड़े। इसके कारण, 12 विमानों के आगमन और 12 विमानों के प्रस्थान समेत कुल 24 विमान मूवमेंट प्रभावित हुए। उड़ानों के रद्द और मार्ग परिवर्तित होने से देश के विभिन्न प्रमुख शहरों की यात्रा कर रहे सैकड़ों यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास कर रहे कई विमानों को कम दृश्यता और खराब मौसम की वजह से दूसरे शहरों के लिए मार्ग परिवर्तित करना पड़ा।

तीन विमानों का मार्ग परिवर्तित : मौसम की मार सबसे अधिक इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों पर पड़ी। इंडिगो की पुणे से रांची आने वाली उड़ान 6ई 6484 ने बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास किया। मौसम अनुकूल न होने की स्थिति में विमान को उतरने की अनुमति नहीं मिली और चालक दल को विमान वाराणसी की ओर मोड़ना पड़ा। इसी प्रकार, कोलकाता से रांची आ रही इंडिगो की उड़ान 6ई 7561 भी तेज हवाओं और बारिश के कारण रांची में उतरने में असफल रही, जिसके बाद इसे वापस कोलकाता भेज दिया गया। दिल्ली से रांची आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई 6370 को भी शुरुआती प्रयास में असफलता मिलने पर वाराणसी भेजा गया। हालांकि, बाद में मौसम में सुधार होने के बाद यह विमान वाराणसी से लौटकर रांची में सुरक्षित उतर गया। इस दौरान विमान में सवार यात्रियों को काफी समय तक अपने गंतव्य तक पहुंचने का इंतजार करना पड़ा। दूसरी ओर, एयर इंडिया के विमानों के परिचालन में भी हल्की परेशानी दर्ज की गई, लेकिन कंपनी का कोई भी विमान रद्द नहीं हुआ।

बरका-सयाल की टीम बनी 40वीं जोनल खान बचाव प्रतियोगिता की विजेता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की ओर से आयोजित 40वीं जोनल खान बचाव प्रतियोगिता-2026 का चार दिवसीय आयोजन सीसीएल मुख्यालय स्थित गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर के संगम सभागार में संपन्न हुआ। समापन समारोह में विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों और प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बरका-सयाल क्षेत्र की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में समग्र विजेता का खिताब हासिल किया। आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त क्षेत्र की टीम को समग्र रूप से दूसरा और अरगड़ा क्षेत्र की टीम को तीसरा स्थान मिला। बरका-सयाल की टीम ने बचाव एवं पुनर्बहाली तथा रिले दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया। आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त की टीम बचाव एवं पुनर्बहाली में तीसरे, प्राथमिक उपचार के व्यावहारिक प्रदर्शन और खान सुरक्षा संबंधी नियमों की परीक्षा में दूसरे स्थान पर रही। अरगड़ा की टीम ने समग्र तीसरे स्थान के साथ सैद्धांतिक परीक्षा में दूसरा स्थान हासिल किया। व्यक्तिगत श्रेणी में आम्रपाली एवं चंद्रगुप्त के नदीम रहमान आलम को सर्वश्रेष्ठ कप्तान और अरगड़ा के सच्चिदानंद कुमार को द्वितीय सर्वश्रेष्ठ कप्तान चुना गया। कुजू के हितेश झा को सर्वश्रेष्ठ सदस्य तथा बरका-सयाल के मनीष कुमार सिंह को द्वितीय सर्वश्रेष्ठ सदस्य का पुरस्कार मिला।

मानवाधिकार आयोग की विशेष प्रतिवेदक ने किया करांजी जलाशय का निरीक्षण

रैयतों से जमीन के मुआवजे और पुनर्वास की ली जानकारी, दो करोड़ 56 लाख रुपए की मुआवजा राशि का आवंटन

- **रैयतों ने बताया कि वर्ष 2013 में छह एकड़ 56 डिसमिल जमीन पर करांजी डेम का निर्माण कराया गया था**

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की विशेष प्रतिवेदक एवं सेवानिवृत्त आईएएस सुचित्रा सिन्हा ने शुक्रवार को पदाधिकारियों की टीम के साथ बेड़ो प्रखंड के करांजी जलाशय का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जलाशय की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और इससे प्रभावित रैयतों से मुलाकात कर जमीन के मुआवजे एवं पुनर्वास से संबंधित जानकारी ली। विशेष प्रतिवेदक ने जलाशय स्थल का निरीक्षण कर वहाँ की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने किसानों से जलाशय के उपयोग तथा उससे जुड़ी गतिविधियों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इसके बाद पंचायत सचिवालय में मुखिया एवं ग्राम प्रधान की मौजूदगी में जलाशय के लिए जमीन देने वाले रैयतों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। रैयतों ने बताया कि वर्ष 2013 में लघु सिंचाई विभाग की ओर से करीब छह एकड़ 56 डिसमिल जमीन पर करांजी डेम का निर्माण कराया गया था। जलाशय निर्माण के लिए अधिग्रहित जमीन के मुआवजे को लेकर रैयतों से जानकारी ली गई। इस संबंध में भू-अर्जन विभाग की ओर से बताया गया कि अधिग्रहित भूमि के एवज में वर्तमान दर के अनुसार करीब दो करोड़ 56 लाख रुपये की राशि का आवंटन हो चुका है। उक्त राशि का भुगतान संबंधित रैयतों को किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिला भू-अर्जन पदाधिकारी कृष्ण कन्हैया राजहंस, केके राजन सिंह, बेड़ो अंचलाधिकारी राजकुवार सिंह, अंचल निरीक्षक संतोष कुजूर, लघु सिंचाई विभाग के महेश, कार्यालय सहायक विजय, जनसंपर्क पदाधिकारी रिचा वर्मा कंम्पयूटर ऑपरेटर राकेश कुमार कदम मनोरंजन देवघरिया समेत अन्य कर्मी एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

अखंड हरि कीर्तन का आयोजन

चान्हो। प्रखंड स्थित शुक्रवार को टांगरमें केंद्रीय कीर्तन समिति 'मातृशक्ति' के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर टांगर देवी मंडप में दो दिवसीय अखंड हरि कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के करीब 45 से 50 गांवों की मातृशक्तियां एवं महिला कीर्तन मंडलियां उत्साहपूर्वक शामिल हो रही हैं। कार्यक्रम में अधिवक्ता सह जनसेवी जिपस आशुतोष तिवारी भी पहुंचे और अखंड हरि कीर्तन में शामिल होकर आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई। इस दौरान उन्होंने आयोजन में शामिल महिलाओं एवं श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। अखंड हरि कीर्तन में टांगर, हुटार, रानीचाचो, सोंस, दर्जीजाड़ी, कानीजाड़ी, महुआजाड़ी, गुडगुडजाड़ी, बंझिला, सरगांव, कैम्बो, बूढ़ाखुखरा, दुल्ली (मैक्लुस्कीगंज), लुन्डरी, सुकुरहुटू, पहाड़कंडरिया, कोटपाली, कनभिठा, बसकी, कुरकुरा-मंदरो, सिलागांई, कोकर, पचंबा, लुरंगी, होन्हे, हेंजला, चंदलासो, नन्तीलो एवं कुडु सहित विभिन्न गांवों की महिला कीर्तन मंडलियां भाग ले रही हैं।

दृष्टिपात

डीएसपीएमयू ने एमए उर्दू में सरवरी परवीन गोल्ड मेडल से सम्मानित

पिठोरिया। कांके प्रखंड के हुसीर गांव की रहने वाली सरवरी परवीन ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) रांची में एमए उर्दू (सत्र 2024-26) में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टॉपर का गोल्ड मेडल हासिल किया, विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में गुरुवार को उन्हें राज्यपाल द्वारा गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया, सरवरी के इस उपलब्धि पर माता असगरी खातून, परिवार के साथ साथ हुसीर गांव में भी खुशी का माहौल है. परिजनों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, ग्रामीण परिवेश में रहने वाली सरवरी की उपलब्धि क्षेत्र से अन्य छात्राओं के लिये वह प्रेरणाश्रोत है।

तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त

सिल्ली। तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से सिल्ली में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मूसलाधार बारिश के कारण लोग अपने घरों में कैद होने को मजबूर हैं।सबसे ज्यादा परेशानी सिल्ली हाट बाजार के सब्जी किसानों को हो रही है।हाट बागान में जलजमाव के कारण किसान अपनी सब्जी की दुकानें नहीं लगा पा रहे हैं।पानी की समुचित निकासी की व्यवस्था नहीं होने से पूरे बाजार परिसर में घुटने भर पानी जमा हो गया है, जिससे किसानों की हरी सब्जियां खराब होने की कगार पर हैं।जलजमाव के कारण खरीदार भी बाजार के अंदर नहीं जा पा रहे हैं,जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई कच्ची सड़कों पर कीचड़ और पानी भर जाने से आवागमन बाधित हो गया है।स्थानीय किसानों और व्यापारियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है ताकि हाट बाजार की स्थिति सामान्य हो सके और किसानों को राहत मिल सके।

भाजपाइयों ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

सिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा शुक्रवार के दिन पार्टी कार्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक प्रखर राष्ट्रवाद,विचारक एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता परम पूज्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। सभी कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनको नमन किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों को हर लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया तथा बताया कि उनका विचार राष्ट्र सेवा के साथ आज भी समाज के प्रत्येक वर्गों के विकास की प्रेरणा देती है।उनका चिंतन, हमेशा विकसित भारत का निर्माण के लिए प्रेरित करता है साथ ही समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान एवं कल्याण की ओर संकेत करता है।कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।इस मौके पर सिल्ली मंडल अध्यक्ष अंबुज रजक,महामंत्री हरिहर महतो,दिनेश चंद्र महतो,कृष्णा रविदास समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

चान्हो मंडल में मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

नवीन मेल संवाददाता

चान्हो। प्रखंड स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके विचारों एवं आदर्शों को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, उनके सामाजिक चिंतन तथा राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के विकास और कल्याण को प्राथमिकता देने की बात कही थी। उनके विचार आज भी समाज और राष्ट्र के विकास के लिए प्रेरणादायक हैं। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष शालिक राम पाण्डेय, जिला महामंत्री सतीश कुमार साहू, रमेश प्रसाद, दयानंद कुमार, दीपक कुमार साहू, सुरेश साहू, महादेव उरांव, हरीश कुमार, नागेंद्र उरांव, अर्जुन कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर खलारी में सामूहिक गायन

448 लोगों ने एक साथ वंदे मातरम् का गायन किया

- **पहला कार्यक्रम राजकीयकृत मध्य विद्यालय खलारी बाजार में हुआ, जिसमें विद्यार्थियों सहित 148 लोग शामिल हुए**

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने तथा पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को सरस्वती विद्या मंदिर करकट्टा, खलारी की ओर से दो स्थानों पर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन का आयोजन किया गया। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में नमामि भारतम् कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम में दोनों स्थानों पर कुल 448 लोगों ने एक साथ वंदे मातरम् का गायन किया। पहला कार्यक्रम राजकीयकृत मध्य विद्यालय खलारी बाजार में हुआ, जिसमें विद्यार्थियों सहित 148 लोग शामिल हुए। वहीं धमधमिया स्थित तुमांग पंचायत सचिवालय में आयोजित दूसरे कार्यक्रम में विद्यार्थियों सहित 300 लोगों ने भाग लिया। दोनों स्थानों पर सुबह 11 बजे सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया गया। रामवि खलारी में आचार्य चंद्रभूषण सिंह तथा तुमांग पंचायत सचिवालय में आचार्य गोविंद कुमार चौहान ने पं. दीनदयाल उपाध्याय और वंदे मातरम् के इतिहास की जानकारी दी। गौरीशंकर कामिला और अजयकुमार पाठक क्रमशः दोनों कार्यक्रमों के मुख्य संयोजक व संयोजक थे। कार्यक्रम में अशोककुमार अग्रवाल, विवेकानंद झा, उत्तरा कुमार, गिरिधर मिश्र, आशा देवी, मनीष गिरि, राजेश वर्मा, महेंद्र यादव, उमाकांत सिंह, संतोषकुमार महली, सहदेव महली, राधेचंद्र पासवान, अमृत भोगता, नेपाल सिंह, शशि उरांव, भोला चौहान, देवनारायण टुंडू, पुष्पा विश्वकर्मा, अनु होरो और रजनीश प्रजापति सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुरुषोत्तमकुमार सिंह, विक्रमकुमार पांडेय, पुनम पाठक, बसंती कुमारी, प्रिया कुमारी, वर्षा कुमारी, दिलीपकुमार शर्मा, उमेश कुमार, विद्यानंद झा, सूरज कुमार, संजीवकुमार सिंह, नूतन सिंह, योगेंद्र सिंह, सबिता देवी, नीरा देवी और सुभाष देवी सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा।

कैटरर्स को जीएसटी और खाद्य लाइसेंस की दी जाएगी जानकारी

26 सितंबर को होगा झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन का 9वां समारोह

- **ग्रेविटास बैंक्वेट हॉल में होगी जागरूकता कार्यशाला, मोराबादी में फूड एंड कैटरिंग एक्सपो की तैयारी**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड कैटरर्स एसोसिएशन (जेसीए) का नौवां कैटर्स दिवस एवं जागरूकता कार्यशाला 26 सितंबर को आयोजित होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर होटल ग्रीन पार्क, रांची में एसोसिएशन की बैठक हुई। अध्यक्षता संयोजक नवीन शर्मा ने की। बैठक में कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों को जीएसटी, फूड लाइसेंस और ट्रेड लाइसेंस समेत विभिन्न सरकारी नियमों के प्रति जागरूक करने पर चर्चा हुई।

एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल अग्रवाल ने बताया कि 26 सितंबर को होने वाले कार्यक्रम का शुभारंभ चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल एवं उनकी टीम द्वारा किया जाएगा। इस दौरान वह कैटरर्स को संबोधित भी करेंगे। होटल रमाडा के प्रमुख शेफ सुबेंदु राय कैटरिंग व्यवसाय में कॉन्टिनेंटल, थाई और इंडियन फूड को मेनू में शामिल करने से जुड़े अपने अनुभव साझा करेंगे। गुजरात की क्लियर वाटर संस्था की ओर से जल प्रबंधन, उत्पादन से लेकर आपूर्ति तक की पूरी प्रक्रिया की डिजिटल प्रस्तुति भी दी जाएगी। सचिव अरुण सिंह ने बताया कि समय के साथ सरकारी नियमों का पालन कैटरिंग व्यवसाय के लिए जरूरी हो गया है। इसी उद्देश्य से 26 सितंबर को सुबह 11 बजे से पुंदाग स्थित ग्रेविटास बैंक्वेट हॉल में विशेष जागरूकता कार्यशाला होगी। इसमें फूड लाइसेंस, ट्रेड लाइसेंस और जीएसटी से संबंधित अधिकारी कैटरर्स को नियमों और प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी देंगे। जीएसटी विषय पर सीए हर्ष अग्रवाल भी अपने विचार रखेंगे। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। एसोसिएशन के दसवें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में मोराबादी मैदान में झारखंड का पहला फूड एंड कैटरिंग एक्सपो आयोजित करने की भी तैयारी है। मीडिया प्रभारी राहुल कुमार कश्यप ने बताया कि कैटरर्स दिवस पर कैटरर्स परिवार के लिए संध्या में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जिला स्तरीय निर्यात संवर्धन समिति की बैठक

निर्यात योग्य उत्पादों की पहचान, गुणवत्ता, पैकेजिंग और ब्रांडिंग सुधारने पर जोर

- **अधिकारियों को उत्पादों से संबंधित आवश्यक जानकारी जुटाने सहित अन्य हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्थानीय उत्पादों और सेवाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने तथा निर्यात की संभावनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला स्तरीय निर्यात संवर्धन समिति की बैठक हुई। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में निर्यात की संभावनाओं वाले उत्पादों की पहचान, उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, बाजार उपलब्धता, आपूर्ति श्रृंखला और परिवहन व्यवस्था समेत विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में संबंधित विभागों और हितधारकों को जिले के ऐसे उत्पादों एवं सेवाओं की पहचान करने का निर्देश दिया गया, जिनकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग है और जिनमें निर्यात की पर्याप्त संभावना है। स्थानीय उत्पादकों, कारीगरों, उद्यमियों, किसान उत्पादक संगठनों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को निर्यात प्रक्रिया से जोड़ने तथा उन्हें तकनीकी और संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। जिले की आर्थिक एवं उत्पादन क्षमता को निर्यात संवर्धन से जोड़ने के लिए जिला-विशिष्ट निर्यात कार्ययोजना तैयार करने और उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। इसके तहत संभावित उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने, स्थानीय स्तर पर आने वाली बाधाओं की पहचान कर उनका समाधान करने और उत्पादकों को संभावित बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को संभावित निर्यात योग्य उत्पादों से संबंधित आवश्यक जानकारी जुटाने और विभागों, उद्योग संगठनों, निर्यात संवर्धन परिषदों, बैंकिंग संस्थानों सहित अन्य हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया। उत्पादों की गुणवत्ता, मानकीकरण, पैकेजिंग और प्रमाणन से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में भी काम करने को कहा गया।

रेलवे परिसरों में चला जागरूकता अभियान

चारों मंडलों में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनभागीदारी

- **प्लास्टिक बोतल नष्ट करने वाली मशीनों के संबंध में भी लोगों को जानकारी दी गई**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे अभियान के तहत रेलवे के चारों मंडलों में व्यापक स्वच्छता अभियान, जागरूकता कार्यक्रम और जनभागीदारी से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

24 सितंबर को खड़गपुर मंडल की ओर से घरेलू स्तर पर कचरे से खाद बनाने और जैविक खाद की सुविधाओं के संबंध में घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाया गया। स्टेशनों के खान-पान क्षेत्र में कपड़े के थैलों के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। प्लास्टिक बोतल नष्ट करने वाली मशीनों के संबंध में भी लोगों को जानकारी दी गई। खेल परिसरों, विद्यालयों और रेलवे कॉलोनियों में शून्य-कचरा प्रतियोगिताओं के माध्यम से टिकाऊ कचरा प्रबंधन और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।

आद्रा मंडल में पुरुलिया और जयचंडी पहाड़ रेलवे स्टेशनों, मंडलीय रेलवे अस्पताल तथा वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता कार्यालय में गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया। पुरुलिया रेलवे कॉलोनी में 'एकल उपयोग प्लास्टिक को कहें ना' विषय पर जागरूकता अभियान भी आयोजित किया गया।

सीआरटी परीक्षा केंद्र के 200 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा

रांची। संघ लोक सेवा आयोग की संयुक्त भर्ती परीक्षा-5 (सीआरटी-5), 2026 का आयोजन 27 सितंबर को राजकीय बालिका प्लस-2 उच्च विद्यालय, बरियातू में किया जाएगा। परीक्षा के कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण संचालन तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए परीक्षा केंद्र के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की गई है। अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत यह आदेश जारी किया है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एक जगह एकत्र होने, ध्वनि विस्तारक यंत्र के इस्तेमाल, अस्त्र-शस्त्र एवं हरवे-हथियार लेकर चलने तथा बैठक या आमसभा आयोजित करने पर रोक रहेगी। निषेधाज्ञा 27 सितंबर को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्रभावी रहेगी। परीक्षा के दौरान सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति भी की गई है।

जनशिकायत कार्यक्रम में 103 मामले आए, 72 का मौके पर निपटारा

रांची। आम लोगों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए शुक्रवार को जिले के विभिन्न थानों और ओपी में जनशिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसएसपी राकेश रंजन समेत वरीय पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में कुल 103 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 72 का मौके पर ही निष्पादन किया गया। गंभीरता को देखते हुए छह मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई।कार्यक्रम के दौरान रांची पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से बरामद 53 गुम मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों को सौंपे। अधिकारियों ने बताया कि पोर्टल की मदद से गुम या चोरी हुए मोबाइल को ट्रैक कर बरामद करने में सुविधा मिलती है।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर गूंजा राष्ट्रगीत, विद्यार्थियों ने दिया राष्ट्रप्रेम का संदेश

- **राष्ट्रगीत की गूंज से पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत हो उठा**

नवीन मेल संवाददाता

चान्हो। राजीव नगर स्थित प्रभापुंज पब्लिक स्कूल में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। छात्र-छात्राओं और शिक्षकों में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह दिखा।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के साथ पशुचिकित्सा एवं पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुसवी कुमारी, वार्ड सदस्य श्रीमती सीता उरांव और समाजसेवी दयानंद कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। अतिथियों एवं विद्यालय परिवार ने राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को देश की एकता, अखंडता और गौरवपूर्ण विरासत से परिचित कराया।

सामूहिक गायन से गूंजा विद्यालय परिसर

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन रहा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों ने एक स्वर में राष्ट्रगीत का गायन किया। राष्ट्रगीत की गूंज से पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत हो उठा। विद्यार्थियों ने अनुशासन और उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लेते हुए राष्ट्र के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना व्यक्त की। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना और राष्ट्रीय भावना का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इसके शब्दों में मातृभूमि के प्रति सम्मान, समर्पण और गौरव की भावना निहित है। नई पीढ़ी को देश के इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय प्रतीकों से जोड़ना ऐसे आयोजनों का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिवार ने सामूहिक रूप से राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुम्हारटोली में वंदे मातरम गीत से गुंजा पूरा परिसर

हजारीबाग। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक समय , एक लय, एक स्वर, राष्ट्रगीत वंदे मातरम को नमामि भारतम् कार्यक्रम के रूप में आज दिनांक 25 सितंबर 2026 को कार्यक्रम के रूप में मनाया गया । कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं माता सरस्वती वंदना के साथ हुआ । कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार सिंह, उपाध्यक्ष डॉ अमिता कुमारी, कोषाध्यक्ष डॉ रमेश कुमार सिंह, सदस्य डॉ राजकुमार चौबे, विद्यालय के प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू, विद्यालय के आचार्य बंधु - भगिनी, अभिभावक गण, भैया- बहन एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे । कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए विद्यालय के प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू ने कहा वंदे मातरम गीत राष्ट्रभक्ति से समाहित भारत का राष्ट्रीय स्वर है । मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया वंदे मातरम हमारे राष्ट्र की शान है ।हमें पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति के साथ इसका गायन करना चाहिए ।इसके गायन से देशभक्ति की भावना बढ़ती है। मालूम हो कि इस अवसर पर विद्यालय में पढ़ने वाले सभी भैया- बहनों ने ससुर सामूहिक रूप से वंदे मातरम गीत का गायन किया। विद्यालय के आचार्य बंधु- भगिनी अभिभावक गण एवं कर्मचारी गाने भी वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया। कार्यक्रम में अतिथियों का परिचय विद्यालय के आचार्य सुमन आनंद ने एवं मंच संचालन आचार्य विपिन बिहारी सिंह ने किया । मौके पर विद्यालय में पढ़ने वाले भैया-बहन आचार्य बंधु- भगिनी अभिभावक गण आदि उपस्थित थे।

बड़कागांव में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, 29 पुड़िया बरामद

- पुलिस को देखते ही दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें सशस्त्र बल के सहयोग से खदेड़कर पकड़ लिया गया

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। बड़कागांव थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री के खिलाफ हजारीबाग पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 29 पुड़िया में करीब 08 ग्राम ब्राउन शुगर तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 24 सितंबर 2026 को पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़कागांव थाना क्षेत्र के रामजानकी मंदिर, गुरुचट्टी के आसपास कुछ युवक नशीले पदार्थ ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव अमित आनंद , थाना प्रभारी बड़कागांव पु0अ0नि0 दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में सशस्त्र बल के साथ छापेमारी टीम का गठन किया गया। इसी दौरान टीम को एक पुराने टूटे-फूटे घर के पीछे दो युवक कागज की पुड़िया में कुछ लेते-देते दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें सशस्त्र बल के सहयोग से खदेड़कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील कुमार राम (25 वर्ष), पिता जुनेश्वर राम, ग्राम-अम्बेडकर मोहल्ला, थाना बड़कागांव, जिला हजारीबाग तथा राकेश कुमार (19 वर्ष), पिता चन्द्रभूषण राम, ग्राम-अम्बेडकर मोहल्ला, थाना बड़कागांव, जिला हजारीबाग के रूप में हुई। तलाशी के दौरान दोनों के पास से 29 पुड़िया में लगभग 08 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बड़कागांव क्षेत्र में पुड़िया बनाकर ब्राउन शुगर बेचने, इससे मुनाफा कमाने तथा स्वयं भी इसका सेवन करने की बात बताई। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद , थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, पुअनि अभिषेक कुमार, पुअनि राकेश खवास सहित बड़कागांव थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

मरीजों को पौष्टिक आहार और स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

अदाणी फाउंडेशन ने 80 टीबी मरीजों के बीच बांटा पोषण किट

नवीन मेल संवाददाता

बड़कागांव (हजारीबाग)। गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत अदाणी फाउंडेशन ने बड़कागांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रथम चरण के दूसरे टीबी पोषण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीएचसी के माध्यम से उपचार प्राप्त कर रहे 80 टीबी मरीजों के बीच पोषण किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी मरीजों को उपचार के दौरान पोषण संबंधी सहयोग उपलब्ध कराने के साथ बीमारी, नियमित उपचार, व्यक्तिगत स्वच्छता और पौष्टिक आहार के महत्व के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर मेडिकल ऑफिसर डॉ. अंजू प्रभा और सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर दीपक कुमार मौजूद रहे। दोनों ने कार्यक्रम के दौरान मरीजों को आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग दिया। कार्यक्रम में डॉ. अंजू प्रभा ने मरीजों को टीबी के बारे में जानकारी देते हुए निर्धारित अवधि तक नियमित रूप से दवा लेने और इलाज को बीच में नहीं छोड़ने की सलाह दी। उन्होंने मरीजों को व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखने तथा उपचार अवधि के दौरान पर्याप्त और पौष्टिक भोजन लेने के महत्व के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि उपचार के दौरान पर्याप्त पोषण शरीर की ताकत बनाए रखने और स्वस्थ होने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मरीजों को संतुलित आहार लेने और चिकित्सकों द्वारा निर्धारित दवाओं का नियमित रूप से सेवन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन और संचालन में अदाणी फाउंडेशन की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम ने स्वास्थ्य केंद्र के साथ समन्वय, लाभुकों की सहभागिता सुनिश्चित करने, कार्यक्रम की व्यवस्थाओं तथा पोषण किट के वितरण की पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया। बड़कागांव प्रखंड में अदाणी फाउंडेशन की ओर से सामुदायिक विकास को केंद्र में रखते हुए लगातार विभिन्न सीएसआर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

पांचवें दिन बराकर नदी से मिला लापता युवक का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

- जवाहर घाट पुल पर मिली थी चप्पल, 21 सितंबर से लापता था सुरेंद्र पांडेय

नवीन मेल संवाददाता

बरही। पांच दिनों से लापता युवक का शव शुक्रवार को चौपारण थाना क्षेत्र के सिंघरावां स्थित ओबरा गांव के पास बराकर नदी से बरामद होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बरही थाना क्षेत्र के उज्जैना (तिलैया रोड) निवासी सुरेंद्र पांडेय (37), पिता स्व. ठाकुर पांडेय, के रूप में हुई है।
विदित हो को बीते 21 सितंबर की संध्या करीब 6 बजे मृतक घर से निकले थे, जिसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। 22 सितम्बर को खोजबीन के दौरान तिलैया डैम के जवाहर घाट पुल के समीप सड़क पर उनकी हवाई चप्पल मिली। इसके बाद किसी अनहोनी की आशंका गहरा गई और मामले की सूचना बरही थाना को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर बिनोद कुमार यादव घटनास्थल पहुंचे और आसपास के थानों को भी सतर्क कर दिया। वहीं परिजनों ने गुमशुदगी का सनहा दर्ज कराया था। शुक्रवार की सुबह सिंघरावां के ओबरा गांव में ग्रामीणों ने बराकर नदी में एक शव देखा। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को बाहर निकाला गया। बरही थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक का भाई प्रदीप पांडेय न शव की पहचान सुरेंद्र पांडेय के रूप में की। मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

संगठन की ताकत से ही समाज को सम्मान और अधिकार मिलता है : महेश्वर साहू

वैश्य मोर्चा का महाधिवेशन 30-31 अक्टूबर को कांके में

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का दो दिवसीय तृतीय महाधिवेशन 30-31 अक्टूबर को कांके में आयोजित होगा। महाधिवेशन में झारखंड के अलावा बिहार, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ समेत विभिन्न राज्यों से हजारों प्रतिनिधियों के शामिल होने की बात कही गई है। कई सांसदों, विधायकों और वैश्य समाज के प्रमुख नेताओं को भी आमंत्रित किया जा रहा है। आयोजन को लेकर मोर्चा की ओर से व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उक्त बातें शुक्रवार को भुरकुंडा के जवाहर नगर स्थित आवास में पत्रकारों से बातचीत में वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कही। उन्होंने बताया कि भुरकुंडा वैश्य समाज के आंदोलनों की जननी भूमि रही है। इसलिए महाधिवेशन के प्रचार-प्रसार और तैयारी का मुख्य केंद्र भुरकुंडा रहेगा। यहां से सैकड़ों लोग कांके पहुंचकर महाधिवेशन में भाग लेंगे। इस दौरान श्री साहु ने महाधिवेशन के प्रचार-प्रसार के लिए बैनर और पंपलेट भी जारी किया। उन्होंने बताया कि महाधिवेशन में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना, ओबीसी आरक्षण के आधार पर पंचायत चुनाव, ऑनलाइन मार्केटिंग पर रोक तथा वैश्य समाज के लोगों पर हो रहे हमले, हत्या और रंगदारी की घटनाओं पर रोक जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। महाधिवेशन की तैयारी को लेकर भुरकुंडा में दो कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 28 सितंबर को शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर संकल्प सभा होगी। वहीं 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर महाधिवेशन की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी। महेश्वर साहु ने क्षेत्र के सभी वैश्य समाज के लोगों से महाधिवेशन को सफल बनाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज की एकता और संगठन की ताकत से ही सम्मान और अधिकार प्राप्त होता है। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य जेपी अग्रवाल, विश्वामित्र गुप्ता बाचल, पतरातू प्रखंड अध्यक्ष मुकेशलाल सिंदूरिया, कार्यकारी अध्यक्ष मद्धेश्वर केशरी, महासचिव भुनेश्वर साव, उपाध्यक्ष गोपाल केशरी, सचिव भरत केशरी, महिला मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष गीता देवी राणा मौजूद थे।

ज्ञान ज्योति कॉलेज में विश्व फार्मासिस्ट दिवस समारोह का भव्य समापन

हजारीबाग। ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ फार्मेसी में 19 से 25 सितंबर 2026 तक विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर पांच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान शिविर, मॉडल एवं पोस्टर प्रस्तुति, क्विज प्रतियोगिता, साबुन निर्माण, रील मेकिंग तथा औषधीय पौधरोपण जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत 19 सितंबर को आरोग्यम हॉस्पिटल के सहयोग से रक्तदान शिविर से हुई, जिसमें कॉलेज की ओर से 16 यूनिट रक्तदान किया गया। 21 सितंबर को मॉडल एवं पोस्टर प्रस्तुति, 23 सितंबर को क्विज एवं साबुन निर्माण तथा 24 सितंबर को औषधीय पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रील मेकिंग में रवि शेखर विजेता रहे। मॉडल एवं पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम-अंशु, हर्ष, रवि शेखर, आदर्श मोहन, निम्मी एवं करण; द्वितीय-करण यादव, सोनू कुमार एवं नमन सिंह; तृतीय-राज नंदिनी, आयशा एवं एम.डी. आजम रहे। क्विज में आयशा, अंशु एवं पीयूष विजेता रहे, जबकि साबुन निर्माण में पिंटू, हरिओम पंडित, आदर्श, बिच्ची राज, शिल्पी, निशा एवं राजा विजेता रहे। पौधरोपण में प्रथम शिल्पी एवं निशा तथा द्वितीय पीयूष एवं मनीष रहे।

वंदे मातरम् के 150वें वर्ष पर एक समय, एक लाख, एक स्वर कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रामनगर-कदमा, हजारीबाग द्वारा विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में "एक समय, एक लय, एक स्वर-वंदे मातरम्" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य, अभिभावक, पूर्व छात्र एवं ग्रामीण नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम स्थल पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कदमा, हजारीबाग नयन भारती विद्यालय, विष्णुपुरी हेलो किड्स केयर, कदमा किड्स केयर पब्लिक स्कूल, रामनगर कैंब्रिज पब्लिक स्कूल, शिवपुरी जम्बु जॉय पब्लिक स्कूल, शिवपुरी विद्यालयों की सहभागिता रही । कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंहा, सह-सचिव राणा राहुल प्रताप, सचिव शिव शंकर प्रसाद, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार तथा सदस्य तेजन प्रताप, प्रदीप कुमार सिन्हा , सत्येंद्र सोनी, सुबोध ओझा एवं बबन तिवारी सहित अन्य प्रबंध समिति सदस्यों एवं उनके परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रामनगर के प्रधानाचार्य राजकुमार नाग तथा कदमा विद्यालय के प्रधानाचार्य अवधेश प्रसाद के साथ विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। कार्यक्रम में ग्रामीण नागरिकों का भी विशेष सहयोग एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए तथा राष्ट्रीय भावना के साथ कार्यक्रम को संपन्न किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की आचार्या आरती कुमारी, कविता सिंह, सुधा राय, पुष्पा पाठक, सदन दाफतुआर, ऋषिका जानवी, नैंसी कुमारी एवं पूनम कुमारी सहित अन्य आचार्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर दीपक कुमार, वार्ड पार्षद कदमा, मोना देवी, वार्ड पार्षद कुमार टोली, अनेक अभिभावक एवं पूर्व छात्र भी उपस्थित रहे।

सौंदा डी में घर के बरामदे में फांसी के फंदे से लटका मिला युवक, मौत

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। सौंदा डी पंचायत के रामनगर कॉलोनी में शुक्रवार की अहले सुबह एक युवक का शव घर के बरामदे में फांसी के फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान कृष्णा भुइयां (26), पिता स्व. यमुना भुइयां के रूप में हुई है ।जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह आसपास के लोग अपने घरों से निकले तो उन्होंने कृष्णा को बरामदे में फंदे से लटका देखा। घटना की जानकारी तत्काल सौंदा डी पंचायत के मुखिया उपेंद्र शर्मा और भुरकुंडा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि कृष्णा घर में अकेला रहता था और ऑटो चलाकर अपना जीवन-यापन करता था। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जागरूकता प्रसार राष्ट्रीय पोषण माह के तहत जागरूकता रथ रवाना, सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचेगा पोषण का संदेश

उपायुक्त ने की स्वास्थ्य संबंधी संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील

- 25 सितंबर से 09 अक्टूबर 2026 तक प्रचार रथ के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। केन्द्र प्रायोजित मिशन सक्षम आँगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 अंतर्गत संचालित नवम राष्ट्रीय पोषण माह-2026 के तहत जिले में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज समाहरणालय भवन परिसर से उपायुक्त हेमन्त सती ने दो जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा उपस्थित थीं। उल्लेखनीय है कि 09 सितम्बर से 09 अक्टूबर 2026 तक राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान पोषण, स्वास्थ्य एवं बाल विकास से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों को जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 25 सितंबर से 09 अक्टूबर 2026 तक प्रचार रथ के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। दोनों प्रचार रथ जिले के विभिन्न प्रखण्डों के प्रमुख रूट मार्गों, बाजार-हाट, चिन्हित स्थलों तथा पंचायत एवं ग्राम स्तर तक पहुंचेंगे। प्रचार रथ में एलईडी वॉल स्क्रीन के माध्यम से ऑडियो-वीडियो संदेशों का प्रदर्शन कर आमजनों को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों के प्रति जागरूक किया जाएगा। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान आँगनबाड़ी केन्द्रों पर गर्म पका हुआ भोजन, बाल विकास के लिए पोषण एवं प्रारंभिक उद्दीपन, सामुदायिक स्वामित्व एवं जनभागीदारी, आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे। प्रचार रथ के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से पोषणयुक्त एवं विविधतापूर्ण आहार, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के पोषण, बच्चों के समुचित विकास तथा सरकारी पोषण एवं मातृत्व संबंधी योजनाओं के प्रति आमजनों को जागरूक किया जाएगा। उपायुक्त हेमन्त सती ने जिलेवासियों से राष्ट्रीय पोषण माह के उद्देश्यों को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा "हमारी आँगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी" की भावना के साथ पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

दृष्टिपात

उपायुक्त हेमन्त सती ने जनता दरबार लगाकर सुनी आमजनों की समस्याएं

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार आयोजित कर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं क्षेत्रों से आए आमजनों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने एक-एक कर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को भेजते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, जिन मामलों का त्वरित स्तर पर समाधान संभव है, उनका प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करने को कहा। इस दौरान आमजनों ने विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त शिकायतों की जांच करते हुए पात्रता एवं नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने तथा मामलों के निष्पादन में आवश्यक तत्परता बरतने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि आमजनों की समस्याओं को सुनना और उनका नियमानुसार समाधान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जनता दरबार लोगों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का सशक्त माध्यम है।

महावर बाबा मंदिर में 24 घंटे के अखंड हरि कीर्तन का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की रही भीड़

महावर (बरकट्ठा)। महावर बाबा मंदिर परिसर में 24 घंटे चलने वाले अखंड हरि कीर्तन का विधिवत शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के माहौल में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर की गई, जिसके बाद फीता काटकर अखंड हरि कीर्तन का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की काफी संख्या में उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान के भजन-कीर्तन में भाग लिया। कार्यक्रम में पुजारी धानेश्वर पंडित, बीजेपी प्रखंड अध्यक्ष टिंकू प्रसाद, मुखिया मुन्नी देवी, मुखिया प्रतिनिधि बीरेन्द्र शर्मा, वार्ड सदस्य विमला देवी, वन समिति अध्यक्ष रामलखन पंडित, सचिव अर्जुन दास, कोषाध्यक्ष विजय साव, सुशील कुमार हितैषी, राजेन्द्र प्रसाद (राजीव), लाल मोहन प्रसाद, प्रकाश प्रसाद, भीम साव, सुरेश प्रसाद, विकास प्रसाद, दिलीप साव, रामचंद्र साव, रामेश्वर पासवान, अरुण प्रसाद, सुजीत पासवान, छोटी सिंह, संजय मिल, हेमलाल यादव, चरकू सिंह, बमनी सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। अखंड हरि कीर्तन लगातार 24 घंटे तक महावर बाबा मंदिर में चलेगा।

जिप सदस्य के प्रयास से विद्युत आपूर्ति सेवा बहाल, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

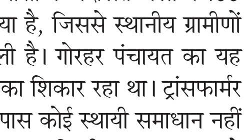

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम गोरहर बगियाटांड बिजली आपूर्ति सेवा बहाल हो गई है। गांव वासी लंबे समय से ट्रांसफार्मर जलने के कारण बिजली की समस्या से जूझ रहे थे। जिला परिषद सदस्य प्रेरणा प्रिया के प्रयासों के बदौलत टोला में 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने राहत की सांस ली है। गोरहर पंचायत का यह क्षेत्र लंबे समय से राजनीतिक उपेक्षा का शिकार रहा था। ट्रांसफार्मर खराब होने की स्थिति में ग्रामीणों के पास कोई स्थायी समाधान नहीं था और वे बार-बार आपस में चंदा जुटाकर किसी तरह काम चलाने को मजबूर थे। इसकी जानकारी स्थानीय ग्रामीण फलजीत महतो एवं अन्य लोगों ने जिप सदस्य प्रतिनिधि सीके पांडेय को दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिप सदस्य ने बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर बगियाटांड के लिए नया ट्रांसफार्मर मंजूर करवाया।

सीसीएल बरका सयाल जोनल माइंस रेस्क्यू कंपीटिशन का ओवरऑल विजेता बना

भुरकुंडा । सीसीएल द्वारा आयोजित 40वें जोनल माइंस रेस्क्यू कंपीटिशन 2026 का ओवरऑल विजेता बरका सयाल एरिया बना है। यह घोषणा सीसीएल मुख्यालय रांची स्थित कन्वेंशन सेंटर में आयोजित पुरस्कार वितरण सह समापन समारोह में किया गया। वहीं दूसरे नंबर पर आम्रपाली चंद्रगुप्त और तीसरे नंबर पर अरगड्डा एरिया रहा। बता दें कि जोनल माइंस रेस्क्यू कंपीटिशन में 13 टीम बरका सयाल, आम्रपाली चंद्रगुप्त, अरगड्डा, मगध संघमित्रा, जेएमएस माइनिंग चुरी, बीएंडके, पिपरवार, एनके, एनसीएल, कथारा, कुज्जु, हजारीबाग, ढोरी एरिया के रेस्क्यू टीम ने हिस्सा लिया था। इसमें अपने बेहतर प्रदर्शन से बरका सयाल एरिया कंपीटिशन में ओवरऑल विजेता बना।

पावन क्रूस विद्यालय, भुरकुंडा की छात्रा दिव्या कुमारी गुप्ता ने थ्रीथलॉन में जीता कांस्य पद

भुरकुंडा। पावन क्रूस विद्यालय, भुरकुंडा की छात्रा दिव्या कुमारी गुप्ता ने पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 37वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए थ्रीथलॉन इवेंट में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया ।प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर दिव्या ने विद्यालय के साथ-साथ अपने माता-पिता का भी नाम रोशन किया। दिव्या की सफलता पर विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर सुमंती ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में इससे भी बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामना दी। विद्यालय की सचिव सिस्टर आग्नेस ने कहा कि ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ी अपनी मेहनत और लगन से माता-पिता, विद्यालय और देश का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने दिव्या के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर सुधीर प्रसाद, मो. कमरुद्दीन, रजनी डुंगडुंग, निर्मला, कंचन मिंज, रजनी सिन्हा, संगीता गिद्ध, मनीष, आशा, सुश्री ज्योति, रेशमी, सोशन लकड़ा, बासिल कुजूर, क्रिस्टीना, सेलिना खलखो, अमन कुजूर, गायत्री, करुणा कांति, अल्मा, मारिया, आरती, स्वाति, एंजलीना, शिल्पा, दीपा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

लगातार बारिश से बदला मौसम का मिजाज, ठंड का एहसास

- दो दिनों से हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित, सड़कों पर कम हुई आवाजाही
- कई मार्गों पर जलजमाव और कीचड़ से ग्रामीणों व विद्यार्थियों को परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा, बानो, लचरागढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। तापमान में गिरावट आने से लोगों को ठंड का एहसास होने लगा है। घने बादल, तेज हवा और रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। बारिश के कारण सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम हो गई है। कई कच्ची सड़कों पर कीचड़ हो जाने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मरानी से पट्टातिरिल जाने वाली सड़क पर कीचड़ की स्थिति बनी हुई है। वहीं लचरागढ़-जलडेगा मोड़-कुलकुली अंबा मार्ग पर करीब एक किलोमीटर तक जलजमाव और कीचड़ से आवागमन प्रभावित है। बारिश के कारण स्कूल-कॉलेज आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी परेशानी हो रही है। लचरागढ़ से बरसलोया मार्ग पर कई जगह गड्ढों में पानी भर गया है।

इस सड़क से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण और विद्यार्थी आवागमन करते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और वाहन मालिकों से सड़क के गड्ढों को भरने की मांग की है। इधर, बारिश के कारण बिजली व्यवस्था भी प्रभावित रही और दिनभर बिजली की आंख-मिचौली जारी रही।

हनुमान वाटिका में सामूहिक अनंत चतुर्दशी पूजा, सुख-समृद्धि की कामना

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सुख, शांति, समृद्धि और सौभाग्य की कामना को लेकर शुक्रवार को सिमडेगा स्थित हनुमान वाटिका में सामूहिक रूप से अनंत चतुर्दशी की पूजा-अर्चना की गई। पूजा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा कर परिवार की खुशहाली और बाधाओं से मुक्ति की कामना की।पूजा-अनुष्ठान के दौरान हनुमान वाटिका का वातावरण भक्तिमय बना रहा। पंडित सोमनाथ मिश्र ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई और श्रद्धालुओं को अनंत चतुर्दशी के धार्मिक एवं पौराणिक महत्व की जानकारी दी। श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु का स्मरण करते हुए अनंत सूत्र धारण किया।पंडित सोमनाथ मिश्र ने बताया कि अनंत चतुर्दशी पर भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की आराधना की जाती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार अनंत सूत्र में 14 गांठें होती हैं, जिन्हें भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप और सृष्टि के चौदह लोकों का प्रतीक माना जाता है।उन्होंने बताया कि इस दिन श्रद्धालु व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करते हैं तथा विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ भी किया जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार इससे मन को शांति और परिवार में सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। सामूहिक पूजा में महिलाओं ने परिवार की खुशहाली, धन-धान्य और संतान के मंगल की कामना की। वहीं पुरुष श्रद्धालुओं ने सुख-शांति एवं जीवन की बाधाओं के दूर होने की प्रार्थना की। पूजा के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

जंगली हाथी के हमले में 69 वर्षीय वृद्ध की हुई मौत

खेत जाने के दौरान हुआ हादसा

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड के डुमरिया पंचायत अंतर्गत वृंगाटोली मारिकेल निवासी 69 वर्षीय डगर सिंह, पिता घुरण सिंह, की जंगली हाथी के हमले में मौत हो गई। घटना शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, डगर सिंह अपने घर से करीब 500 मीटर दूर खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनका सामना अचानक एक जंगली हाथी से हो गया। हाथी ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद परिजन आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए बानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही विधायक प्रतिनिधि जगदीश बागे, डुमरिया पंचायत के मुखिया लुथर भुइंया सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामीण बानो सीएचसी पहुंचे और घटना की जानकारी ली। विधायक प्रतिनिधि एवं मुखिया ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। साथ ही वन विभाग से मृतक के परिजनों को तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की। इधर, घटना की सूचना बानो पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस सीएचसी पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज हॉस्पिटल में 17 वर्षीय युवक का सफल ऑपरेशन

सिमडेगा। राज हॉस्पिटल सिमडेगा में 17 वर्षीय युवक के डुओडेनल परफोरेशन यानी छोटी आंत के प्रारंभिक हिस्से में छेद का सफलआपातकालीन ऑपरेशन किया गया। युवक को 12 सितंबर को तेज पेट दर्द, पेट में जकड़न, छूने पर दर्द और मल त्याग बंद होने की शिकायत के साथ गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। जांच में डुओडेनम में छेद और पेट में संक्रमण के कारण गंभीर पेरिटोनाइटिस पाया गया। प्रारंभिक उपचार के बाद सर्जन डॉ. चंदन कुमार के नेतृत्व में इमरजेंसी ओपन लैपरोटॉमी की गई। ऑपरेशन के दौरान छेद की मरम्मत कर पेट की संक्रमित सामग्री को साफ किया गया। उपचार के बाद युवक की स्थिति में सुधार हुआ और स्वस्थ होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

वीएसके फाउंडेशन ठगी मामले में सरगना समेत 6 धराए

सिमडेगा। फर्जी संस्था 'वीएसके फाउंडेशन' में नौकरी दिलाने और सिक्योरिटी मनी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ सिमडेगा पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह ने बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी की है। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने पीड़ितों से राशि जमा करने की रसीद, वेतन संबंधी विवरण, बकाया मानदेय के कागजात और आधार कार्ड या अन्य वैध पहचान पत्र जमा करने की अपील की है। दस्तावेजों के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

सड़क नहीं, खटिया बनी प्रसव पीड़िता की एंबुलेंस

- गांव तक नहीं पहुंच सकी एंबुलेंस, ग्रामीणों ने 500 मीटर खटिया पर ढोया
- अस्पताल पहुंचने के बाद महिला ने सुरक्षित बच्चे को दिया जन्म, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बड़काडुइल पंचायत के नवागांव पहानटोली में शुक्रवार को सड़क सुविधा की जमीनी हकीकत एक बार फिर सामने आई। प्रसव पीड़िता को एंबुलेंस तक पहुंचाने के लिए ग्रामीणों को करीब 500 मीटर तक खटिया पर लादकर ले जाना पड़ा। गांव तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस नवागांव बाजार के पास मुख्य सड़क पर ही खड़ी रही। जानकारी के अनुसार, 26 वर्षीय गर्भवती विश्वासी तोपनो, पति अगस्तुस कंडुलना को शुक्रवार सुबह प्रसव पीड़ा शुरू हुई। सूचना मिलने पर बानो सीएचसी से एंबुलेंस भेजी गई, लेकिन सड़क के अभाव में वह गांव तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने महिला को खटिया पर लादकर करीब आधा किलोमीटर दूर नवागांव बाजार तक पहुंचाया। वहां से एंबुलेंस से उन्हें बानो सीएचसी ले जाया गया। करीब 11 बजे अस्पताल पहुंचने के बाद सुबह 11:55 बजे महिला ने सुरक्षित प्रसव किया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ बताए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहानटोली तक आज तक समुचित पहुंच पथ नहीं बन सका है। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे अधिक परेशानी होती है। क्षेत्र हाथी प्रभावित भी है और मोबाइल नेटवर्क की समस्या के कारण आपातकालीन सेवाओं से संपर्क करना चुनौतीपूर्ण रहता है। विडंबना यह है कि आधुनिक दौर में गांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी और खटिया ही मरीज को एंबुलेंस तक पहुंचाने का साधन बनी। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द पहुंच पथ निर्माण की मांग की है।

दुर्गा मंडप केरसई में सामूहिक रूप से हुई अनंत चतुर्दशी पूजा

नवीन मेल संवाददाता

केरसई। दुर्गा मंडप केरसई में शुक्रवार को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ सामूहिक रूप से अनंत चतुर्दशी पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना में शामिल हुए और भगवान अनंत की विधि-विधान से पूजा कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना का विधिवत आयोजन पंडित अजय शंकर झा के द्वारा कराया गया। उन्होंने श्रद्धालुओं को अनंत चतुर्दशी व्रत एवं पूजा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान अनंत की आराधना की तथा अनंत सूत्र धारण कर सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। सामूहिक पूजा को लेकर दुर्गा मंडप परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। पूजा आयोजन में स्थानीय श्रद्धालुओं एवं समिति के सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

ओड़िया परंपरा के अनुसार मनाई गई अनंत चतुर्दशी

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड अंतर्गत ग्राम बरसलोया स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अनंत चतुर्दशी का पर्व ओड़िया परंपरा एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ मनाया गया एवं पूजा-अर्चना का विधि-विधान पंडित दिलीप पंडा, लखेश्वर पंडा एवं सुधांशु शेखर आचार्य के द्वारा संपन्न कराया गया।अनंत चतुर्दशी के अवसर पर ग्रामवास ने उपस्थित होकर भगवान अनंत की पूजा-अर्चना की। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ धार्मिक आयोजन में भाग लिया। कई श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर व्रत एवं उपवास रखकर भगवान अनंत की आराधना की। ओड़िया परंपरा के अनुसार अनंत सूत्र धारण करने की विशेष परंपरा भी निभाई गई। पूजन संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। ग्रामवासी एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

विकास योजना को लेकर रंगदारी मांगने का आरोप में एक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। पंचायत की विकास योजनाओं को लेकर कथित रूप से रंगदारी मांगने और जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के मामले में कोलेबिरा पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जगरनाथ प्रसाद उर्फ जगरू, पिता मोतीलाल प्रसाद, निवासी कोलेबिरा थाना क्षेत्र के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, रैसिया पंचायत की मुखिया महिमा लकड़ा की लिखित शिकायत पर कोलेबिरा थाना में कांड संख्या 64/26, दिनांक 24 सितंबर 2026 दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के साथ एससी/एसटी एक्ट, 1989 की धाराएं भी लगाई गई हैं। शिकायत में विकास योजनाओं को लेकर 10 हजार रुपये रंगदारी मांगने तथा जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का आरोप लगाया गया है। पुलिस के मुताबिक, शिकायत में आरोपी के प्रभाव के कारण क्षेत्र में भय और दबाव का माहौल होने की बात भी कही गई है। पुलिस ने आरोपी के पूर्व आपराधिक मामलों का भी उल्लेख किया है। इनमें वर्ष 2025 और 2026 के मामले शामिल हैं।आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम में थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार, पुअनि देवदास मुर्मू तथा सअनि जयनंदू हजारा सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सिमडेगा पुलिस बनी खोए मोबाइलों की 'गूगल मैप्स', ऑपरेशन विश्वास ने लौटाई लोगों के चेहरों पर मुस्कान

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। मोबाइल फोन गुम या चोरी होना आज के दौर में बड़ी परेशानी का कारण बन जाता है। फोन में जरूरी दस्तावेज, निजी तस्वीरें, संपर्क नंबर और डिजिटल जानकारी रहती है। ऐसे में सिमडेगा पुलिस का 'ऑपरेशन विश्वास' लोगों के लिए राहत और उम्मीद लेकर आया है।पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और लगातार प्रयासों के जरिए 63 चोरी एवं गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। शुक्रवार को बरामद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए इसे संवेदनशीलता और जवाबदेही का उदाहरण बताया। पुलिस के अनुसार, मोबाइल बरामदगी की कार्रवाई केवल सिमडेगा तक सीमित नहीं रही। तकनीकी जांच के आधार पर झारखंड के अलावा ओडिशा, गुजरात और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में मोबाइलों की लोकेशन और इस्तेमाल से जुड़े सुराग जुटाए गए। इसके बाद संबंधित स्थानों पर कार्रवाई कर मोबाइल बरामद किए गए।एसपी श्रीकांत एस. खोटरे ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक ऑपरेशन विश्वास के तहत कुल 636 चोरी एवं गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। पहचान और आवश्यक सत्यापन के बाद मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाए गए।एसपी ने लोगों से अपील की कि मोबाइल गुम होने पर घबराएं नहीं, बल्कि तत्काल पुलिस को सूचना दें। आईएमईआई नंबर, मोबाइल बिल और अन्य उपलब्ध जानकारी देने से तकनीकी जांच में मदद मिलती है। ऑपरेशन विश्वास की लगातार सफलता से पुलिस की तकनीकी जांच क्षमता और जनता के बीच भरोसा मजबूत हुआ है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर कार्यशाला

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला उद्योग केंद्र में शुक्रवार को पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची द्वारा किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को अपने उत्पादों की ब्रांडिंग, मार्केटिंग, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई-कॉमर्स के माध्यम से बाजार तक पहुंच बढ़ाने की जानकारी देना था। कार्यक्रम का उद्घाटन महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र रघुवर सिंह सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। सहायक निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक ज्योत्सना गुड़िया ने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना में 18 पारंपरिक विद्याओं से जुड़े कारीगर एवं शिल्पकार शामिल हैं। उन्होंने लाभार्थियों से कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा दी जा रही जानकारी का लाभ उठाने की अपील की। एलडीएम सनीस मिंज सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारियों ने ऋण सुविधाओं और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। तकनीकी सत्र में एआई एक्सपर्ट अरूण नागेसिया ने डिजिटल मार्केटिंग, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, लेबलिंग और एआई टूल्स के उपयोग की जानकारी दी। जेम विशेषज्ञ ने ऑनलाइन माध्यम से उत्पादों की बिक्री की प्रक्रिया समझाई। वहीं, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के प्रतिनिधियों ने लाभार्थियों को डिजिटल लेन-देन के लिए ऑनबोर्ड करते हुए यूपीआई क्यूआर कोड उपलब्ध कराया। एमएसएमई विकास कार्यालय के प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यशाला में सिमडेगा जिले के 90 से अधिक कारीगरों और शिल्पकारों ने भाग लेकर अपने उत्पादों की ब्रांडिंग, मार्केटिंग और डिजिटल माध्यम से बाजार तक पहुंच बढ़ाने के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

दृष्टिपात

बानो रेलवे स्टेशन पर कार, ऑटो और बाइक पार्किंग सुविधा का उद्घाटन

बानो। अमृत भारत रेलवे स्टेशन बानो में कार, ऑटो रिक्शा एवं बाइक पार्किंग सुविधा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि अजित कंडुलना उपस्थित रहे। उन्होंने फीता काटकर पार्किंग स्थल का उद्घाटन किया।इस अवसर पर अजित कंडुलना ने कहा कि बानो रेलवे स्टेशन से कई बड़े शहरों के लिए ट्रेन सुविधा बढ़ी है और ट्रेनों का परिचालन भी बढ़ा है। व्यापार, शिक्षा और चिकित्सा संबंधी कार्यों के लिए लोगों का बड़े शहरों तक आना-जाना बढ़ने के कारण स्टेशन परिसर में व्यवस्थित पार्किंग की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।उन्होंने कहा कि रांची और राउरकेला के लिए ट्रेनों की संख्या बढ़ने से यात्रियों की आवाजाही भी बढ़ी है। नई पार्किंग सुविधा का लाभ बानो प्रखंड के अलावा जलडेगा, कोलेबिरा, कामडारा, बसिया सहित खूंटी जिले के यात्रियों को भी मिलेगा।पार्किंग सुविधा शुरू होने से स्टेशन आने वाले यात्री अपने कार, ऑटो रिक्शा और बाइक को व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से खड़ा कर सकेंगे। इससे स्टेशन परिसर में वाहनों के बेतरतीब खड़े होने की समस्या भी कम होने की उम्मीद है।कार्यक्रम में प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मो. रफीक अंसारी, प्रखंड उपाध्यक्ष शहदेव कोटवार, मीडिया प्रभारी शोएब अंसारी, मंडल अध्यक्ष सोमा कंडुलना, पार्किंग के कॉन्ट्रैक्टर एम.वाई.जे. एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर मोहम्मद यूसुफ जमील, स्टेशन कर्मी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एसआईआर विसंगतियों को लेकर हुई सुनवाई

कुरडेग। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत सामने आई विसंगतियों को लेकर सुनवाई की गई। यह सुनवाई बूथ संख्या 299 के मतदाताओं से संबंधित मामलों के लिए आयोजित की गई थी। सुनवाई के दौरान बीएलओ और सुपरवाइजर द्वारा प्रस्तुत डीएसई एवं लॉजिकल विसंगतियों से जुड़े मामलों की जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि ड्राफ्ट सूची में जिन मतदाताओं के दस्तावेजों अथवा विवरण में अंतर पाया गया है, उन्हें नोटिस भेजकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ सुनवाई के लिए बुलाया गया है।मौके पर मौजूद अधिकारियों ने कहा कि आयोग के निर्देशानुसार किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं हटाया जाएगा। प्रत्येक मामले की नियमानुसार जांच की जाएगी और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।सुनवाई के दौरान बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, पंचायत सचिव, पंचायत की मुखिया सहित संबंधित मतदाता मौजूद रहे।

पोषण माह के तहत गांव-गांव जागरूकता अभियान

सिमडेगा। जिले में पोषण माह के तहत 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जेएसएलपीएस के अंतर्गत गठित ग्राम संगठनों एवं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं और ग्रामीण परिवारों को संतुलित आहार, पौष्टिक भोजन, एनीमिया की रोकथाम और कुपोषण से बचाव को लेकर जागरूक किया जा रहा है। अभियान के दौरान बैठकों में तिरंगा भोजन के माध्यम से भी पोषण का संदेश दिया जा रहा है। हरे, सफेद और नारंगी रंग के स्थानीय खाद्य पदार्थों से तैयार व्यंजनों के जरिए बताया जा रहा है कि पौष्टिक भोजन के लिए महंगे खाद्य पदार्थ जरूरी नहीं हैं। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अनाज, दाल, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल-सब्जियां, कंद-मूल, चना, गुड़ और तिल जैसे खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल कर पोषण स्तर बेहतर किया जा सकता है।गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के पोषण, बच्चों के पहले 1000 दिनों, छह माह तक केवल स्तनपान और इसके बाद उचित पूरक आहार की शुरुआत को लेकर भी जानकारी दी जा रही है। किशोरियों और महिलाओं में एनीमिया की रोकथाम के लिए आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के साथ विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन के महत्व को भी समझाया जा रहा है।जेएसएलपीएस से जुड़ी महिलाएं अपने-अपने गांवों में पोषण संबंधी संदेश घर-घर तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

17वें गांधी जयंती मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

ठेठईटांगर। जामबहार फुटबॉल मैदान में शुक्रवार को जेएनवाईएस क्लब जामबहार के तत्वावधान में 17वें गांधी जयंती मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन मैच में जामबहार ने पंडरीपानी को 1-0 से हराया। वहीं बालिका वर्ग में नाइट क्लब सिमडेगा ने डियर सिस्टर बरपानी को 1-0 से पराजित किया।मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज और विशिष्ट अतिथि ठेठईटांगर थाना के एसआई राजेश कुमार दास ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया।प्रमुख ने खिलाड़ियों से खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से युवा अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं।आयोजकों के अनुसार 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर फाइनल मुकाबला होगा।

समीक्षा बैठक प्राक्कलन समिति ने योजनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश

स्वास्थ्य, सड़क, खेल व सिंचाई योजनाओं की ली जानकारी

- अधूरे निर्माण कार्य निर्धारित समय में पूरा करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड विधानसभा प्राक्कलन समिति के सभापति हेमलाल मुर्मू की अध्यक्षता में शुक्रवार को परिसदन भवन में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक हुई। समिति के सदस्यों नागेंद्र महतो और सोमेश चंद्र सोरेन सहित जिले के वरीय पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता मौजूद रहे। समिति ने विभागवार योजनाओं की प्रगति, खर्च और निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंडल कारा की समीक्षा में बताया गया कि महिला वार्ड का करीब 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। समिति ने अब तक खर्च राशि का विस्तृत प्रतिवेदन मांगा। वहीं बीरू-तामड़ा-रामरेखा सड़क चौड़ीकरण योजना में देरी पर समिति ने जानकारी ली। अधिकारियों ने भूमि अधिग्रहण और फॉरेस्ट क्लीयरेंस में देरी को कारण बताया। अब क्लीयरेंस मिलने के बाद संवेदक ने एक माह में कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया। भवन निर्माण विभाग के तहत सिमडेगा कॉलेज, रामरेखा धाम और सिंथेटिक फुटबॉल स्टेडियम की समीक्षा हुई। स्टेडियम का करीब 35 प्रतिशत भौतिक और 10 प्रतिशत वित्तीय कार्य पूरा होने की जानकारी दी गई। जल संसाधन विभाग ने बताया कि रामरेखा जलाशय की 22 किलोमीटर नहर पक्कीकरण योजना का मिट्टी कार्य पूरा हो चुका है और बारिश के बाद काम शुरू होगा। इसे 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है।खेल विभाग की समीक्षा में सभापति ने सिमडेगा को हॉकी की नर्सरी बताते हुए खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने और उनकी शिक्षा पर भी ध्यान देने पर जोर दिया। जिले में चार आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र संचालित होने की जानकारी दी गई।स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में चिकित्सकों की कमी और 108 एंबुलेंस की स्थिति पर चर्चा हुई। सभापति ने सदर अस्पताल में पिछले तीन वर्षों में खरीदे गए चिकित्सकीय उपकरणों का विवरण मांगा। कृषि विभाग ने बताया कि इस वर्ष 13 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में मड़ुवा खेती के लिए किसानों ने निबंधन कराया है। सभापति ने मड़ुवा प्रोसेसिंग सेंटर को बढ़ावा देने पर जोर दिया।खाद्य आपूर्ति विभाग ने बताया कि डाकिया योजना के तहत जिले के करीब 275 पीवीटीजी परिवारों को घर तक राशन पहुंचाया जा रहा है। बैठक के बाद समिति ने एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस और निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक फुटबॉल स्टेडियम का निरीक्षण किया। खिलाड़ियों से मुलाकात कर सुविधाओं की जानकारी ली गई।

मुगमा स्टेशन पर यार्ड कार्य, आठ दिनों तक बदले मार्ग से चलेंगी दो ट्रेनें

रांची। आसनसोल मंडल के मुगमा स्टेशन पर यार्ड के पुनर्गठन कार्य के कारण दो ट्रेनों का परिचालन निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा। रेलवे के अनुसार, संबलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस और गोरखपुर-संबलपुर एक्सप्रेस के मार्ग में अस्थायी बदलाव किया गया है।

ट्रेन संख्या 15027 संबलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक निर्धारित मार्ग के स्थान पर जसीडीह, देवघर, बांका, भागलपुर, मुंगेर और बरौनी होकर चलेगी।

वहीं, ट्रेन संख्या 15028 गोरखपुर-संबलपुर एक्सप्रेस 26 सितंबर से 4 अक्टूबर तक परिवर्तित मार्ग बरौनी, मुंगेर, भागलपुर, बांका, देवघर और जसीडीह होकर चलेगी। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन के परिवर्तित मार्ग की जानकारी लेने की अपील की है।

सोमा टाना भगत विद्यालय में गूंजा वंदे मातरम्, 36 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

- विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई

नवीन मेल संवाददाता

चान्हो। चान्हो प्रखंड के बीजूपाड़ा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के तत्वावधान में शुक्रवार को टांगर स्थित सोमा टाना भगत आदिवासी उच्च विद्यालय परिसर में एवं ब्राइट फ्यूचर पब्लिक स्कूल टांगर में भी 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र के समक्ष श्रद्धापूर्वक दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन किया। सामूहिक गायन के माध्यम से देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साह एवं देशभक्ति का वातावरण देखने को मिला। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में कुल 36 शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों की सहभागिता रही। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और सकारात्मक संदेश के साथ हुआ।

आज सरायकेला-खरसावां में होगी 'वार्तालाप' मीडिया कार्यशाला

रांची। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रांची की ओर से जिले के मीडिया कर्मियों के लिए 26 सितंबर को एक दिवसीय 'वार्तालाप' मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला होटल द क्रूज, आदित्यपुर में पूर्वाह्न 10:30 बजे से होगी। कार्यशाला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियम, 2026, स्वच्छता ही सेवा और पोषण माह प्रमुख विषय रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीआईबी रांची/भुवनेश्वर के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा करेंगे। कार्यशाला के दौरान संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों की ओर से प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके साथ ही संवाद सत्र भी आयोजित होगा। 'वार्तालाप' मीडिया कार्यशाला का उद्देश्य महत्वपूर्ण विषयों पर मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करना और उन्हें संबंधित योजनाओं, नियमों व गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराना है।

सीईआईआर पोर्टल की मदद से पुलिस ने बरामद किए 39 गुम मोबाइल, वास्तविक धारकों को सौंपे

- पुलिस अधीक्षक अमन कुमार की उपस्थिति में मोबाइल धारकों को किया गया वितरण, तकनीकी शाखा की महत्वपूर्ण भूमिका

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए संचालित सेंट्रल इक्वाईपमेंट ईडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के माध्यम से बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए मोबाइल फोन में से कुल 39 मोबाइल बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को सौंप दिए गए। शुक्रवार को आयोजित वितरण कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक हजारीबाग की उपस्थिति में बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, हजारीबाग में विधिवत वितरित किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर संबंधित धारकों ने हजारीबाग पुलिस के प्रति आभार जताया। पुलिस के अनुसार, गुम अथवा चोरी हुए मोबाइल फोन को ट्रैक करने और उन्हें निष्क्रिय कराने की प्रक्रिया में सीईआईआर पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस व्यवस्था के माध्यम से मोबाइल के आईएमईआई नंबर की सहायता से गुम मोबाइल के उपयोग की जानकारी प्राप्त कर उसकी बरामदगी की दिशा में कार्रवाई की जाती है। हजारीबाग पुलिस द्वारा भी तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। मोबाइल वितरण कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक, अभियान हजारीबाग एवं तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिसकर्मी मौजूद रहे। तकनीकी शाखा और संबंधित थाना प्रभारियों के समन्वित प्रयास से अलग-अलग थाना क्षेत्रों में गुम हुए मोबाइल फोन की पहचान और बरामदगी संभव हो सकी।

नमामि भारतम्-वंदे मातरम कार्यक्रम संपन्न

बरही। 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित "नमामि भारतम्-वंदे मातरम्" कार्यक्रम गुरुवार को बरही में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरही के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत बरही के विभिन्न विद्यालयों, प्रखंड परिसर तथा विद्यालय प्रांगण में निर्धारित समय पर एक साथ 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष अमित कुमार, कोषाध्यक्ष रोहित कुमार, प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पाण्डेय, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष अमित कुमार ने अपने संबोधन में राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया।

धनबाद के चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में लोगों ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

तीन दिनों से पानी की सप्लाई ठप

- अगर किसी तकनीकी खराबी के कारण तीन दिनों तक पूरे शहर की सप्लाई बंद हो जाती है, तो वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं है

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। जिले के चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में जल संकट गहरा गया है। इस कारण लोगों की परेशानी हो रही है। पिछले तीन दिनों से शहर में पानी की सप्लाई ठप है। घरों में पानी नहीं पहुंचने से लोगों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में परेशानी हो रही है। जलापूर्ति योजना के ट्रांसफॉर्मर में खराबी के कारण पानी की सप्लाई बाधित हुई है। अब सवाल है कि करोड़ों रुपये की जलापूर्ति योजना होने के बावजूद शहरवासियों को बार-बार जल संकट से क्यों जूझना पड़ रहा है। चिरकुंडा के लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। पिछले तीन दिनों से लोगों के घरों में पानी नहीं आ रहा है। सुबह से शाम तक लोग पानी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई। पानी जैसी बुनियादी जरूरत के लिए लोगों को दूसरे साधनों पर निर्भर होना पड़ रहा है। शहरी जलापूर्ति योजना का ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद पूरे चिरकुंडा इलाके में पानी की सप्लाई बाधित हुई है। तीन दिन बीत जाने के बावजूद पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई है। इस कारण लोगों की परेशानी और बढ़ गई। जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि पहली बार जलापूर्ति बाधित नहीं हुई है। वहीं इस संबंध में चिरकुंडा नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी का कहना है कि जनता की सबसे बड़ी जरूरत पानी, साफ-सफाई और रोशनी जैसी बुनियादी सुविधाएं हैं। उनका कहना है कि लोगों की समस्या को देखते हुए जलापूर्ति जल्द शुरू कराने का प्रयास किया जा रहा है। बहरहाल, चिरकुंडा की जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर एक बड़ा सवाल यह भी है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद आखिर लोगों को नियमित पानी क्यों नहीं मिल पा रहा है। अगर किसी तकनीकी खराबी के कारण तीन दिनों तक पूरे शहर की सप्लाई बंद हो जाती है, तो वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं है और स्थायी समाधान के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। ये सवाल अब लोगों के बीच चर्चा में है। फिलहाल लोगों को उम्मीद है कि जल्द पानी की सप्लाई बहाल होगी और उन्हें इस परेशानी से राहत मिलेगी, लेकिन तीन दिन का यह जल संकट एक बार फिर शहर की जलापूर्ति व्यवस्था पर सवाल खड़े कर गया है। चिरकुंडा में फिलहाल सबसे बड़ी जरूरत पानी की है। अब देखना होगा कि जलापूर्ति कब सामान्य होता है और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए व्यवस्था में क्या बदलाव किए जाते हैं।

टीडीपीएल निदेशक रामबीर सिंह ने मांगी जमानत, सीआईडी से केस डायरी तलब

रांची। जेपीएससी की विवादित परीक्षा संचालित करने वाली कंपनी टीडीपीएल के निदेशक रामबीर सिंह ने रांची सिविल कोर्ट में जमानत की गुहार लगाई है। उन्होंने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की है। शुक्रवार को रांची सिविल कोर्ट स्थित सीआईडी की विशेष अदालत में याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने सीआईडी से मामले की केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। पिछली सुनवाई में भी अदालत ने केस डायरी मांगी थी, लेकिन सीआईडी उसे प्रस्तुत नहीं कर सकी। अदालत ने अगली सुनवाई तक केस डायरी पेश करने का निर्देश दिया है। अब रामबीर सिंह की जमानत याचिका पर 29 सितंबर को सुनवाई होगी। रामबीर सिंह को सीआईडी ने 23 जुलाई को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से वह न्यायिक हिरासत में है।

मुरहू में दस दिवसीय गणेश महोत्सव संपन्न

धूमधाम से हुआ विसर्जन

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। जिले के मुरहू में चल रहे दस दिवसीय श्री गणेश महोत्सव का शुक्रवार को विधि-विधान और हर्षोल्लास के साथ समापन हो गया। सुबह से ही मंदिरों और पंडालों में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। समाजसेवी डॉ डीएन तिवारी एवं सुबोध मुखिया ने कहा कि दस दिन के भव्य पूजन के पश्चात ग्यारहवें दिन विसर्जन के पहले पंडितजी द्वारा हवन-पूजन और आरती के बाद गाजे-बाजे के साथ बप्पा की शोभायात्रा निकाली गई। "गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ" के जयकारों से पूरा मुरहू गूंज उठा। डॉ तिवारी ने कहा कि 2013से दस दिवसीय गणेश पूजन होता आ रहा है,जो खूंटी जिला में एकमात्र ऐतिहासिक कार्यक्रम है।दिन प्रतिदिन लोगों की श्रद्धा और आस्था में वृद्धि होती जा रही है। पूरे सफर में गणेश जी के जयकारे के साथ सैकड़ों लोग झमाझम बारिश में भी झूमते नजर आए। युवाओं की टोली डीजे और ढोल-नगाड़ों पर थिरकती नजर आई। महिलाएं और बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। भक्तों ने बताया कि 10 दिनों तक रोजाना भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया था। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन भी मौजूद रहा।अंत में स्थानीय जलाशय में बप्पा का विसर्जन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

150वर्ष पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत वंदना और कृतज्ञता का संगम

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। वंदे मातरम् गीत के 150वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भगतसिंह चौक पर पद्म सरिता आध्यात्मिक दर्शन संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित देशप्रेमियों ने कहा कि राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" इस वर्ष अपने 150 वर्ष पूरे कर रहा है। 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के दिन बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस कालजयी गीत की रचना की थी, जो बाद में उनकी प्रसिद्ध कृति 'आनंदमठ' के भाग के रूप में साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ था। कार्यक्रम में विशेष रूप में उपस्थित पद्म सरिता आध्यात्मिक दर्शन संघ के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष ने कहा कि भारत सरकार ने 7 नवंबर 2025 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में इस ऐतिहासिक अवसर पर एक साल तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव की शुरुआत की। इस दौरान एक स्मारक डाक टिकट और विशेष सिक्का भी जारी किया गया।

यह समारोह 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान देश के सभी जिलों, पंचायतों, स्कूल-कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में सामूहिक गायन, प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में इसे गाया था। 7 अगस्त 1905 को पहली बार राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल हुआ। आज हर कार्यक्रम के शुभारंभ में वंदे मातरम् गीत बजाया जाना चाहिए। इससे देशवासियों में देशभक्ति का संचार के साथ साथ कृतज्ञता का भाव जागृत होता है। जिससे देशविरोधी गतिविधियों पर पूर्ण विराम लग जाएगा।

सीएनजी स्टेशन डकैती मामले में पांच आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

रांची। टाटीसिल्वे थाना क्षेत्र स्थित गेल सीएनजी स्टेशन में हुई डकैती और संगठित अपराध के मामले में रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त-17 की अदालत ने पांचों आरोपियों की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। आरोपियों में राजा खान, जहीर, शेख मुजम्मिल उर्फ मुजम्मिल हुसैन, फरहान खान और मो. फैजान शामिल हैं। सभी 13 अप्रैल से न्यायिक हिरासत में हैं।

बचाव पक्ष ने आरोपियों को निर्दोष बताते हुए कहा कि उन्हें झूठा फंसाया गया है और वे नामजद आरोपी नहीं हैं। वहीं, अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध किया। अदालत ने केस डायरी में दर्ज गवाहों के बयान और आरोपियों के आपराधिक इतिहास का अवलोकन किया। अदालत के अनुसार, आरोपियों ने सीएनजी स्टेशन में घुसकर पिस्तौल के बल पर कर्मचारियों को धमकाया, चाकू से हमला किया और 12 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन तथा औजारों का बक्सा लूट लिया। अपराध की गंभीरता और मामले के सत्र विचारण के चरण में होने को देखते हुए अदालत ने सभी आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी।

पुलिस ने मोबाइल बरामद कर वास्तविक मालिकों को किया सुपुर्द

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। आमजनों में पुलिस की प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रामगढ़ पुलिस के द्वारा एक विशेष पहल ऑपरेशन भरोसा के तहत गुम हुए मोबाईल की बरामदगी एवं उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द करने के लिए लगातार सफलतापूर्वक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ मुकेश कुमार लुणायत द्वारा सभी थाना / ओपी प्रभारी को गुम हुये मोबाईल से संबंधित दर्ज सनहा एवं सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर विशेष अभियान चलाकर गुम हुए मोबाईल को बरामद कराने का निर्देश दिया गया है। सभी थाना / ओपी प्रभारी द्वारा अपने-अपने थाना/ओपी में गुम हुए मोबाईल से संबंधित दर्ज सनहा एवं सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर विशेष अभियान ऑपरेशन भरोसा चलाकर रामगढ़ जिला, जिला के बाहर रांची, हजारीबाग, चतरा, बोकारो, पलामु, गढ़वा एवं अन्य जिलों से कुल 61 मोबाईल बरामद किया गया है। रामगढ़ पुलिस द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर बरामद मोबाईल को उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किया गया। थानावार बरामद मोबाईल की विवरणी इस प्रकार हैः

किस थाने में कितने मोबाइल हुए बरामद

रामगढ़ थाना 7, रजरप्पा थाना 7, पतरातु थाना 10, मांडू थाना 4, गोला थाना 5, भुरकुंडा ओपी 7, बरकाकाना ओपी 5, बासल थाना 1, बरलंगा थाना 3, कुजू ओपी 5, बेस्ट बोकारो ओपी 3, भदानीनगर ओपी 4 कुल 61 मोबाइल बरामद कर लौटाये गए । उल्लेखनीय है कि रामगढ़ पुलिस के द्वारा अबतक ऑपरेशन भरोसा के तहत प्रथम चरण में 125 मोबाईल, द्वितीय चरण में 59 मोबाईल एवं तृतीय चरण में 61 मोबाईल कुल-245 गुम हुए मोबाईल बरामद कर उनके वास्तविक मालिका को सुपुर्द किया गया है।

धनबाद में सीओ से 1 करोड़ की रंगदारी की मांग, रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। धनबाद अंचल के अंचलाधिकारी (सीओ) रामप्रवेश कुमार से व्हाट्सऐप मैसेज के जरिए 1 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगे जाने का मामला सामने आया है। रंगदारी की रकम नहीं देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। मामले को लेकर सीओ ने धनबाद थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, 14 सितंबर की शाम करीब 7:11 बजे एक मोबाइल नंबर से उनके मोबाइल पर व्हाट्सऐप और मैसेज के जरिए धमकी भेजी गई। संदेश भेजने वाले ने एक करोड़ रुपये की मांग करते हुए रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। बताया गया है कि धमकी देने वाले व्यक्ति ने रकम जमा करने के लिए SBI की राजगंज शाखा के एक बैंक खाते का नंबर भी मैसेज के जरिए भेजा। सीओने पुलिस को दिए आवेदन में धमकी देने वाले संदिग्ध व्यक्ति की पहचान राजू के रूप में बताए जाने की बात कही है। साथ ही पुलिस को भेजे गए संदेशों की प्रति भी उपलब्ध कराई गई है। मामले की शिकायत मिलने के बाद धनबाद थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस धमकी देने वाले मोबाइल नंबर और बताए गए बैंक खाते की जानकारी जुटा रही है। पुलिस जांच के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

मानिक चंद जैन ने अनन्त चतुर्दशी की शुभकामनाएं दी

रामगढ़। श्री दिगंबर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष मानिक चंद जैन ने शुक्रवार को सभी को अनन्त चतुर्दशी की शुभकामनाएं दी । उन्होने कहा कि जैन धर्म में अनंत चतुर्दशी (जिसे अनंत चौदस भी कहते हैं) आत्म-शुद्धि, पर्युषण पर्व के समापन और उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म का सबसे पवित्र व बड़ा दिन माना जाता है। जैन धर्म में भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी दसलक्षण पर्व (उत्तम मार्ग) का अंतिम दिन होती है। इस दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म का विशेष पालन किया जाता है।

रांची-पिस्का स्टेशन पर टिकट जांच अभियान, 344 मामलों में कार्रवाई

रांची। रांची रेल मंडल की ओर से 24 सितंबर को रांची और पिस्का रेलवे स्टेशन पर विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच सह जागरूकता अभियान चलाया गया। रेलवे मजिस्ट्रेट विजय कुमार यादव और सहायक वाणिज्य प्रबंधक धर्मवीर कुमार के पर्यवेक्षण में चले अभियान में आठ ट्रेनों और स्टेशनों पर टिकटों की जांच की गई। अभियान में मुख्य वाणिज्य निरीक्षकों, 21 टिकट जांच कर्मचारियों, पांच रेलवे सुरक्षा बल और पांच राजकीय रेल पुलिस के जवान शामिल रहे। जांच के दौरान बिना टिकट अथवा अनधिकृत रूप से यात्रा कर रहे 165 यात्रियों को पकड़ा गया। इसके अलावा बिना बुक किए सामान के 179 मामले भी सामने आए। कुल 344 मामलों में कार्रवाई करते हुए रेलवे नियमों के तहत जुर्माना वसूला गया। रेल मंडल के अनुसार, अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण के साथ रेल राजस्व की सुरक्षा और यात्रियों को टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूक करना है। रेलवे ने यात्रियों से वैध टिकट के साथ यात्रा करने और अपने सामान की नियमानुसार बुकिंग कराने की अपील की।

Govt. of Jharkhand
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Field Survey Division, Advance Planning, Road Construction Department, Nirupan Bhawan, 4th floor, 56-Set Chowk, Doranda, Ranchi-834002

e-mail--- eercdapfsdran-jhr@nic.in

e-Procurement (very Short Tender Notice)

Letter of Invitation (LOI) No.-14/2026-27

National Competitive Bidding (Two Bid System)

2nd Call

e-Tender Ref No:– RCD/FSD /AP/ RAN/14/26-27 Dated **24.09.2026**

1	Name Of Work	Consultancy services for preparation of Detailed project report for construction of road from Simdega Albert ekka Stadium to Sikriyatand to Sogra to Pakartand to Turitoli Via Kobang to Khanjaloya to Bhadotoli to Purnapani to Bhinjpur Raidih Border Road including proposal/ R eplacement of culverts and bridges, ROB/RUB if any required, complete Land Acquisition P roposal including ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlem ent and Rehabilitation Plan and Forest Diversion Proposal including clearance of all stages etc as required, at Ranchi in the state of Jharkhand
2	Tentative Length	50.00 km
3	Period of Completion of Work	90 Days
4	Cost of Tender Document & Earnest Money Deposit (EMD)	**Cost of Tender Document** :- Rs 5,000/- (Rupees Five Thousand) (Non-Refundable) through online mode only. **EMD** :- Rs- 50,000/- (Rupees Fifty thousand) through online mode only. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in) by Internet banking/ NEFT/ RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(http://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	28.09.2026,17:00 PM
7	Last date and Time of submission of Tender (With Tender Fee and EMD)	06.10.2026, not later than 16:00 hrs
8	Date of opening of Bid	07.10.2026 at 16:30 hrs
9	Place of Opening	Chief Engineer (Comm), Road Construction Department, Engineer Hostel No -2, Dhurwa, Ranchi-834004
10	Designation and Contact no. of e-Procurement Officer	Executive Engineer, Field Survey Division, Advance Planning, RCD, Ranchi. Mobile No - 8051090751
11	PR No	389028 Road (26-27)#D

Note-:Only e-Tender shall be accepted.

PR 390450 Road(26-27)D

Executive Engineer,
Field Survey Division,A.P
Road Construction Department,Ranchi

आक्रोश | सरायकेला केएस कॉलेज के छात्रों ने किया जाम, फंसे एडीजे और डीसी, भूख हड़ताल जारी

एक छात्र की तबीयत बिगड़ी, कंधे पर लादकर अस्पताल पहुंचाया

- इधर तकरीबन एक घंटे तक सड़क जाम रहने की स्थिति में कई प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे

नवीन मेल संवाददाता

सरायकेला। जिले के काशी साहू कॉलेज में भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों ने सिविल सर्जन के रवैये से उग्र होकर सदर अस्पताल के सामने सड़क को जाम कर दिया। जिससे आवागमन बाधित हो गया। आक्रोशित छात्रों के सड़क जाम करने से कार्यालय से लौट रहे सरायकेला डीसी अरवा राजकमल, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज की गाड़ी भी जाम मे फंस गई। बताया जाता है कि गुरुवार को छात्र संघ के बैनर तले एमएससी की पढ़ाई कॉलेज में शुरू करने की मांग को लेकर भूख हड़तालके तीसरे दिन एक छात्र रविंद्र महतो की तबीयत बिगड़ने पर इलाज के लिए सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार को एंबुलेंस के लिए संपर्क किया गया। लेकिन सिविल सर्जन द्वारा एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने की बात कहने पर छात्र उखड़ गए और कंधे पर लादकर छात्र को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया।जिसके बाद आक्रोशित छात्रों ने सड़क जाम कर दिया।इधर तकरीबन एक घंटे तक सड़क जाम रहने की स्थिति में कई प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, जिनमें मुख्य रुप से सरायकेला एसडीओ रामकृष्ण कुमार, सरायकेला सीओ सुरेश सिन्हा, बीडीओ मृत्युंजय कुमार आदि शामिल थे। एसडीओ द्वारा उग्र छात्रों को समझाए जाने के बाद छात्रों ने सड़क जाम तो हटा लिया लेकिन भूख हड़ताल जारी रखने की घोषणा करते हुए फिर से काशी साहू कॉलेज पहुंच गए।

4 साल से साइंस ब्लॉक प्रशासन के कब्जे मेंः आक्रोशित छात्रों के आंदोलन को समर्थन देने गुरुवार को सरायकेला भाजपा जिला अध्यक्ष विजय महतो, भाजपा नेता गणेश महाली, नगर पंचायत उपाध्यक्ष मनोज चौधरी भी मौके पर मौजूद थे। जहां उपाध्यक्ष मनोज चौधरी ने बताया कि काशी साहू कॉलेज में शिक्षकों के 84 पद स्वीकृत हैं लेकिन महज 10 शिक्षकों से कार्य लिया जा रहा है। इन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से ही साइंस ब्लॉक पर प्रशासन ने चुनाव संबंधित कार्य के लिए कब्जा लिया हुआ है।

विचार प्रवाह प्रसन्नता कुछ सीमा तक बाह्य परिस्थितियों पर निर्भर करती है, परंतु मुख्यत: मानसिक दृष्टिकोण पर। सुखी होने के लिए व्यक्ति के पास अच्छा स्वास्थ्य, संतुलित मन, समृद्ध जीवन, उचित कार्य, कृतज्ञ हृदय और सर्वोपरि, प्रज्ञा या ईश्वर का ज्ञान होना चाहिए। - **श्री श्री परमहंस योगानंद, 'सफलता का नियम'**

राष्ट्रीय नवीन मेल

क्यों जीवन दर्द और मृत्यु दवा लगने लगती है?

अभी आईआईटी मुंबई में एक आत्महत्या को लेकर देश में खलबली मची है और राजनीतिक पार्टियों को मौका मिल गया है पर कहा जाता है कि आत्महत्या करने वाले अनेक लोग यदि बच गए तो पछताते हैं अपने फैसले पर। कुछ लोग अपनी मूर्खताओं के कारण आत्महत्या की तरह अपना भविष्य खराब करते हैं और कुछ लोग आवेश में आकर या हताश होकर इस अनमोल जीवन से मृत्यु को बेहतर समझने लगते हैं दोनों ही स्थितियों में भारत के महत्वपूर्ण मानव संसाधन का नुकसान तो होता ही है वह परिवार इस दर्द को कभी भूल नहीं पाता। देश के साथ झारखंड में भी आत्महत्या एक बड़ी घटना नहीं रह गई है क्योंकि आज के वैश्विक मीडिया के युग में हर दिन आत्महत्या की खबर कहीं न कहीं की होती है जो चिंताजनक है क्योंकि हर समाचार हमारे अमूल्य मानव संसाधन का नुकसान है। देश अगर आगे बढ़ रहा है झारखंड भी आगे बढ़ा है तो आत्महत्याएं क्यों हो रहीं हैं? 2019 में एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, 77% से अधिक आत्महत्या की घटनाएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हुईं। भारत में, 2014-2021 के दौरान किए गए एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, 2014 की तुलना में, अध्ययन के अंत (2021) में

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

आत्महत्या करने वाले अधिकांश लोग वृद्धावस्था के लोग (60 वर्ष से ऊपर; पुरुष 54.7%; महिलाः 33.6%) और उभरती हुई वयस्कता (18-29 वर्ष के बीच; पुरुष 38.8%; महिलाः 6.1%) थे, जहाँ वैवाहिक विवाद या असफलता कारक था। अविवाहित लोगों (पुरुष 51.7%; महिलाः 23.2%) ने वर्तमान में विवाहित लोगों (पुरुष 35.7%; महिला 6.0%) की तुलना में आत्महत्या के अधिक मामले दर्ज किए गए । 2014 और 2021 के बीच पुरुषों (दैनिक वेतन भोगियों) में आत्महत्या से होने वाली मौतों में 170.7% की वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप 2021 में पुरुषों के लिए आत्महत्या मृत्यु दर 34.6 और महिलाओं के लिए 13.1 रही। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि मैट्रिक तक पढ़ाई करनेवाले सबसे अधिक आत्महत्या करते हैं। आत्महत्या करनेवालों में करीब 24 फीसदी इसी श्रेणी के होते हैं। यह समय पढ़ाई और काम के दबाव का होता है। लोगों में पढ़ाई और नौकरी मिलने का दबाव होता है। 2022 में एक अन्य शोध अध्ययन में बताया गया कि सात आत्महत्या रोकथाम कार्यक्रमों ने आत्महत्या की दर को प्रभावी ढंग से कम किया। सबसे अधिक आत्महत्याएं उतराखंड 82.8% में थीं जबकि झारखंड 30.5% में थीं। इस वर्ष 2024 विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम " आत्महत्या के कथन में बदलाव " है, जो कि " बातचीत शुरू करें " कार्रवाई के आह्वान के साथ एक त्रिवार्षिक थीम (2024-2026) तक चलेगी। यह थीम आत्महत्या को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है। मनोवैज्ञानिक डॉ भूमिका सच्चर का कहना है कि ज्यादातर आत्महत्या का कारण डिप्रेशन होता है। जबकि कोई भी परेशानी कुछ समय या कुछ दिनों के लिए आती है और कोई न कोई रास्ता निकल जाता है। अगर कोई बार-बार नकारात्मक बातें करे, तो उनको के समझाने के साथ मनोचिकित्सक से सलाह लेने में संकोच नहीं करनी चाहिए । छोटे होते परिवारों में व्यस्तता के कारण समझने की फुर्सत किसी को नहीं होती जबकि संयुक्त परिवारों में दादी चाची ये भूमिका निभाती थीं। हताशा के बड़े कारणों की बात करें तो पाएंगे कि कहीं न कहीं दिखावा भरी जिंदगी, स्वयं का सही आकलन नहीं करना और असंभव लक्ष्य की प्राप्ति जैसे कारण संपन्न परिवारों के होते हैं जबकि पारिवारिक उलझनें, प्रेम में धोखा, अवैध संबंध और लगातार असफलता जैसे कारण कॉमन हैं जो सभी में लागू होते हैं जबकि रोज कमाने खाने वाले या निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों में शहर कमाने जाने वाले पुरुषों का अपने परिवार का ध्यान न रखना पत्नी को छोड़ देना या पड़ोसी या गांव वालों की प्रताड़ना जैसे कारण होते हैं जो पंचायत स्तर या थाने के स्तर पर नहीं सुलझाए जाने के कारण आत्महत्या तक पहुंच जाते हैं । सरकारें विकास के जो भी दावे करें पर आत्महत्या उनकी विफलता का प्रतीक है । समाज में आर्थिक भेदभाव का मूल कारण राजनैतिक है। वोट बैंक के लिए समाज के कुछ लोगों को योजनाओं में प्राथमिकता से लेकर उनके कुकृत्य तक की अनदेखी और पुलिस या प्रशासन का भेदभाव भरा रवैया इसके मूल में होता है। आत्महत्या करने वाला कोई भी नागरिक यदि अपने अमूल्य जीवन को व्यर्थ और मृत्यु को ही शांति का मार्ग मान ले तो यह समाज,सरकार और सिस्टम के लिए शर्म और आत्मचिंतन का विषय है। कोई अपना इलाज नहीं करा पा रहा, कोई लाचार महिला अपने बच्चों के साथ कुएं में कूदकर जान दे रही है, कोई युवा नौकरी या असफलता से हताश होकर ट्रेन के आगे कूद रहा है,प्रेम में असफल हो रहा है या महिला पारिवारिक प्रताड़ना से परेशान होकर फांसी लगा रही है या कोई बुजुर्ग जहर खा रहा है तो हम सभी दोषी हैं जो मूक दर्शक बने हुए हैं। इसके मूल में जो कारण हैं उन्हें दूर करना जरूरी है। इसके लिए परामर्श का नंबर 104 भी है जिसपर 24 घंटे बात की जा सकती है। यदि कोई निराश है तो उसे सांत्वना देकर या मनोचिकित्सक से परमर्श दिलाकर हम भी एक जान बचा सकते हैं।

कालचक्र की संक्रांति व पितृ चेतना का अवतरण पितृ पक्ष

सनातन कालगणना में समय केवल एक रैखिक गति नहीं है, अपितु यह एक सुव्यवस्थित, चक्रीय और आध्यात्मिक स्पंदन है। उत्तरायण और दक्षिणायन की संक्रांति के मध्य, आश्विन मास का कृष्ण पक्ष भारतीय संस्कृति में एक अत्यंत पावन और रहस्यात्मक कालखंड के रूप में प्रतिष्ठित है, जिसे लोकव्यवहार में पितृ पक्षअथवा महालयपक्ष कहा जाता है। आधुनिक भौतिकवादी दृष्टि जिसे केवल एक मृतसंस्कृति, अंधविश्वास या कर्मकांडीय औपचारिकता मानकर उपेक्षित कर देती है, वह वास्तव में सूक्ष्म जीवविज्ञान, ब्रह्मांडीय ऊर्जा के संचरण और ऋणशोधन का एक परम वैज्ञानिक विधान है। उल्लेखनीय है कि दृश्य जगत के पीछे अदृश्य शक्तियों का एक विराट जाल कार्य कर रहा है। पितृ पक्ष इसी दृश्य और अदृश्य जगत के मध्य एक आध्यात्मिक सेतु है, जो यह सिद्ध करता है कि मृत्यु जीवन का अंत नहीं, अपितु चेतना का केवल देशांतरण है। वेदों में पितृ तत्व को किसी काल्पनिक प्रेत या भय उत्पन्न करने वाली सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि देवताओं के समतुल्य एक दिव्य ऊर्जा पुंज के रूप में स्वीकार किया गया है। ऋग्वेद का दसवां मण्डल पितृ चेतना के रहस्यों से परिपूर्ण है। ऋग्वेद 10/15/1 में ऋषियों ने उद्घोष किया है-

उदीरतामवर उत्परास उन्मध्यमाः पितरः सोम्यासः।
असुं य ईयुरवृका ऋतज्ञास्ते नो ऽवन्तु पितरो हवेषु।।

आज की बात

अशोक प्रवृद्ध

इस मंत्र का निहितार्थ यह है कि पितर तीन श्रेणियों में विभक्त हैं- अवर (निम्न लोक में स्थित या सद्य मृत), मध्यम (अंतरिक्ष लोक में स्थित), और पर (उच्च या सोम लोक में स्थित दिव्य पितर)। वे ऋतज्ञ हैं, अर्थात वे ब्रह्मांड के परम सत्य और प्राकृतिक नियमों के ज्ञाता हैं। वैदिक मतानुसारमनुष्य का अस्तित्व केवल पंचमहाभूतों के इस वर्तमान शरीर तक सीमित नहीं है। हमारे पूर्वज, जिन्होंने अपने स्थूल शरीर का परित्याग कर दिया है, वे अपनी सूक्ष्म तरंगों के माध्यम से अंतरिक्ष लोक में आज भी विद्यमान हैं और सृष्टि के सातत्य को बनाए रखने में अपनी ऊर्जा का योगदान दे रहे हैं।यजुर्वेद और अथर्ववेद में भी पितरों को स्वधामंत्र के साथ आहुतियां प्रदान की गई हैं। देवताओं के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द स्वाहाहै, जबकि पितरों के लिए स्वधाका प्रयोग किया जाता है। व्याकरण शास्त्र के अनुसारस्वधाका अर्थ है- अपनी अंतर्निहित

शक्ति, अथवा वह अन्न जो सूक्ष्म शरीर को तृप्त करने में समर्थ हो। यह इस बात का प्रमाण है कि वैदिक ऋषि इस सूक्ष्म विज्ञान से पूर्णतः परिचित थे कि स्थूल अन्न को किस प्रकार मंत्र और श्रद्धा की ऊर्जा द्वारा सूक्ष्म तत्वों में रूपांतरित कर अंतरिक्ष लोक में संचरण कर रहे पितरों तक पहुँचाया जा सकता है। सनातन दर्शन में मनुष्य का जन्म केवल व्यक्तिगत उपभोग के लिए नहीं होता, अपितु वह जन्म लेते ही समष्टि के प्रति कुछ अनिवार्य दायित्वों से बंध जाता है। शतपथ ब्राह्मण और तैत्तिरीय संहिता में ऋण त्रयका सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है, जिसके अनुसार प्रत्येक मनुष्य पर तीन प्रकार के जन्मजात ऋण होते हैं-देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण। देव ऋण उन प्राकृतिक शक्तियों (सूर्य, वायु, जल, पृथ्वी) के प्रति ऋण है, जो हमारे जीवन को संभव बनाती हैं। यज्ञ और पर्यावरण की रक्षा द्वारा इसका शोधन होता है। ऋषि ऋण उन मनीषियों के प्रति ऋण है, जिन्होंने ज्ञान, विज्ञान, भाषा और संस्कृति की परंपरा हमें सौंपी। स्वाध्याय और ज्ञान के प्रसार द्वारा मनुष्य इस ऋण से मुक्त होता है। पितृ ऋण हमारे माता-पिता और पूर्वजों के प्रति है, जिन्होंने हमें यह भौतिक शरीर प्रदान किया, हमारी रक्षा की और कुल की परंपरा को आगे बढ़ाया। संतानोत्पत्ति और पितृ पक्ष में श्राद्ध-तर्पण के माध्यम से इस ऋण का शमन होता है। इस ऋण त्रय के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि पितृ पक्ष कोई ऐच्छिक कर्मकांड नहीं, बल्कि एक अनिवार्य नैतिक कर्तव्य है। जो समाज अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना भूल जाता है, उसका सांस्कृतिक और नैतिक पतन अवश्यंभावी है। पितृ पक्ष वास्तव में कृतज्ञता का वैश्विक उत्सव है। श्राद्धशब्द की उत्पत्ति श्रत्और धाके संयोग से हुई है। श्रत् सत्यं दधाति इति श्रद्धा- जो सत्य को धारण करे, वही श्रद्धा है। और श्रद्धया इदं श्राद्धम्अर्थात जो कार्य पूर्ण श्रद्धा के साथ, पूर्वजों के निमित्त किया जाए, वह श्राद्ध है। महर्षि याज्ञवल्क्य के अनुसारश्राद्ध का मूल तत्व अन्न या जल का दान मात्र नहीं है, बल्कि उसके पीछे छिपा हुआ संकल्प और श्रद्धा का वेग है। श्राद्ध विवेक और निर्णयसिंधु जैसे ग्रंथों केअध्ययन से यह तथ्य प्रकट होता है कि श्राद्ध के मुख्यतः तीन घटक हैं- तर्पण, पिंडदान और ब्राह्मण भोजन व दान। तर्पण- तृप्यन्ति अनेन इति तर्पणम्अर्थात जिसके द्वारा तृप्ति मिले। जल में तिल, चंदन और कुशा मिलाकर जब अंगूठे के माध्यम से (पितृ तीर्थ से) जल अंजलि दी जाती है, तो वह केवल भौतिक जल नहीं रहता। कुशा एक ऐसी वनस्पति है, जिसमें ब्रह्मांडीय तरंगों को ग्रहण करने और उन्हें संचरित करने की अद्भुत क्षमता होती है। काले तिल ऊर्जा के श्रेष्ठ सुचालक हैं। जब इन तत्वों के साथ मंत्रोच्चार होता है, तो एक विशिष्ट विद्युतचुम्बकीय क्षेत्रनिर्मित होता है, जो हमारे संकल्प को पितृ लोक तक प्रेषित करता है। पिंडदान- पिंड का अर्थ है गोल आकृति, जो ब्रह्मांड और हमारे शरीर दोनों का प्रतीक है। जौ के आटे, खोये या चावल से बने पिंड वास्तव में उस स्थूल शरीर का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसे हमारे पूर्वजों ने छोड़ा था। पिंडदान के माध्यम से हम यह घोषणा करते हैं कि उनके शरीर का अंश आज भी हमारे भीतर सुरक्षित है और हम उनके प्रति पूर्णतः समर्पित हैं। ब्राह्मण भोजन व दान- भारतीय दर्शन में अहं ब्रह्मास्मिऔर सर्वं खलु इदं ब्रह्मके सिद्धांत के अनुसार, प्रत्येक जीव में उसी एक परमात्मा का वास है। श्राद्ध के समय सुयोग्य, ज्ञानी और सदाचारी व्यक्ति को कराया गया भोजन सीधे पितरों की तृप्ति का कारण बनता है, क्योंकि चेतना के धरातल पर संपूर्ण विश्व एक ही ताने-बाने से बुना हुआ है। पितृ पक्ष का समय कोई आकस्मिक चयन नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक गहरा खगोलीय विज्ञान कार्यरत है। आश्विन मास में सूर्य देव सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करते हैं। ज्योतिषीय और खगोलीय गणना के अनुसारजब सूर्य कन्या राशि में होता है, तब पृथ्वी और चंद्रलोक, जिसे पितृलोक का द्वार माना गया है के मध्य की दूरी और कोणीय स्थिति ऐसी होती है कि चुंबकीय तरंगें सीधे पृथ्वी की ओर आकर्षित होती हैं। वायु पुराण और मत्स्य पुराण में इसका विस्तृत विश्लेषण मिलता है। चंद्रमा का जो ऊर्ध्व भाग है, वह पितृलोक कहलाता है। जब सूर्य कन्या राशि में होता है, तो पितरों को अपनी संतानों के सबसे निकट आने का अवसर मिलता है। इसे महालयइसलिए कहा जाता है क्योंकि यह महान आलय (मिलन स्थल) है, जहां दृश्य जगत के मनुष्य और अदृश्य जगत के पितर एक सूक्ष्म धरातल पर परस्पर मिलते हैं। इस अवधि में किया गया तर्पण सीधे पितृ चेतना को उद्वेलित और तृप्त करता है। महाभारत के अनुशासन पर्वमें श्राद्ध की महिमा और दान के महत्व पर अत्यंत मार्मिक विमर्श मिलता है। एक प्रसिद्ध प्रसंग दानवीर कर्ण से जुड़ा है। युद्ध के पश्चात जब कर्ण वीरगति को प्राप्त होकर स्वर्ग पहुंचे, तो उन्हें भोजन के स्थान पर केवल स्वर्ण, रत्न और आभूषण खाने के लिए दिए गए। व्याकुल होकर कर्ण ने यमराज से इसका कारण पूछा। यमराज ने स्पष्ट किया कि तुमने अपने संपूर्ण जीवन में केवल सुवर्ण और धन का ही दान किया, अपने पूर्वजों को कभी अन्न और जल का दान नहीं दिया,इसलिए तुम्हें यहां वही प्राप्त हो रहा है जो तुमने बोया था।कर्ण ने तर्क दिया कि वे अपने पूर्वजों के नाम और गोत्र से अनभिज्ञ थे, इसलिए वे ऐसा नहीं कर पाए। तब यमराज ने उन्हें पंद्रह दिनों के लिए पुनः पृथ्वी पर जाने की अनुमति दी। कर्ण ने पृथ्वी पर आकर उन पंद्रह दिनों में भूखों को अन्न खिलाया, जल पिलाया और अपने पितरों का श्राद्ध किया। यही पंद्रह दिन पितृ पक्षके रूप में अमर हो गए। यह कथा इस शाश्वत सत्य को उद्घाटित करती है कि मनुष्य चाहे कितना भी भौतिक धन अर्जित कर ले, किंतु जीवन की निरंतरता के लिए अन्न, जल और संवेदनशीलता ही सर्वोपरि हैं। आधुनिक तार्किक बुद्धि प्रायः एक प्रश्न उठाती है- यदि आत्मा अमर है और वह अपने कर्मों के अनुसार तुरंत दूसरा जन्म ले लेती है, तो फिर श्राद्ध का अन्न या तर्पण उन तक कैसे पहुँच सकता है? क्या यह विरोधाभास नहीं है? सनातन मेधा इस शंका का अत्यंत वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत करती है। मार्कण्डेय पुराण में इस विषय पर एक अत्यंत गहरा और विश्लेषणात्मक संवाद है। आत्मा जब नया शरीर धारण करती है, तो वह किसी भी योनि में जा सकती है, वह देव, मनुष्य, पशु, पक्षी या वृक्ष कुछ भी बन सकती है। किंतु श्राद्ध के समय जो मंत्र और नाम, गोत्र का उच्चारण किया जाता है, वह एक कूरियर या विशिष्ट तरंग सूचकांककी भांति कार्य करता है।यदि हमारे पूर्वज देव योनि में हैं, तो यहां दिया गया अन्न उन्हें अमृतके रूप में प्राप्त होता है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

'प्रेमचंद की 25 श्रेष्ठ कहानियों का नाट्य रूपांतर'

साहित्य की बात

ओमप्रकाश मंजुल

दुनिया में कर्मचंद्र, कृष्णचंद्र, धर्मचंद्र, सुभाषचन्द्र, प्रभाषचंद्र, दानचंद्र, पानचंद्र, खानचंद्र, ध्यानचंद्र आदि 'चन्द्र' अनेकों हो सकते हैं और होते ही हैं, पर प्रेमचंद की तरह 'चंद' चंद भी नहीं होते। एकमात्र मुंशी प्रेमचंद ही होते हैं। ऐसे 'प्रेमचंद' की कहानियों का नाट्य रूपांतर करने वाला साहित्यकार भी कोई सामान्य साहित्यकार नहीं, खास साहित्यकार ही हो सकता है। समीक्ष्य नाट्य पुस्तक के रूपांतरकार, शब्दों के मर्मज्ञ विद्वान एवं नाट्यकार, डॉ. कुमार संजय का नाम किसी परिचय का मुहताज नहीं है। डॉ. कुमार संजय को सन् 2011 में अपने नाटक 'एक करोड़' के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'मोहन राकेश सम्मान' से विभूषित किया जा चुका है। उनके अब तक प्रेमचंद की 25 श्रेष्ठ कहानियों, जयशंकर प्रसाद की 'कामायनी', महाकवि निराला की 'राम की शक्ति पूजा' और चेखव की 11 लोकप्रिय कहानियों के नाट्य रूपांतरण के साथ नाट्य रचनाओं की संख्या सवा सौ के आसपास है। प्रस्तुत पुस्तक में प्रेमचंद की 25 श्रेष्ठ कहानियों के संजय जी कृत नाट्य रूपांतर संग्रहित हैं। संजय जी ने मुंशी जी की कहानियों का नाट्य रूपांतर इतनी शिद्दत एवं सिद्धिता

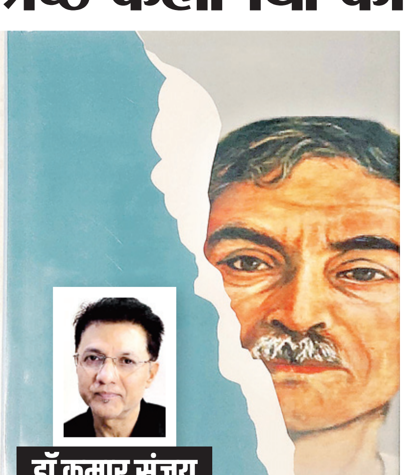

डॉ कुमार संजय

से किया है कि ये नाट्य रूपांतर पढ़कर लगता है कि ये डॉ. कुमार संजय के नाट्यों का 'कहानी रूपांतर' हैं। रूपांतर का सफल कार्य वही कर सकता है, जिसमें भावानुवाद की अद्भुत प्रतिभा हो। इन रूपांतरों को पढ़कर लगा कि संजय जी ने अपनी इंद्रियां, मन और बुद्धि में पूर्णतः निमग्न होकर रूपांतरण कार्य किया है। संवाद इतने स्वाभाविक, जीवंत और चुस्त-दुरुस्त हैं कि कथानक के विकास और प्रवाह में कहीं भी बाधा नहीं आती है। नाट्यकार ने मुंशी जी के द्वारा निर्मित भाव संसार में कहीं पर खरोंच नहीं आने दी। संजय जी के नाटकों को लोकप्रिय और सफल बनाने में सबसे बड़ी भूमिका उनकी भाषा की रही है। झारखंडी, बिहारी, भोजपुरी, बंगाली आदि भाषाओं और उनकी बोलियों पर उनका कमांड होने के कारण वे संवादों को स्वाभाविक, सशक्त और रोचक बना देते हैं। उनकी भाषा युगानुरूप भी है और युगानुकूल भी। संजय जी ने मुंशी जी की कहानियों की काया को तो छेड़ा है, पर उनकी आत्मा को बाकायदा पूर्ववत् अस्पर्शित रखा है। जैसे तुलसी ने 'रामचरितमानस' के द्वारा आदिकवि वाल्मीकि को व्यापक व लोकप्रिय बनाया, वैसे ही संजय जी ने प्रेमचंद की कहानियों का नाट्य रूपांतर कर मुंशी जी को विस्तृत और लोकप्रिय बनाया है। संजय जी की भेदनी दृष्टि भीतर तक झांक आती है। उनमें मंचीय नाटकों की व्यावहारिक तकनीकों का सूक्ष्म ज्ञान तो है ही, नाटकों में नए-नए प्रयोग करने का उत्साह भी है। वे प्रभावशाली शैली के स्वामी हैं। उनके अंदाज-ए-बयां पर यकायक मिर्जा ग़ालिब का शे'र याद आता है-'हैं और भी दुनिया में सुखनवर बहुत अच्छे, कहते हैं कि ग़ालिब का है अंदाज-ए-बयां और।' निसंदेह समीक्षित कृति को संवेदना और समझ रखने वाले पाठकों से पर्याप्त सम्मान प्राप्त होगा। डॉ. कुमार संजय जी को उनके सफल रूपांतर कार्य के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

आईआईटी में मानसिक स्वास्थ्य का गहराता संकट

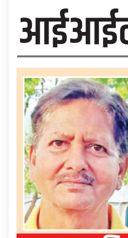

अजय कुमार सिन्हा

आईआईटी में दाखिला मिलना सिर्फ एक सीट हासिल करना नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की गारंटी माना जाता है। परिवार और समाज इस उपलब्धि को सफलता मानते हैं। ऐसे में उम्मीद होती है कि आईआईटी पहुंचने वाले छात्र आत्मविश्वास और खुशी से भरे होंगे। लेकिन हकीकत का दूसरा पहलू चिंताजनक है। हाल में आईआईटी बॉम्बे में एक छात्र की आत्महत्या ने हमारी शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक सोच पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दुखद यह है कि ऐसी घटनाएं अकेली नहीं रह गई हैं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, संस्थान ने बताया कि छात्र को परीक्षा के दौरान एआई प्लेटफॉर्म पर प्रश्नपत्र अपलोड करते पाया गया था और कुछ समय बाद उसका शव मिला। वहीं, परिवार ने जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच में पूरे तथ्य सामने आने बाकी हैं, लेकिन यह त्रासदी कई गहरे संकटों की ओर ध्यान खींचती है। आज छात्रों पर सफलता का दबाव बढ़ रहा है। मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, एआई का शिक्षा पर प्रभाव और परीक्षा में ईमानदारी जैसे सवाल महत्वपूर्ण हैं। हम ऐसा माहौल बना रहे हैं, जहां बच्चे की पहचान और आत्मसम्मान को उसकी उपलब्धियों से जोड़ दिया जाता है। कोचिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं के दबाव के बाद पहुंचने वाले कई छात्र पहले ही थक चुके होते हैं। कठिन सवाल हल कर लेना बौद्धिक क्षमता का प्रमाण हो सकता है, लेकिन यह मानसिक मजबूती और भावनात्मक स्थिरता की गारंटी नहीं है। असफलता, अनुशासनात्मक कार्रवाई या सामाजिक दबाव का डर गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। अब जरूरत है कि हम सफलता की परिभाषा पर विचार करें। छात्रों को समझाना होगा कि कोई परीक्षा, संस्थान या असफलता जीवन से बड़ी नहीं है। आईआईटी जैसे संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य, संवेदनशीलता और समावेशी वातावरण पर भी विशेष ध्यान देना होगा। प्रतिभा को बचाना पूरे समाज की जिम्मेदारी है और बेहतर व्यवस्था आवश्यक है।

राष्ट्रीय नवीन मेल

धर्म-अध्यात्म

युवा भारत के लिए श्रीअरविंद की पुकार

श्रीअरविंद

भारत एक युवा देश है, इस बात को हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मान पत्रक की तरह प्रदर्शित करते आये हैं। भारत की अनुमानित 140 करोड़ जनसंख्या में से 65 प्रतिशत जनसख्या 35 साल से कम आयु वाले युवाओं की है। यह स्थिति चीन, जापान और रूस जैसे देशों के मुकाबले बहुत आदर्श है जहाँ कुल राष्ट्रीय जनसंख्या के अनुपात में बुजुर्ग वर्ग और वरिष्ठ नागरिकों की संख्या अधिक है। युवा शारीरिक और मानसिक ऊर्जा से परिपूर्ण होते हैं और अपने देश के चहुमुखी विकास में महत्वपूर्ण, शानदार और ध्रुवीय भूमिका निभा सकते हैं। वे राष्ट्र के सवालों पर गहराई से मंथन करके उचित समाधान तक पहुंच सकते हैं और और सजग नागरिक के तौर पर चुनौतियों का बेहतर मुकाबला कर सकते हैं। वे एक युवा अपने आस-पास की समस्याओं पर बेहतर चिंतन कर सकते हैं, विडंबनाओ और विद्रूपों को समाज के सामने ला सकते हैं और सामाजिक बुराइयों को ललकार सकते हैं। युवा अपनी शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक शक्ति का उपयोग राष्ट्र और समाज के सर्वांगीण विकास में करें तो राष्ट्र की तकदीर बदल सकती है। युवाओं में देशप्रेम और कर्तव्यपरायणता की भावना हो, वे वैज्ञानिक सोच के पोषक और पैरोकार हों, प्रयोगधर्मी और परिश्रमी हों तो उनका राष्ट्र प्रगति की बुलंदियां छूकर रहेगा। महान फ्रांसीसी विचारक वोल्टेयर कहते थे --' जब एक राष्ट्र सोचना शुरू करता है उसे रोकना असंभव है' (विल दुरंत की किताब The Story of Philosophy पृष्ठ 261 से उद्धत)। निश्चित रूप से युवा जनसंख्या एक संपदा और सौभाग्य है यदि देश का युवा तन मन धन से राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभा रहा है लेकिन भारत में ऐसी आदर्श स्थिति नहीं है। अपने देश की युवा पीढ़ी में देशप्रेम और राष्ट्रभक्ति की कमी है। उसकी चिंता में राष्ट्र नहीं है।

-पूर्णयोगेश्वर श्रीअरविंद से साभार

फेसबुक वॉल से

एक्स से

किस्तों में बंटी जिंदगी

अलग बात

वीणा देवांगन

आज हम जिस दुनिया में जी रहे हैं, वहां बाजार हमारी जरूरतों को समझने से ज्यादा उन्हें बढ़ाने में लगा हुआ दिखाई देता है। हर दिन कोई नया विज्ञापन हमें बताता है कि हमारे पास जो है, वह पर्याप्त नहीं है। नया फोन चाहिए, नई कार चाहिए, महंगे कपड़े चाहिए, नया फर्नीचर चाहिए या फिर ऐसी चीजें चाहिए जिनके बिना कल तक हमारी जिंदगी आराम से चल रही थी। अब उन्हें खरीदना हमें अपनी जरूरत लगने लगता है। और जब पूरी कीमत सुनकर हम पीछे हटते हैं, तो बाजार हमारे सामने ईएमआई का रास्ता रख देता है-"पूरे पैसे अभी देने की जरूरत नहीं, बस इतनी-सी रकम हर महीने चुकाइए।" धीरे-धीरे हम यह भूलने लगते हैं कि ईएमआई की शुरुआत आखिर क्यों हुई थी और आज वह हमारे जीवन में क्या बनती जा रही है। ईएमआई यानी समान मासिक किस्त का मूल उद्देश्य लोगों के लिए बड़ी और जरूरी चीजों को खरीदना आसान बनाना था। हर व्यक्ति के पास घर खरीदने, शिक्षा का खर्च उठाने, इलाज कराने, व्यवसाय शुरू करने या काम के लिए जरूरी साधन खरीदने के लिए एक साथ पर्याप्त पैसा नहीं होता। ऐसे में किसी वस्तु या सेवा की कीमत को छोटे-छोटे मासिक भुगतानों में बांटना एक उपयोगी सुविधा हो सकती है। किसी शिक्षक को पढ़ाने के लिए कंप्यूटर चाहिए, किसी छोटे व्यवसायी को काम बढ़ाने के लिए मशीन चाहिए या किसी परिवार को रहने के लिए घर चाहिए—ऐसी परिस्थितियों में जिम्मेदारी से लिया गया ऋण किसी के जीवन को आगे बढ़ाने का साधन बन सकता है। ईएमआई का उद्देश्य मूल रूप से यही था कि आवश्यक चीजों तक पहुंच आसान हो सके। लेकिन आज सवाल यह है कि क्या हम ईएमआई का इस्तेमाल अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए कर रहे हैं, या हमारी इच्छाओं को पूरा करने के लिए ईएमआई का इस्तेमाल किया जा रहा है? इस बदलाव को समझने के लिए एक बच्चे की कहानी पर विचार कीजिए। एक ऐसा बच्चा, जिसके माता-पिता इस दुनिया में नहीं रहे। उनके जाने के बाद उस बच्चे के सामने केवल भावनात्मक दुख ही नहीं था, बल्कि जिंदगी की जिम्मेदारियां भी थीं। घर चलाना था, पढ़ाई करनी थी, भविष्य के बारे में सोचना था। उसके माता-पिता ने शायद उसके लिए कुछ सपने देखे होंगे, लेकिन अब उन सपनों को पूरा करने की जिम्मेदारी धीरे-धीरे उसी बच्चे के कंधों पर आ गई। ऐसे बच्चे के लिए जीवन का अर्थ किसी महंगे फोन, ब्रांडेड कपड़े या दूसरों के सामने अपनी हैसियत दिखाने से नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य बनाने, शिक्षा पाने और अपने पैरों पर खड़े होने से जुड़ा होना चाहिए। जब हम ऐसे बच्चों की जिंदगी के बारे में सोचते हैं, तब हमें अपनी खरीदारी की आदतों पर भी विचार करना चाहिए। हममें से कितने लोग ऐसी चीजों पर पैसा खर्च कर देते हैं जिनके बिना हमारा काम चल सकता है, जबकि उसी पैसे से किसी जरूरतमंद बच्चे की पढ़ाई, किताबें या भविष्य में थोड़ी मदद की जा सकती है? यह सवाल किसी को दोष देने के लिए नहीं है, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं को पहचानने के लिए है। आज बाजार ने हमारी भावनाओं को समझना सीख लिया है। वह केवल उत्पाद नहीं बेचता, बल्कि कई बार उस उत्पाद के साथ जुड़ी हुई पहचान, प्रतिष्ठा और खुशी भी बेचता है। विज्ञापन हमें यह महसूस करा सकता है कि नया फोन रखने से हम अधिक आधुनिक हो जाएंगे, महंगी कार से हमारी सफलता दिखाई देगी या किसी खास ब्रांड के कपड़े पहनने से समाज में हमारा सम्मान बढ़ जाएगा। धीरे-धीरे वस्तु हमारी जरूरत से आगे बढ़कर हमारी पहचान का हिस्सा बन जाती है। फिर जब कोई नया मॉडल बाजार में आता है, तो हमारा पुराना सामान अचानक हमें कमतर लगने लगता है। फोन ठीक चल रहा है, उससे पढ़ाई हो रही है, काम हो रहा है, बातचीत हो रही है, फिर भी नया फोन लेने की इच्छा पैदा हो जाती है। आखिर क्यों? क्योंकि हमें केवल फोन नहीं दिखाया जा रहा, हमें यह भी बताया जा रहा है कि नया फोन रखने वाला व्यक्ति ज्यादा सफल, ज्यादा स्मार्ट या दूसरों से आगे है। सोशल मीडिया ने इस दौड़ को और तेज कर दिया है। हम दूसरों की नई कारें, महंगे फोन, विदेश यात्राएं, बड़े घर और सुंदर जीवनशैली देखते हैं। लेकिन हमें उस तस्वीर के पीछे की पूरी कहानी दिखाई नहीं देती। हमें यह नहीं पता होता कि वह वस्तु अपनी कमाई से खरीदी गई है या कर्ज लेकर, उस व्यक्ति की आर्थिक स्थिति कैसी है या वह भीतर से कितना तनाव झेल रहा है। हम केवल उसका दिखाया हुआ जीवन देखते हैं और अपनी पूरी जिंदगी की तुलना उससे करने लगते हैं। फिर मन में एक भावना पैदा होती है-"अगर उसके पास है, तो मेरे पास भी होना चाहिए।" यही भावना कई बार हमें ऐसी खरीदारी की ओर ले जाती है जिसकी हमें वास्तविक जरूरत नहीं होती। शायद अब समय आ गया है कि हम अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ी को केवल यह सिखाने के बजाय कि ज्यादा कमाओ और ज्यादा खरीदो, यह भी सिखाएं कि अपनी जरूरत पहचानो, अपनी आय का सम्मान करो और अपने भविष्य को आज की इच्छाओं के हाथों मत सौंपो।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

आज का दोहा

त्यागी, वैरागी सभी, ज्यों पीपल का पेड़।
हर क्षण देते वक्त को, प्राणवायु, मत छेड़।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/00155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

क्रायोजेनिक तकनीक से चंद्रयान-3 तक, आत्मनिर्भर बना भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम

रॉकेट के पुर्जों से शुरू हुआ सफर, चांद तक पहुंचा भारत

- आईआईटी में इसरो अध्यक्ष ने सुनाई अंतरिक्ष के सफर की कहानी

एजेंसी। नई दिल्ली

कभी भारत को अपने रॉकेट प्रक्षेपण के लिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से उपकरण जुटाने पड़ते थे। आज वही भारत दूसरे देशों के उपग्रहों को व्यावसायिक आधार पर अंतरिक्ष में भेज रहा है। इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने आईआईटी दिल्ली में भारत के अंतरिक्ष सफर की यह बातें बताई। उन्होंने बताया कि कभी जिस क्रायोजेनिक तकनीक को साझा करने से इनकार कर दिया गया था, उसे भारत ने अपने दम पर विकसित कर लिया। अब देश की नजरें चांद पर मानव मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां हासिल करने पर हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ वी नारायणन ने आईआईटी दिल्ली में भारत के अंतरिक्ष सफर और भविष्य की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। यहां व्याख्यान का विषय था, 'भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रमः चुनौतियां और आगे की राह'। इस दौरान उन्होंने भारत की शुरुआती चुनौतियों से लेकर चंद्रयान-3 की सफलता, अंतरिक्ष में उपग्रहों की डॉकिंग और मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारियों तक की कहानी साझा की। उन्होंने उपग्रहों को सटीक कक्षा में स्थापित करने की भारत की बढ़ती क्षमता पर भी प्रकाश डाला। उनके अनुसार, अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक के कई क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें चंद्रमा पर जल अणुओं की खोज और मंगल की कक्षा में पहली कोशिश में पहुंचने जैसी उपलब्धियां भी शामिल हैं। गगनयान से भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन तक, अगले दशक की बड़ी योजनाएं डॉ नारायणन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की आगामी योजनाओं का खाका भी सामने रखा।

क्रायोजेनिक तकनीक से भारत ने अंतरिक्ष में आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की

डॉ. नारायणन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1962 से जोड़ते हुए बताया कि उस समय देश खाद्य सुरक्षा और साक्षरता जैसी बुनियादी चुनौतियों से जूझ रहा था। नवंबर 1963 में थुंबा से भारत का पहला रॉकेट प्रक्षेपित किया गया। उस समय रॉकेट को तैयार करने में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से जुटाए गए उपकरणों का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद भारत ने अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में लगातार अपनी क्षमता बढ़ाई। आज देश अपने दम पर उपग्रह तैयार करने और उन्हें प्रक्षेपित करने के साथ-साथ दूसरे देशों के उपग्रहों को भी व्यावसायिक रूप से अंतरिक्ष में भेज रहा है। यह बदलाव भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की लंबी यात्रा को दर्शाता है।

अंतरिक्ष में दो यानों की डॉकिंग करने वाला चौथा देश भारत

डॉ. नारायणन ने बताया कि 1990 के दशक की शुरुआत में कुछ देशों ने भारत को यह तकनीक देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि जब दुनिया ने हमें यह तकनीक देने से इनकार कर दिया, तो हमने इसे खुद विकसित करने का फैसला किया। आज मैं आपको बता सकता हूं कि हमने पूरी तरह अपने दम पर तीन क्रायोजेनिक प्रणोदन प्रणालियां विकसित की हैं। उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का ऐतिहासिक अध्याय बताया। 23 अगस्त 2023 को भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना और दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट उतरने वाला पहला देश बना। उन्होंने आगे कहा, "23 अगस्त 2023 भारत के लिए ऐतिहासिक दिन था। चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने वाले पहले तीन देशों के बाद भारत चौथा देश बना और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बना।" चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमता को दुनिया के सामने मजबूती से रखा। डॉ. नारायणन ने भारत के हालिया अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भारत अंतरिक्ष में दो यानों को सफलतापूर्वक जोड़ने की क्षमता हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बना है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में अमित शाह बोले

यूपी में बना ब्रह्मोस पाकिस्तान की उड़ा रहा है नींद : गृहमंत्री

- तमंचों की फैक्ट्री की जगह बन रही ब्रह्मोस मिसाईल

एजेंसी। नोएडा

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि आज उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल बना है। निवेश के माहौल की पहली प्राथमिकता है कि कानून व्यवस्था ठीक हो। अनुकूल औद्योगिक नीति बने। उद्योग को बढ़ावा और सुविधा दिया जाए।

केंद्रीय गृह गृहमंत्री अमित शाह ने आज यहां इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में पांच दिवसीय उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआइटीएस) के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। यहां उद्योग के लिए अच्छा वातावरण है। उन्होंने कहा कि एक जमाने में यूपी में माफियाओं का शासन चलता था। वर्ष 2017 में भाजपा की सरकार यहां पर बनी। उसके बाद यूपी से माफियाओं को समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा इसी वजह से आज उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन बार प्रधानमंत्री बनकर नीतियों का निर्माण किया तथा नीतियों को जमीनी स्तर पर सही तरह से पहुंचाया। उन्होंने कहा कि अनुभव के आधार पर नीतियों में जो बदलाव करने थे और जो नई नीतियां बनानी थी उसमें भी प्रधानमंत्री ने स्फूर्ति दिखाकर बनाया और भारत को पूरे विश्व में एक आकर्षक उत्पादन का हब बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कुछ वक्रदृष्टा लोग भारत की जीडीपी के आंकड़ों को भी झुठलाने का काम कर रहे हैं।

यूपी में बढ़ा रक्षा उत्पादन, 80 देशों तक पहुंचा निर्यात

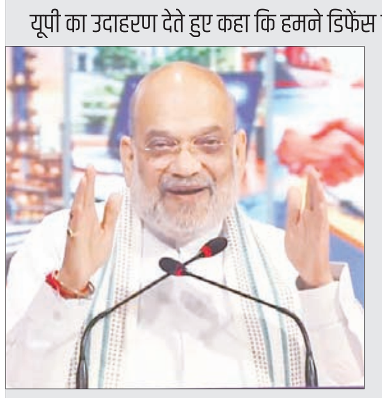

यूपी का उदाहरण देते हुए कहा कि हमने डिफेंस कॉरिडोर का स्टाल देखा। झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, कानपुर के कॉरिडोर को देखा। यहां डिफेंस के साधनों, मैन्युफैक्चरिंग के लिए इन्वेस्टमेंट आ रहा है और इसके कारण न केवल उत्तर प्रदेश में वरन देशभर के डिफेंस के उत्पादन का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि आज रक्षा उत्पादन लगभग 1,78,000 करोड़ को पार कर गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013-14 की तुलना में रक्षा के उत्पादों के निर्यात में हमने 56 गुना वृद्धि की है और आज 80 देश में भारत के रक्षा के उत्पादों का निर्यात हो रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि यहां पर डिफरेंट कॉरिडोर बनाने के लिए योगी सरकार ने उसे इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ने के लिए अनुकूल नीतियां बनाने के लिए ढेर सारा काम किया है। उन्होंने कहा कि आज यूपी में बने ब्रह्मोस पाकिस्तान की नींद उड़ा देते हैं। यह बदलाव का सबसे बड़ा लक्षण है। अमेठी में बनी एके -203 एसॉल्ट राइफल आज नक्सलवादी और आतंकवादियों की नींद उड़ा चुकी है। उन्होंने कहा कि एक जमाना था जब सपा और बसपा का जमाना था। यहां पर अपराध का उद्योग चलता था। कट्टा, अवैध तमंचों की फैक्ट्री लगती थी।

'मेक इन इंडिया' से कई सेक्टर्स में आया बड़ा बदलाव, भारत में निवेश के साथ बढ़ा निर्यात : पीएम

एजेंसी। नई दिल्ली

'मेक इन इंडिया' के 12 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि इससे भारत के कई सेक्टर्स में बड़ा बदलाव आया है और देश के निर्यात और निवेश में भी इजाफा हुआ है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत में ज्यादा उत्पादन, भारत में ज्यादा निवेश, भारत से ज्यादा निर्यात। हर सेक्टर में बदलाव साफ दिख रहा है!"मेक इन इंडिया आने के बाद से भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स का उत्पादन लगभग सात गुना बढ़ गया है, जो 2014-15 में 1.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 13.11 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, देश में बने डिफेंस उत्पादों की वैल्यू 2014-15 में 46,429 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपए हो गई है। भारत को मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और इनोवेशन के लिए ग्लोबल हब बनने के मकसद से 25 सितंबर 2014 को 'मेक इन इंडिया' शुरू किया गया था। आज यह पहल 27 सेक्टर में लागू है, जिनमें 15 मैन्युफैक्चरिंग और 12 सर्विस सेक्टर शामिल हैं। इस योजना की लागू अवधि में देश का इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन में मोबाइल-फोन का प्रोडक्शन लगभग 33 गुना बढ़कर 18,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 6.27 लाख करोड़ रुपए हो गया। वॉल्यूम के हिसाब से भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन बनाने वाला देश है। सरकारी फैक्टशीट के अनुसार, 2024-25 में गाड़ियों का प्रोडक्शन 31.03 मिलियन यूनिट तक पहुंच गया, जो 2014-15 के मुकाबले 33 प्रतिशत ज्यादा है। 2020-21 की तुलना में 2024-25 में कई तरह की गाड़ियों के प्रोडक्शन में भी काफी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वही, फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री आज वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया में तीसरे और वैल्यू के हिसाब से 11वें नंबर पर है।

महाराष्ट्र-गुजरात में धूमधाम से हो रहा गणपति विसर्जन, ढोल-ताशों के साथ निकले जुलूस

एजेंसी। नई दिल्ली

महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना समेत देश के विभिन्न हिस्सों में कड़ी सुरक्षा के बीच गणपति की मूर्तियों का विसर्जन विशाल जुलूस के साथ कर रहे हैं। भक्तों की भारी भीड़, ढोल-ताशे की थाप और गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के बीच मुंबई के बोरीवली पूर्व से गोराई की ओर 25 फुट का उपनगरचा राजा गणपति विसर्जन जुलूस शुरू हो गया है।मुंबई में बड़े धूमधाम के साथ लाखों श्रद्धालु भगवान गणेश की मूर्तियों का विसर्जन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पत्नी अमृता फडणवीस और परिवार के साथ सीएम आवास पर गणपति की आरती की। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, पंकजा मुंडे और कई अन्य नेता भी मौजूद थे। गिरगांव चौपाटी पर गणपति प्रतिमा विसर्जन के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मुंबई पुलिस और बीएमसी की टीमें तैनात की गई हैं। शुक्रवार सुबह से ही भक्त ढोल-नगाड़ों और जश्न के माहौल में प्रतिमाएं लेकर वहां पहुंचने लगे हैं। ठाणे में मंत्री प्रताप सरनाईक ने आईएएनएस से कहा, "पिछले 11 दिनों से मुंबई और ठाणे में हमारे सभी गणेश भक्त गणेश उत्सव मना रहे हैं। आज गणेश विसर्जन का दिन है और विसर्जन पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ किया जाएगा।"पूजा और आरती के बाद भक्तों ने नागपुर के 'राजा गणेश' की मूर्ति को भावुक विदाई दी। ढोल-ताशे की थाप और "गणपति बप्पा मोरया" के जयकारों के बीच विसर्जन जुलूस आगे बढ़ा।

दवा की पर्ची पर हिंदी को तरजीह दें डॉक्टर, मरीज से मातृभाषा में करें संवाद : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने चिकित्सकों से अपील की है कि वे मरीजों को लिखी जाने वाली दवाओं और जांचों के नाम हिंदी अथवा देवनागरी लिपि में लिखें, ताकि मरीज को यह स्पष्ट रूप से पता हो कि उसे कौन सी दवा दी जा रही है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों के साथ उनकी मातृभाषा और स्थानीय बोलियों में संवाद करने का भी आग्रह किया है। ब्रजेश पाठक ने चिकित्सक समुदाय के नाम जारी अपील में कहा कि वह उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हिंदी प्रेमी भारतीय के नाते डॉक्टरों से यह आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत स्तर पर उन दवाओं को प्राथमिकता देंगे, जिनके नाम हिंदी में लिखे होंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्था में लोकभाषाओं का इस्तेमाल बढ़ने से मरीज डॉक्टर की सलाह और उपचार को बेहतर ढंग से समझ सकेगा। इससे मरीज और चिकित्सक के बीच विश्वास भी मजबूत होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र, लोकभाषा और लोकभावना से मजबूत होता है।

मेलोनी सरकार का बड़ा फैसला, इटली के स्कूलों में बुर्का-नकाब पर पूरी तरह पाबंदी

एजेंसी। रोम

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने स्कूलों में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने और बुर्का-नकाब पर रोक लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सरकार के मुताबिक, इन कदमों का उद्देश्य छात्रों को अलग करना नहीं, बल्कि उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराना और इतालवी भाषा सीखने में मदद करना है। प्रस्ताव के तहत उन छात्रों की संख्या एक कक्षा में अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित करने की बात कही गई है, जिन्हें इतालवी भाषा का पर्याप्त ज्ञान नहीं है। मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मंत्रिपरिषद ने स्कूलों से संबंधित आदेश को मंजूरी दी है। इसके तहत इतालवी भाषा में कमजोर छात्रों के लिए विशेष सहायता की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही स्कूलों में बुर्का और नकाब पहनने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ये व्यावहारिक कदम लोगों को बांटने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें एक-दूसरे के साथ बेहतर तरीके से घुलने-मिलने में मदद करने के उद्देश्य से उठाए जा रहे हैं। मेलोनी के अनुसार, इससे ऐसी अलग-थलग कक्षाएं बनने से रोका जा सकेगा, जहां किसी एक समुदाय के छात्रों की संख्या अधिक हो। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा स्कूल तंत्र चाहती है, जो नियमों से समझौता किए बिना सभी छात्रों को साथ लेकर चले, अधिक कठिनाइयों का सामना कर रहे विद्यार्थियों की मदद करे और हर छात्र को समान अवसर दे। प्रस्तावित नियमों में स्कूलों में पूरे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर रोक का प्रावधान भी शामिल है। बुर्का और नकाब में चेहरा ढका रहता है, जबकि हिजाब में आमतौर पर सिर और गर्दन ढके होते हैं और चेहरा खुला रहता है। मेलोनी की घोषणा में विशेष रूप से बुर्का और नकाब का उल्लेख किया गया है। इटली में चेहरा ढकने को लेकर पहले से भी कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। वर्ष 1975 के एक कानून में सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे हेलमेट या कपड़े पहनने पर रोक से संबंधित प्रावधान है, जिससे किसी व्यक्ति की पहचान मुश्किल हो सकती है। हालांकि, बुर्का या नकाब पर देशव्यापी स्पष्ट प्रतिबंध अब तक नहीं है।

आज कल

वन प्रबंधन — स्थानीय जरूरतों के अनुरूप वनकर्मियों की क्षमता बढ़ाने पर जोर

आधुनिक तकनीक व स्थानीय ज्ञान का मेल हो : भूपेंद्र

- क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप वनकर्मियों की क्षमता निर्माण जरूरी
- प्रशिक्षण में स्थानीय ज्ञान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नई तकनीक शामिल हों

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को कहा कि वन प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए क्षेत्र की जरूरतों और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप क्षमता निर्माण जरूरी है। प्रशिक्षण में स्थानीय ज्ञान के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नई तकनीकों को शामिल किया जाना चाहिए।जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी के सहयोग से शुक्रवार को आयोजित 'कैपेसिटी एन्हांसमेंट फॉर इफेक्टिव फॉरेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट' पर कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि वन जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव विविधता के संरक्षण और वन पर निर्भर समुदायों की आजीविका के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इसलिए अग्रिम पंक्ति के वनकर्मियों की परिचालन और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वनाग्नि प्रबंधन आज वैश्विक चुनौती बन चुका है। ऐसे में परियोजना के माध्यम से वनाग्नि प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु कार्रवाई के क्षेत्र में तकनीकी और जमीनी क्षमताओं को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षमता निर्माण केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आधुनिक तकनीकों और जमीनी स्तर की सफल कार्यप्रणालियों को प्रशिक्षण का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

मंत्री ने क्षेत्र विशेष के लिए अलग-अलग क्षमता निर्माण मॉड्यूल तैयार करने पर जोर दिया। इन मॉड्यूल में स्थानीय ज्ञान और क्षेत्रीय चुनौतियों को शामिल करने की बात कही गई। परियोजना के तहत व्यावहारिक तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए अनुसंधान एवं विकास, जमीनी स्तर पर तकनीकों के इस्तेमाल के लिए पायलट परियोजनाएं और प्रशिक्षण संस्थानों को मजबूत करने जैसे काम किए जाएंगे। इसके अलावा सार्क और अन्य विकासशील देशों के साथ बेहतर कार्यप्रणालियों को साझा करने पर भी जोर दिया जाएगा। जीका इंडिया के वरिष्ठ प्रतिनिधि ईजी वाकामात्सु ने कहा कि यह परियोजना भारतीय और जापानी शोध संस्थानों को एक साथ लाकर वन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और क्षमता निर्माण से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों के समाधान विकसित करने का मंच बनेगी। उन्होंने बताया कि वन क्षेत्र में जीका की भारत के साथ साझेदारी करीब तीन दशक पुरानी है और इससे सात लाख से अधिक लोगों को लाभ मिला है।

दृष्टिपात

बैंक यूनियनों के प्रदर्शन के लिए वैकल्पिक जगह देने पर पुलिस ले फैसला : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया है कि 28, 29 और 30 सितंबर को बैंक यूनियनों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर के अलावा किसी वैकल्पिक जगह की मांग पर फैसला किया जाए। जस्टिस अमित महाजन ने पुलिस को निर्देश दिया कि बैंक यूनियनों के वैकल्पिक स्थल पर प्रदर्शन की मांग पर सोमवार तक फैसला लिया जाए। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि जंतर-मंतर पर कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्या है। बैंक यूनियनों ने पहले जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी थी। वैकल्पिक तौर पर दिल्ली में किसी अन्य स्थान पर प्रदर्शन की अनुमति देने की मांग की गई है। कोर्ट ने साफ कहा कि पुलिस अपने फैसले की जानकारी बैंक यूनियनों के वकील को सोमवार शाम 4 बजे तक दे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन की अनुमति देने में देरी या अनुमति नहीं देने से यूनियनों के शांतिपूर्ण सभा और प्रदर्शन के मौलिक अधिकार प्रभावित हुए हैं।

प्रियंका गांधी का भाजपा पर हमला, बोलीं- चुनावों में धांधली से ओवरकॉन्फिडेंट हो गई है

वायनाड। चुनाव आयोग (ईसीआई) में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर मतभेद की मीडिया रिपोर्ट के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। इस बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। भाजपा के इस बयान पर कि कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाती तो चुनाव की वैधता पर सवाल उठाती है, प्रियंका ने कहा कि भाजपा को 'घटिया बहाने' बनाना बंद करना चाहिए। संसदीय क्षेत्र वायनाड में पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, "यह बहुत ही पुरानी और कमजोर कहानी है। तथ्य हैं और सबूत हैं। यह पूरे देश के सामने है। मेरे भाई (राहुल गांधी) ने कई प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे दिखाया है। उन्होंने सबूत सामने रखे हैं। अब यह बिल्कुल साफ है कि 13 करोड़ वोटरों के नाम हटाए गए हैं।"उन्होंने कहा, "यह एक लचर बहाना है और भाजपा को ऐसे बहाने बनाना बंद करना चाहिए। अगर वे चुनावों में गड़बड़ी कर रहे हैं और अगर उनका नेतृत्व चुनाव आयोग से यह काम करा रहा है।

हेड कॉन्स्टेबल की घर में गोली मारकर हत्या, पुलिस ने बेटे को हिरासत में लिया

चंडीगढ़। चंडीगढ़ पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल की शुक्रवार सुबह सेक्टर 22 स्थित उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के सिलसिले में उनके बेटे को हिरासत में लिया है। इस संबंध में अधिकारियों ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान नितिन के तौर पर हुई है, जो चंडीगढ़ पुलिस की अकाउंट्स ब्रांच में तैनात थे। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल से एक देसी पिस्तौल बरामद की गई। घर से सबूत इकट्ठा करने के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों को भी बुलाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नितिन को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जब पुलिस पहुंची, तो पीड़ित के बेटे अरमान सिंह ने शुरू में जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश की। उसने पुलिस को बताया कि कुछ बाहरी लोगों ने उसके पिता की हत्या की है। हालांकि, पुलिस को उसके बयानों पर शक हुआ और उन्होंने उससे सख्ती से पूछताछ शुरू की।

मंगलुरु में जूनियर्स की बेरहमी से रैगिंग और अपहरण के मामले में 9 सीनियर पर केस

मंगलुरु। मंगलुरु में श्रीनिवास यूनिवर्सिटी के दो छात्रों की बेरहमी से रैगिंग और अपहरण के मामले में 9 सीनियर छात्रों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि तटीय शहर मंगलुरु के पांडेश्वर इलाके में एक प्राइवेट कॉलेज के नौ सीनियर छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, उन पर रैगिंग के एक संदिग्ध मामले में फर्स्ट ईयर के दो छात्रों को अगवा करने, उनके कपड़े उतारने और बेरहमी से मारपीट करने का आरोप है। पीड़ित श्रीनिवास यूनिवर्सिटी, पांडेश्वर में बीबीए पोर्ट शिपिंग लॉजिस्टिक्स के फर्स्ट ईयर के छात्र हैं। दोनों केरल के रहने वाले हैं। पीड़ित छात्र अमीर अली की शिकायत पर मंगलुरु साउथ पुलिस ने नौ सीनियर छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन छात्रों की पहचान नसीद अमीर, आदिल एम, अशराक, अनीश, उवैस, रोहन रमेश, आदिल वी.पी., रेहान एम.पी. और शिनास के तौर पर हुई है।

अमेरिकी नागरिकों से साइबर ठगी में सीबीआई ने मुख्य आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अवैध कॉल सेंटरों के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों को ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर-आधारित वित्तीय धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने उक्त आरोपी और अज्ञात अन्य लोगों के खिलाफ 8 सितंबर 2026 को मामला दर्ज किया था। यह मामला एक बड़े पैमाने पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय साइबर-आधारित वित्तीय धोखाधड़ी गिरोह से संबंधित है। इसको कथित तौर पर 2024 से गुजरात के अहमदाबाद से अवैध कॉल सेंटरों के माध्यम से संचालित किया जा रहा था। आरोपियों ने आपस में और अज्ञात सहयोगियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची और फेडरल ट्रेड कमीशन, यूएस अटॉर्नी,सीआईएसए और अन्य संघीय एजेंसियों के अधिकारियों का रूप धारण किया। उन्होंने वीओआईपी संचार के माध्यम से पीड़ितों को झूठी सूचना दी कि उनकी पहचान का दुरुपयोग करके किसी ने उनके कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से बाल पोर्नोग्राफी देखी है। इसके बाद, आरोपियों ने पीड़ितों को अपने बैंक खातों से पैसे निकालने, सोना खरीदने और उसे अमेरिका में उनके द्वारा नियुक्त कूरियर को सौंपने के लिए प्रेरित किया।

यौन शोषण मामले में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कोर्ट पहुंचीं 4 महिला रेसलर

नई दिल्ली। चार महिला पहलवानों ने दिल्ली की एक अदालत में रेसलिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न के मामले में बरी किए जाने को चुनौती दी। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के 3 अगस्त के फ़ैसले को पुराना और रूढ़िवादी धारणाओं पर आधारित बताया। पहलवानों ने सीनियर वकील रेबेका जॉन के ज़रिए राउज़ एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज दिगविनय सिंह की अदालत में क्रिमिनल रिविज़न याचिका दायर की है और इस पर शनिवार को सुनवाई होनी है। याचिका में कहा गया है कि बरी करने का फ़ैसला कानून के नज़रिए से टिकने लायक नहीं था और यह कानून के स्थापित सिद्धांतों के बजाय अटकलों और अनुमानों पर आधारित था। याचिका में कहा गया यह फ़ैसला कानून के नज़रिए से टिकने लायक नहीं है और रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों की साफ़ तौर पर गलत और चुनिंदा समझ पर आधारित है। अपील में आगे यह तर्क दिया गया कि विवादित आदेश अटकलों और अनुमानों पर आधारित था।

गुवाहाटी में हिरासत में लिए गए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई

नई दिल्ली। गुवाहाटी में असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस बैरिकेड पार करने की कोशिश कर रहे थे। यह विरोध 'द इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के बाद हो रहा है, जिसमें कहा गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने SIR से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्तियां जताई थीं। इनमें 'फॉर्म 6' में बदलाव और वोटर लिस्ट के डेटा को संभालने से जुड़े मामले शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, ये आपत्तियां उन फैसलों को लेकर थीं जो कथित तौर पर उनकी जानकारी के बिना या उनकी सिफारिशों के खिलाफ लिए गए थे। नागरिकसेवाएं पाएं कांग्रेस ने चुनाव आयोग के ख़िलाफ़ कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन किए हैं। पार्टी नेता वोटर लिस्ट (electoral rolls) के प्रबंधन में कथित गड़बड़ियों को लेकर कुमार के इस्तीफ़े और कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। गुवाहाटी में कांग्रेस सांसद गोगोई और पार्टी के कई अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया गया, जब उन्होंने कथित तौर पर राजीव भवन के पास पुलिस बैरिकेड्स पार करने की कोशिश की।

राष्ट्रीय मलखंब प्रतियोगिता में भाग लेने झारखंड टीम झांसी रवाना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड सब जूनियर एवं जूनियर बालक-बालिका मलखंब टीम अखिल भारतीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हटिया रेलवे स्टेशन से झांसी, उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हुई। प्रतियोगिता का आयोजन व्यायामशाला मंदिर, झांसी में 27 से 29 सितंबर तक किया जाएगा। झारखंड टीम का चयन पिछले माह आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। झारखंड राज्य मलखंब संघ के महासचिव अजय झा ने टीम की घोषणा की। टीम के रवाना होने के दौरान संघ के सहजाद कुरैशी, आशुतोष द्विवेदी, विवेक कुमार, सूरज कुमार, खुशबू तिवारी, वेद प्रकाश तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। सब जूनियर बालक वर्ग में हिमांशु कुमार (कप्तान), विवेक कुमार (उपकप्तान), आदित्य केरकट्टा, आयुष टोप्पो, आदित्य उरांव और रोशन मुंडा शामिल हैं।

जूनियर बालक वर्ग में सत्यवीर कुमार दास (कप्तान), रणवीर कुमार दास (उपकप्तान), प्रिंस कुमार, आर्यन लोहरा, पीयूष कुमार और अमीत कुमार टीम का हिस्सा हैं। बालक टीम के प्रशिक्षक सोहन कुमार और प्रबंधक संजय कुमार हैं। सब जूनियर बालिका वर्ग में अदिति केरकट्टा (कप्तान), चांदनी नागवार (उपकप्तान), आस्था नागौर, आराधना सिंह, काजल कुमारी और पार्वती कुमारी शामिल हैं। जूनियर बालिका वर्ग में अन्नू कुमारी (कप्तान), सीमा कुमारी (उपकप्तान), भूमिका कुमारी, रिया कुमारी, अंशु कुमारी, रिशिका कुमारी और हंसिका कुमारी को टीम में शामिल किया गया है। बालिका टीम की प्रशिक्षक निधि कुमारी और प्रबंधक अमिका कुमारी हैं। दल प्रमुख की जिम्मेदारी अनुशिखा कुमारी को दी गई है, जबकि जानवी कुमारी भौतिक चिकित्सक के रूप में टीम के साथ रहेंगी।

- 27 से 29 सितंबर तक व्यायामशाला मंदिर झांसी में होगी अखिल भारतीय प्रतियोगिता
- राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर हुआ खिलाड़ियों का चयन

एशियन गेम्स में भारत को दूसरा गोल्ड

सुरुचि व कमलजीत ने शूटिंग में सोना जीता, सात्विक-चिराग बैडमिंटन में हारे

एजेंसी । नागोया (जापान)

एशियन गेम्स में शुक्रवार को बैडमिंटन से भारत के गोल्ड मेडल की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी मेंस डबल्स के पहले राउंड से हारकर बाहर हो गई है। इस जोड़ी ने पिछले एशियन गेम्स में गोल्ड दिलाया था। इससे पहले छठे दिन शूटर्स ने भारत को 2 मिनट के अंदर 2 मेडल दिलाए। सुरुचि और कमलजीत की जोड़ी ने सुबह 9 बजे 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में गोल्ड जीता। फिर 9:02 बजे 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में भारतीय को सिल्वर मिला। भारत की पुरुष और महिला कबड्डी टीम फाइनल में पहुंच गई हैं। स्क्वॉश और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भी पदक पक्के हुए हैं। इन मेडल्स के सहारे भारत मेडल टैली में 12वें स्थान आ गया है। उसने 2 गोल्ड सहित 19 मेडल जीते हैं।

भारत को दूसरा गोल्ड मिला, शूटिंग में पहला

- जापान के नागोया में चल रहे गेम्स में भारत को दूसरा गोल्ड मिला है। इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने गेम्स का पहला गोल्ड मेडल दिलाया था।
- यह मौजूदा एशियन गेम्स में शूटिंग का पहला गोल्ड है। भारतीय निशानेबाज अब तक 10 मेडल दिला चुके हैं। इनमें 5 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज भी शामिल हैं।

भारतीय जोड़ी साउथ कोरिया से 6.6 मीटर आगे रही

- 10 मी. एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम फाइनल में सुरुचि व कमलजीत की भारतीय जोड़ी साउथ कोरिया से 6.6 अंक आगे रही
- इंडिया ने 484.6 अंक हासिल किए। जबकि, साउथ कोरिया को 478.0 अंक मिले। ईरान ने 415.8 अंक के साथ ब्रॉन्ज जीता

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई, मेजबान जापान को 3-1 से हराया

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पूल बी के मैच में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। पहले क्वार्टर में लालरेम्सियामी ने ओपन प्ले से गोल करके स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसके बाद दूसरे क्वार्टर के आखिर में इशिका ने गोल किया। पहले हाफ में जापान भारत के ज्यादातर अटैक को रोकने में कामयाब रहा, लेकिन भारत ने स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर मिले मौकों का फायदा उठाकर नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने अपनी बढ़त 3-0 कर ली, जब नवनीत कौर ने सर्कल के अंदर बॉल ली, दाईं ओर मुड़ीं और जापानी गोलकीपर के ऊपर से उसे दूर कोने में डाल दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में जापान की कोबायाकावा शिहो ने टीम के लिए एकमात्र गोल किया।

ऐश्वर्य, नीरज व रुद्राक्ष ने राइफल टीम स्पर्धा में जीता रजत पदक

नागोया। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्राक्ष पाटिल की भारतीय शूटिंग टीम ने शुक्रवार को ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में शानदार प्रदर्शन के बाद पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता।

भारतीय शूटर्स ने फाइनल में (1762-94x) स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95x) ने गोल्ड और साउथ कोरिया (1751-87x) ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। भारतीय फैंस के लिए खुशी की बात यह भी है कि ऐश्वर्य और नीरज ने व्यक्तिगत फाइनल इवेंट के लिए क्वालीफाई किया है। 10 मीटर एयर पिस्टल मेंस और विमेंस इवेंट्स में मेडल से चूकने के बाद इंडियन शूटिंग टीम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि, राइफल ने एक और मेडल दिलाया, जब सुरुचि और कमलजीत ने 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। राइफल इवेंट की बात करें तो, इंडियन शूटर्स ने टू नीलिंग सीरीज में 587 पॉइंट्स बनाए। उन्होंने प्रोन सीरीज में भी जबरदस्त परफॉर्मेंस दिखाई, टू सीरीज में 593 पॉइंट्स बनाकर पहले दो पोजीशन पर कुल 1180 का स्कोर किया। इस बीच, इंडियन शूटर्स ने अपना जबरदस्त परफॉर्मेंस जारी रखा और स्टैंडिंग सीरीज में 582 शॉट लगाकर कुल (1762-94x) का स्कोर किया। ऐश्वर्य और नीरज ने भी व्यक्तिगत फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

एशियन गेम्सः भारतीय महिला कबड्डी टीम ने नेपाल को हराकर फाइनल में जगह बनाई

नागोया। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के महिला कबड्डी फाइनल में जगह बना ली है। इवेंट में जोरदार प्रदर्शन कर रही भारतीय टीम ने इस मैच की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में की और पहले पांच मिनट में ही असरदार रेड से पॉइंट्स जमा करके 9-5 की लीड ले ली। नेपाल ने भारतीय रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया, जिसमें इंडियन रेडर सोनाली पर एक सुपर टैकल भी शामिल था, जिससे वह लाइन तक नहीं पहुंच पाईं। इसके बावजूद, इंडिया ने 15-10 की पांच पॉइंट्स की मामूली लीड बनाए रखी।

गुलवीर सिंह ने सिल्वर जीतकर रचा इतिहास

10 हजार मीटर रेस में 2 मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

एजेंसी । नागोया

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने शुक्रवार को नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में 10 हजार मीटर की रेस में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। गुलवीर पुरुषों की 10 हजार मीटर की रेस में दो एशियन गेम्स मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। गुलवीर ने 25 लैप की मुश्किल रेस 28:29.38 में पूरी की और दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने हांग्जो में हुए एशियन गेम्स 2023 में इसी इवेंट में जीते ब्रॉन्ज मेडल के साथ अब सिल्वर मेडल भी अपने नाम कर लिया है। वह पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में दो बार एशियन गेम्स के पोडियम पर खड़े होने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। बहरीन के बिरहानु बालेव ने 28:27.51 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जो गुलवीर से सिर्फ 1.87 सेकंड आगे रहे, जबकि उनके साथी अल्बर्ट किप्टू ने 28:34.38 के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। चीन के वांग वेनजी 28:38.14 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे।

सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम का ट्रायल आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026 के लिए झारखंड महिला हॉकी टीम के चयन हेतु शुक्रवार को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में खुली चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। ट्रायल में झारखंड के विभिन्न जिलों एवं संस्थानों से कुल 52 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इनमें सिमडेगा, खूंटी, रांची, गुमला सहित रेलवे एवं अन्य स्थानों की खिलाड़ी शामिल रहीं। चयनकर्ताओं द्वारा खिलाड़ियों के कौशल, फिटनेस, खेल प्रदर्शन एवं मैदान पर उनकी क्षमता का कई घंटों तक बारीकी से आकलन करने के बाद 30 खिलाड़ी चयनित किए गए है। ट्रायल से चयनित खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता से पूर्व विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अंतिम रूप से 18 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जो झारखंड महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस अवसर पर झारखंड की प्रथम अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी सावित्री पूर्ति, हॉकी झारखंड के महासचिव मनोज कोनबेगी, कोषाध्यक्ष असृता लकड़ा, संयुक्त सचिव दुलारी टोपनो, महानिदेशक विजय शंकर सिंह सहित हॉकी झारखंड के अन्य पदाधिकारी एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापार/लाइफ व साइंस

सरकार की नजर 33.60 लाख करोड़ की 1731 बुनियादी परियोजनाओं पर

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार वर्तमान में देशभर में चल रही 1,731 इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की निगरानी कर रही है, जिनकी संशोधित कुल लागत 33.60 लाख करोड़ रुपए है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के अनुसार, अगस्त 2026 तक ये परियोजनाएं 17 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के तहत संचालित की जा रही हैं। मंत्रालय ने बताया कि इन परियोजनाओं पर अब तक 16.33 लाख करोड़ रुपए का खर्च किया जा चुका है, जो कुल संशोधित परियोजना लागत का लगभग 48.59 प्रतिशत है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं (इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स) के क्रियान्वयन में लगातार प्रगति हो रही है। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में परियोजनाएं उन्नत चरण में पहुंच चुकी हैं। कुल 647 परियोजनाओं ने 80 प्रतिशत से अधिक भौतिक प्रगति हासिल कर ली है, जबकि 312 परियोजनाएं वित्तीय दृष्टि से 80 प्रतिशत से अधिक पूरी हो चुकी हैं। मंत्रालय का कहना है कि परियोजनाएं शुरुआती और अंतिम दोनों चरणों में संतुलित रूप से मौजूद हैं, जिससे

यह संकेत मिलता है कि एक तरफ नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं तो दूसरी ओर कई परियोजनाएं पूर्णता के करीब पहुंच चुकी हैं। सरकार ने बताया कि केंद्रीय क्षेत्र की अवसंरचना परियोजनाओं की निगरानी के लिए पैमाना (पीएआईएमएएनए) प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा रहा है, जिससे विभिन्न मंत्रालयों के बीच बेहतर समन्वय, समय पर समीक्षा और डेटा-आधारित निर्णय लेने में मदद मिल रही है। क्षेत्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में सबसे अधिक 1,191 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनकी संशोधित अनुमानित लागत 16.05 लाख करोड़ रुपए है, जो दर्शाता है कि सरकार कनेक्टिविटी-आधारित विकास को विशेष प्राथमिकता दे रही है। कुल 1,731 परियोजनाओं में 715 मेगा परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें प्रत्येक की लागत 1,000 करोड़ रुपए या उससे अधिक है। इनका मूल लागत मूल्य 25.89 लाख करोड़ रुपए है। वहीं 1,016 प्रमुख परियोजनाएं ऐसी हैं जिनकी लागत 150 करोड़ रुपए से 1,000 करोड़ रुपए के बीच है और उनकी कुल लागत 4.83 लाख करोड़ रुपए है।

मंत्रालय के अनुसार, भौतिक और वित्तीय प्रगति के आंकड़े बड़े पैमाने पर एक-दूसरे के अनुरूप हैं। शुरुआती चरण में वित्तीय व्यय अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देता है क्योंकि परियोजनाओं में प्रारंभिक निवेश अधिक होता है, जबकि अंतिम चरण में भौतिक प्रगति वित्तीय प्रगति से आगे निकल जाती है, जो निर्माण कार्यों के समापन को दर्शाती है। मंत्रालयवार आंकड़ों में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय सबसे आगे है। इसके अंतर्गत 982 परियोजनाएं (57 प्रतिशत) चल रही हैं, जो कुल परियोजनाओं का लगभग 57 प्रतिशत हैं।

बड़ी गिरावट के बाद बाजार ने ली करवट, सेंसेक्स 315 अंक उछला निफ्टी 0.34 प्रतिशत चढ़ा

मुंबई । पिछले दिन की बड़ी गिरावट के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय

शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स में 0.43 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली। पश्चिम एशिया में लगातार हमलों के बावजूद अमेरिका-ईरान युद्धविराम की उम्मीदों के बीच तेल की कीमतों में गिरावट के चलते प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक दिन के उच्च स्तर पर बंद हुए। सेंसेक्स 315.20 अंक यानी 0.43 प्रतिशत बढ़कर 73,895.74 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 77.40 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढकर 23,140.50 पर पहुंच गया। दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,580.54 से मामूली 54.61 अंक गिरकर 73,525.92 पर खुला और दिन के सत्र में इसने 387.51 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,968.05 का उच्चतम स्तर छुआ। वहीं, निफ्टी अपने पिछले बंद 73,968.05 से 28 अंक यानी 0.12 प्रतिशत गिरकर 23,035 पर खुला और इंट्रा-डे ट्रेडिंग में इसने 99.60 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,162.70 का उच्चतम स्तर छुआ। इस दौरान, व्यापक बाजार में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप 100 में 0.14 प्रतिशत की गिरावट आई।

टाटा स्टारबक्स के लिमिटेड एडिशन फेस्टिव मेन्यू के साथ मनाएं दुर्गा पूजा

- 26 सितंबर से कोलकाता, गुवाहाटी, सिलीगुड़ी, भुवनेश्वर, जमशेदपुर, पटना, रांची और गंगटोक के चुनिंदा स्टोर्स में उपलब्ध

नवीन मेल संवाददाता

रांची । ग्राहकों से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद टाटा स्टारबक्स इस फेस्टिव सीजन में 'आमार पूजा, आमार स्टारबक्स' के साथ एक बार फिर लौट आया है। कंपनी ने पूर्वी भारत की समृद्ध पाक विरासत से प्रेरित एक खास लिमिटेड-एडिशन मेन्यू पेश किया है। यह फेस्टिव मेन्यू क्षेत्र के पसंदीदा स्वादों को स्टारबक्स के सिग्नेचर अनुभव के साथ पेश करता है, ताकि ग्राहक परिवार और दोस्तों के साथ दुर्गा पूजा के जश्न को नए अंदाज में मना सकें। टाटा स्टारबक्स की हेड ऑफ प्रोडक्ट एंड मार्केटिंग, मिताली माहेश्वरी ने कहा कि दुर्गा पूजा पूर्वी भारत के सबसे प्रिय त्योहारों में से एक है, जो साझा परंपराओं, खान-पान और आपसी जुड़ाव के जरिए समुदायों को एक साथ लाता है। इस साल हमें नए अंदाज में तैयार किए गए मेन्यू के साथ इस खास अवसर का हिस्सा बनने की खुशी है, जिसमें क्षेत्र के पसंदीदा पारंपरिक स्वादों को स्टारबक्स के सिग्नेचर अनुभव के साथ पेश किया गया है। कोषा मंगशो रोल और गुड़ेर संदेश फ्लान जैसे नए विकल्पों के साथ ग्राहकों के कई पसंदीदा व्यंजन भी इस मेन्यू में लौटे हैं। ये व्यंजन क्षेत्र की पाक परंपराओं से गहराई से जुड़े स्वादों को समकालीन अंदाज में पेश करते हैं। हमारे स्टोर्स लोगों के लिए हमेशा की तरह एक स्वागतयोग्य 'थर्ड प्लेस' बने हुए हैं और हमें उन बातचीत, मेल-मिलाप और जश्न का हिस्सा बनने का इंतजार है, जो पूजा को इतना खास बनाते हैं। यह फेस्टिव मेन्यू 26 सितंबर से 21 अक्टूबर तक कोलकाता, गुवाहाटी, सिलीगुड़ी, भुवनेश्वर, जमशेदपुर, पटना, रांची और गंगटोक के चुनिंदा स्टारबक्स स्टोर्स में उपलब्ध रहेगा।

बैंक हड़ताल अवधि में 28 से 30 सितंबर तक नहीं लगेगा एटीएम लेनदेन पर शुल्क

मुंबई । बैंक कर्मचारियों की हड़ताल को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 28-30 सितंबर तक की अवधि में सभी एटीएम लेनदेन को निःशुल्क कर दिया है। बैंक ने यह कदम ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया है, जिससे हड़ताल की अवधि में लेनदेन करने में कोई परेशानी न हो।

जपला स्टेशन पर चेकिंग के दौरान ट्रेन से 128 बोतल अवैध देसी शराब बरामद

आरपीएफ ने 30.1 लीटर शराब जब्त कर उत्पाद विभाग को भेजने की कार्रवाई की

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू मंडल अंतर्गत जपला रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने चेकिंग के दौरान बरवाडीह-डेहरी ऑन सोन पैसेंजर ट्रेन से 128 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की। बरामद शराब की कुल मात्रा 30.1 लीटर बताई गई है। आरपीएफ ने शराब को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को भेजने की प्रक्रिया शुरू की। आरपीएफ के अनुसार गुरुवार को करीब 16:10 बजे गाड़ी संख्या 53357 अप बरवाडीह-डेहरी ऑन सोन पैसेंजर ट्रेन जपला स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर पहुंची। ट्रेन के सामान्य कोच संख्या ईसी-104635 की जांच के दौरान आगे के गेट के पास सीट के नीचे एक सफेद रंग का प्लास्टिक बोरा लावारिस हालत में मिला। आसपास के यात्रियों से पूछताछ करने पर किसी ने बोरे पर अपना दावा नहीं किया। इसके बाद आरपीएफ टीम ने करीब 16:12 बजे बोरे को कब्जे में लेकर गवाहों की मौजूदगी में प्लेटफॉर्म नंबर 3 स्थित शेड के पास खोला। तलाशी के दौरान बोरे से झारखंड निर्मित देशी शराब की 128 बोतलें बरामद हुईं। इनमें छबीली देसी शराब की 60 बोतलें, टनाका देशी शराब की 45 बोतलें और रसीली टाइट देसी शराब की 23 बोतलें शामिल हैं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 5,760 रुपये बताई गई है। बोतलों पर 'फॉर सेल इन झारखंड' अंकित था।

कार्रवाई आरपीएफ पोस्ट जपला के निरीक्षक प्रभारी संतोष झा के नेतृत्व में हुई

आरपीएफ ने करीब 16:50 बजे जब्ती सूची तैयार कर शराब जब्त की और 17:00 बजे उसे आरपीएफ पोस्ट जपला लाया गया। कार्रवाई आरपीएफ पोस्ट जपला के निरीक्षक प्रभारी संतोष झा के नेतृत्व में हुई। टीम में उप निरीक्षक रामनरेश राम, प्रधान आरक्षी राजनाथ, आरक्षी मोहम्मद कबीर खान और आरक्षी होरी प्रसाद शामिल थे। आरपीएफ के अनुसार बरामद शराब को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए उत्पाद अधीक्षक, पलामू को भेजा जा रहा है।

बटाने जलाशय पर सेल्फी और पानी के बहाव वाले क्षेत्र में जाने पर रोक

नवीन मेल संवाददाता

नौडीहा। अंचलाधिकारी संजय कुमार सिंह और थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बटाने जलाशय क्षेत्र में सेल्फी लेने और पानी के बहाव वाले स्थानों के आसपास जाने पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षा के मद्देनजर जलाशय क्षेत्र में सतर्कता बरतने की अपील की है। अंचलाधिकारी ने बताया कि पलामू उपायुक्त के निर्देश के बाद बटाने जलाशय सहित तालाब, बंद पड़ी खदान और अन्य जलभराव वाले चिन्हित स्थलों की घेराबंदी कर चेतावनी बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया है। लोगों को ऐसे स्थानों पर जाने से मना किया गया है। निर्देश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी नीरज कुमार ने कहा कि बटाने जलाशय पर सेल्फी लेने और फोटो खींचने पर विशेष रूप से रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा कि जलाशय और अन्य जलभराव वाले क्षेत्रों में सेल्फी लेने के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। पुलिस और प्रशासन की टीम क्षेत्र में निगरानी रखेगी।

खैरादोहर की युवती ने जहरीला पदार्थ खाया इलाज के दौरान मौत

नौडीहा बाजार। नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के खैरादोहर गांव निवासी प्रमोद भुईयां की 16 वर्षीय पुत्री सुमन कुमारी ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।अस्पताल में इलाज के दौरान शुक्रवार की रात करीब 8 बजे युवती की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर अस्पताल पुलिस चौकी की टीम ने परिजनों से पूछताछ की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

ऑपरेशन मुस्कान से लौटी खुशियां पुलिस ने लौटाया 97 मोबाइल फोन

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। जिले में ऑपरेशन मुस्कान से शुक्रवार को लोगों की खुशियां लौट आईं। पुलिस ने गुम हुए 97 मोबाइल फोन खोजकर उनके वास्तविक धारकों को लौटा दिया। ये मोबाइल फोन दो माह से लेकर दो साल पहले गायब हुए थे। जिनके मोबाइल फोन खो गए थे, उनमें वापस मिलने की उम्मीद खत्म हो गई थी। ऐसे में पुलिस की इस कार्रवाई से उनके चेहरे पर मुस्कान लौट गई। पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी के अनुसार पूरे राज्य में ऑपरेशन मुस्कान के तहत कार्रवाई की गई। इसके तहत पलामू में 97 मोबाइल फोन बरामद किए गए। मोबाइल धारकों को एक साथ बुलाकर उनके फोन लौटाए गए। सबसे अधिक लेस्लीगंज थाना क्षेत्र से 15 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इसी तरह नावा जयपुर से 11, मेदिनी नगर शहर थाना क्षेत्र से 10, पिपरा और छतरपुर से 9, रेहला से 8 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इधर, मोबाइल वापस मिलने पर धारकों में काफी खुशी देखी गई। गढ़वा से आई सोनाली राज, हरिहरगंज के केशलाल कुमार पटेल, पिपरा के मिथिलेश कुमार, बिहार के औरंगाबाद जिले के टंडवा के बसंत साव, पिपरा के बभांडी के अभिषेक कुमार ने बताया कि मोबाइल मिलने की उम्मीद खत्म हो गई थी, लेकिन शिकायत दर्ज करने के कुछ माह के भीतर ही पुलिस ने उनके खोये मोबाइल वापस कर उनके चेहरे पर मुस्कान ला दी है।

मतदाता सूची के दावा-आपत्ति निस्तारण को लेकर प्रखंड सभागार में जुटे ग्रामीण

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के द्वितीय चरण के तहत मैपिंग से वंचित मतदाताओं को जारी नोटिस और प्राप्त दावा-आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया जारी है। शुक्रवार को दावा-आपत्तियों के निस्तारण को लेकर प्रखंड सभागार में ग्रामीणों की आवाजाही बनी रही। अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में संबंधित कर्मियों ने कार्य में तेजी लाई। पंचायत प्रतिनिधियों और आंगनबाड़ी सेविकाओं के सहयोग से भी मतदाताओं को आवश्यक जानकारी दी जा रही है। दावा-आपत्तियों के निस्तारण के लिए बीएलओ, पर्यवेक्षक, कंप्यूटर ऑपरेटर, रोजगार सेवक समेत संबंधित कर्मी जुटे हैं। मतदाता सूची से संबंधित अभिलेखों की जांच, आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन, मैपिंग से वंचित मतदाताओं को नोटिस जारी करने और निर्धारित तिथि पर दावे-आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि जिन्हें मतदाता सूची से संबंधित नोटिस मिला है या जिनका दावा-आपत्ति का मामला लंबित है, वे निर्धारित तिथि और समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होकर प्रक्रिया पूरी करें।

हैदरनगर में भाजपा ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

हैदरनगर। भाजपा मंडल इकाई की ओर से शुक्रवार को हैदरनगर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को याद किया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष सुधीर सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य रविंद्र सिंह, नगर मंडल अध्यक्ष अजय गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष उमेश चंद्र शिव व प्रदीप सिंह, पूर्व सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह और मंडल प्रतिनिधि रामप्यारे राम समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, सामाजिक चिंतन और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यकर्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पांच दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण सह किट वितरण कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड के इमामनगर बरेवा पंचायत भवन में वित्तीय वर्ष 2026-27 की उद्यान विकास योजना के तहत पांच दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण सह किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला समूहों की सदस्यों को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण देने के साथ किट का वितरण किया गया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को मशरूम उत्पादन की तकनीक, रखरखाव, आवश्यक सावधानियों और इससे होने वाले आर्थिक लाभ की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण गौतम कुमार ने दिया। मौके पर प्रखंड उद्यान मित्र रामसुंदर मेहता भी मौजूद थे। कार्यक्रम में सुषमा देवी, निर्मला देवी, सुनीता देवी, प्रीति देवी, शांति देवी, संगीता देवी, मीना देवी, लक्ष्मी देवी, इंदु देवी, सीमा देवी समेत महिला समूह की अन्य सदस्य उपस्थित थीं। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को मशरूम उत्पादन से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

जंगल में घायल अवस्था में मिला युवक

चिनिया। गढ़वा मुख्य सड़क स्थित सावधान मोड़ के नीचे जंगल में शुक्रवार को राहगीरों ने एक युवक को बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। उसके चेहरे और माथे पर चोट के निशान थे तथा चेहरे पर खून लगा था। सूचना मिलने पर असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर काशिद हुसैन और ओमप्रकाश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार युवक दर्द से कराह रहा था और नशे की हालत में था।

डीडीसी ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। उप विकास आयुक्त प्रेमलता मुर्मू ने शुक्रवार को सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों और स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेते हुए मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई, मरीजों की सुविधाएं, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को मरीजों को बेहतर और समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा मरीजों और उनके परिजनों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा।

विधायक अनंत प्रताप देव का जन्मदिन मनाया गया

केतार। झामुमो प्रखंड कार्यालय में शुक्रवार को भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा का जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनके स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की। झामुमो नेता मदन पटेल ने मां चतुर्भुजी से विधायक अनंत प्रताप देव के उत्तम स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। उन्होंने कहा कि विधायक क्षेत्र के गरीब, जरूरतमंद और आम लोगों के सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहते हैं।

भाजपा मंडल ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड मुख्यालय स्थित डॉ. प्रभू के होम्योपैथिक क्लीनिक परिसर में शुक्रवार शाम भाजपा मंडल के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों से प्रेरणा लेते हुए समरस समाज के निर्माण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। मौके पर नर्वदेश्वर सिंह, पुरन राम, रामाशीष मेहता, श्रवण दुबे, रामबालक गुप्ता, अयोध्या प्रसाद, शिवनारायण मेहता, कामता प्रसाद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

पेज एक के शेष

'नॉलेज हब' बन...

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि रांची में यह आयोजन झारखंड के लिए गौरव का विषय है तथा यह राज्य की सुदृढ़ होती वैज्ञानिक एवं अकादमिक क्षमता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से राज्य के चिकित्सकों को सीखने तथा नवीनतम शोध, तकनीक एवं उपचार पद्धतियों से अवगत होने का अवसर प्राप्त होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक सर्जरी एवं आधुनिक हेल्थ टेक्नोलॉजिज को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ते हुए राज्य की चिकित्सा व्यवस्था को तकनीकी रूप से सशक्त एवं भविष्य के अनुरूप विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि रांची अब 'नॉलेज हब' बन रही है। देश के मानचित्र पर अब रिसर्च और उच्च शिक्षा का सिरमौर बनेगी। डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के अकादमिक आयोजनों से राज्य में रिसर्च, इनोवेशन तथा कांटीन्यूअस मेडिकल एजुकेशन को संस्थागत रूप से प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने डॉ बीपी कश्यप, डॉ भारती कश्यप, एआईओएस एवं जेएचओएस को इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास रांची एवं झारखंड को राष्ट्रीय चिकित्सा शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होंगे। ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ बीपी कश्यप ने धन्यवाद ज्ञापन में कहा कि झारखंड की धरती पर इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन की मेजबानी हमारे लिए गौरव का विषय है। यह सम्मेलन झारखंड को राष्ट्रीय चिकित्सा शिक्षा एवं शोध के मानचित्र पर नई पहचान देगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ बीपी कश्यप एवं आयोजन सचिव डॉ भारती कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में राज्य में पहली बार आयोजित यह राष्ट्रीय नेत्र सम्मेलन उच्च स्तरीय नेत्र चिकित्सा शिक्षा, शोध, वैज्ञानिक विमर्श और आधुनिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। उद्घाटन समारोह में ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआईओएस) के राष्ट्रीय नेतृत्व सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एआईओएस के राष्ट्रीय महासचिव संतोष होनावर ने किया। समारोह में एआईओएस के अध्यक्ष डॉ जीवन तितियाल, निर्वाचित अध्यक्ष डॉ मोहन राजन, डॉ चित्रा राममूर्ति, डॉ नम्रता शर्मा आदि शीर्ष नेत्र रोग विशेषज्ञों के अलावा झारखंड नेत्र सोसाइटी के डॉ जखनवाल, डॉ सुजोय सामंत, डॉ प्रीतिश प्रोनोय, डॉ एनडी मिश्रा, डॉ विभूति कश्यप, डॉ निधि गडकर आदि 1000 से ज्यादा वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञों एवं युवा नेत्र रोग विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर चिकित्सा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशेषज्ञों को प्रतिष्ठित साइंटिफिक अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने की दिशा में यह आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ। दिन भर चले इन विचारोत्तेजक सत्रों का मुख्य उद्देश्य आधुनिक चिकित्सा तकनीक का आदान-प्रदान और नेत्र चिकित्सकों की सर्जिकल दक्षता को निखारना रहा, ताकि मरीजों को विश्वस्तरीय एवं सुरक्षित नेत्र उपचार झारखंड में ही सुलभ कराया जा सके।

रांची के डोरंडा...

हादसे में बस का अगला हिस्सा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ, लेकिन चालक की सूझबूझ से बस में सवार सभी बच्चे सुरक्षित बच गए। डोरंडा के एजी मोड़ के पास तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी के अनुसार, तेज बारिश और हवा के बीच स्कूल बस बच्चों को लेकर जा रही थी। इसी दौरान सड़क किनारे लगा एक बड़ा पेड़ अचानक बस पर गिर गया। पेड़ को गिरता देख चालक ने तत्काल ब्रेक लगाकर बस रोक दी। इससे बस में सवार बच्चों को चोट नहीं आई। इधर, घटना की सूचना डोरंडा थाना पुलिस और रांची नगर निगम को दी गई। सूचना मिलते ही नगर निगम की टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची और पेड़ को काटकर सड़क से हटाया। इसके बाद रास्ता साफ कर बस को आगे रवाना किया गया। कुछ देर तक सड़क पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन बाद में आवागमन सामान्य हो गया। डोरंडा थाना प्रभारी ने कहा कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बस में सवार सभी बच्चे और चालक सुरक्षित हैं। बारिश और आंधी की वजह से स्कूली बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अधिसंख्य स्कूलों में परीक्षाएं चल रही है और इस वजह से सभी बच्चों को स्कूल पहुंचना अनिवार्य है। तेज बारिश की वजह से कई स्कूलों के बच्चे के जूते और ड्रेस गंदे हो गए। स्कूल प्रशासन की ओर से स्कूल बसों के ड्राइवर को सावधानी के साथ स्कूल बस चलाने का निर्देश भी जारी किया गया है। भारी बारिश से सड़कों पर फिसलन की भी स्थिति बन गई है। रांची के डिबडीह पुल के ऊपर एक कार फिसल कर डिवाइडर पर चढ़ गई और स्ट्रीट लाइट के पोल को टक्कर मारते हुए पलट गई। जानकारी के अनुसार, कार में दो लड़के सवार थे। दोनों को मामूली चोटें आई हैं। भारी बारिश से रांची के पंडरा, हरमू, अरगोड़ा, कोकर, हिनू, धुर्वा, अशोकनगर, अपर बाजार सहित विभिन्न इलाकों में भारी जल जमाव की स्थिति भी बन गई। साथ ही, कई घरों में बारिश का पानी घुस जाने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर की कई प्रमुख सड़कों और निचले इलाकों में जलजमाव हो गया। सड़कों पर पानी जमा रहने से वाहनों की रफ्तार धीमी रही और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रही। लोगों को सामान्य आवाजाही में भी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के एजी मोड़, कडरू, कोकर, डोरंडा, सुरेंद्रनाथ स्कूल के आसपास, स्टेशन रोड, नामकुम और चुटिया सहित कई इलाकों में बारिश का असर साफ दिखा। कई जगह सड़क और नाली का अंतर खत्म हो गया तथा नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगा। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई। पैदल राहगीरों को भी पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। लगातार बारिश के बीच कई स्थानों पर तेज हवाओं के कारण पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से यातायात बाधित हुआ। बिजली के तार टूटने से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। संबंधित विभागों की टीमें जलजमाव, गिरे पेड़ों और बिजली संबंधी समस्याओं को दूर करने में जुटी रहीं। बारिश का असर शहर के कारोबार पर भी पड़ा। सड़क किनारे दुकान लगाने वाले, रेहड़ी-पटरी कारोबारी और दैनिक मजदूरों को कामकाज में परेशानी हुई। बारिश के कारण बाजारों में लोगों की आवाजाही भी कम रही। मोहल्लों और कॉलोनियों की अंदरूनी सड़कों पर जलजमाव के कारण लोगों को घरों से निकलने में भी दिक्कत हुई। कई जगह बड़े पेड़ गिरने और अन्य घटनाओं से भी परेशानी बढ़ी। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश सरायकेला में 94.5 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं, इस दौरान रांची में 41 मिमी बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 23.9 डिग्री और न्यूनतम 21.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, मेदिनीनगर (डालटनगंज) में अधिकतम 28.3 और न्यूनतम 24.0 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम 27.2 डिग्री और न्यूनतम 24.0 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

बारिश के कारण...

इसके आलोक में जिला प्रशासन द्वारा स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। हालांकि, उपायुक्त के आदेश के अनुसार सभी कोटि के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मी उक्त अवधि में ई-विद्यावाहिनी में अनिवार्य रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए गैर-शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करेंगे। साथ ही, यह भी निर्देश दिया गया है कि यदि उक्त अवधि के दौरान किसी विद्यालय में अनिवार्य परीक्षाएं निर्धारित हैं, तो उनके संचालन के संबंध में संबंधित विद्यालय प्रधान अपने विवेकानुसार निर्णय लेंगे। जारी प्रेस बयान के अनुसार, यह निर्णय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि भारी बारिश के कारण होने वाली संभावित परेशानियों से बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके। आदेश का अनुपालन नहीं किए जाने पर संबंधित विद्यालय/संस्थान आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की सुसंगत धारा के तहत उत्तरदायी होंगे।

दुंदरिया चर्च में...

उन्होंने बताया कि कुल करीब 41 एकड़ जमीन में लगभग 31 डिसमिल हिस्से में चर्च का निर्माण है। उनके अनुसार, गुमला न्यायालय से दखल-दिहानी का आदेश प्राप्त होने के बाद प्रशासनिक टीम न्यायालय के आदेश का अनुपालन कराने पहुंची थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद एनडब्ल्यू चर्च से जुड़े लोग चर्च और जमीन पर अपना अधिकार बताते हुए विरोध में सामने आ गए। दूसरी ओर, एनडब्ल्यू चर्च से जुड़े लोगों ने प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध किया। उनका कहना था कि चर्च पर उनके पूर्वजों के समय से अधिकार रहा है और उनके पूर्वजों ने ही चर्च का निर्माण कराया था। उनका कहना था कि लंबे समय से चले आ रहे विवाद का समाधान बातचीत के माध्यम से किया जाना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों ने विरोध कर रहे लोगों को समझाने तथा न्यायालय के आदेश के अनुपालन में सहयोग करने का प्रयास किया। हालांकि, मौके पर दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन सकी। जीएल पक्ष का कहना था कि उनकी ओर से बातचीत का प्रयास किया गया, लेकिन एनडब्ल्यू पक्ष की ओर से अब तक सकारात्मक पहल नहीं हुई। उनका कहना था कि न्यायालय का आदेश आने के बाद दखल-दिहानी की कार्रवाई का विरोध किया जा रहा है। वहीं, दूसरे पक्ष का कहना था कि विवादित जमीन और चर्च को लेकर उनका पुराना दावा है और मामले का समाधान आपसी बातचीत से किया जाना चाहिए। दोनों पक्षों के आमने-सामने आने और बड़ी संख्या में लोगों के जुटने के कारण तनाव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया। मौके पर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव, थाना प्रभारी दिनेश कुमार, अंचल अधिकारी हरीश कुमार, महिला डीएसपी सहित कई पुलिस पदाधिकारी और जवान मौजूद रहे। ्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने मौके की स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी। अधिकारियों ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की। समाचार लिखे जाने तक स्थिति प्रशासन के नियंत्रण में बताई गई तथा किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं थी।

गिरिडीह में पुलिस...

रॉकी ने बताया कि ऋतिक की हत्या से लोग सकते में हैं। बताया कि ऋतिक के पिता मुसाफिर सिंह पुलिस विभाग में अवर निरीक्षक है। वहीं, मृतक ऋतिक यादव का संबंध छात्र मोर्चा से था। घटना के बाद देर रात ही युवक को सदर अस्पताल के चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि इस घटना में दो अन्य युवकों को भी चोट लगी है। मामले को लेकर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से बात हुई है। पुलिस टीम भी छापेमारी में जुटी है ।इधर, घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी ज्ञान रंजन पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भेजा। उन्होंने बताया कि देर रात से ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। नगर थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने कहा कि ऋतिक यादव की हत्या हुई है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में कार्रवाई जारी है। मृतक के पिता मुसाफिर सिंह झारखंड पुलिस में अवर निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस घटना के कारणों और हमले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

झारखंड आर्म्ड पुलिस...

इसके खिलाफ दिकेश कुमार एवं अन्य ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। मामलों की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने नियुक्तियों को निरस्त करने संबंधी आदेश को रद्द कर दिया और याचिकाकर्ताओं को परिणामी सेवा लाभ पाने का हकदार माना था। हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में राज्य सरकार ने सभी याचिकाकर्ताओं को पुनः सेवा में बहाल कर दिया। हालांकि, इसके बाद राज्य सरकार ने आदेश जारी कर यह निर्णय लिया कि सेवा से बाहर रहने की अवधि का वेतन 'काम नहीं, तो वेतन नहीं' के सिद्धांत के आधार पर देय नहीं होगा। राज्य सरकार के इस निर्णय को दिकेश कुमार एवं अन्य ने फिर उच्च न्यायालय में चुनौती दी। याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि पूर्व में अदालत ने नियुक्तियां निरस्त करने वाले आदेश को रद्द करते हुए उन्हें स्पष्ट रूप से परिणामी सेवा लाभ का हकदार माना था। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने कोई अपील दाखिल नहीं की। ऐसे में आदेश अंतिम हो चुका है और राज्य सरकार केवल पुनर्बहाली का लाभ देकर बकाया वेतन एवं अन्य परिणामी सेवा लाभ से उन्हें वंचित नहीं कर सकती। याचिकाकर्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि सेवा से बाहर रहने की अवधि उनके किसी स्वैच्छिक कृत्य के कारण नहीं थी, बल्कि राज्य सरकार की ओर से नियुक्तियां निरस्त किए जाने के कारण वे सेवा से बाहर रहे। बाद में अदालत ने नियुक्ति समाप्त करने संबंधी आदेश को ही रद्द कर दिया। ऐसे में उन्हें उस अवधि के वेतन और अन्य परिणामी सेवा लाभ से वंचित करना उचित नहीं होगा। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में निर्णय देते हुए नियुक्ति रद्द किए जाने से पुनर्बहाली तक की अवधि का पूर्ण बकाया वेतन और सभी परिणामी सेवा लाभ देने का निर्देश दिया। राज्य सरकार को आठ सप्ताह के भीतर आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

प्रो डूला पर कार्रवाई की मांग को लेकर आईआईटी बॉम्बे पहुंचे आठवले

नई दिल्ली । मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले शुक्रवार को आईआईटी बॉम्बे के पवई परिसर पहुंचे और पिछले सप्ताह संस्थान के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या से हुई मौत की बारीकी से जांच की मांग की। उन्होंने आईआईटी प्रशासन से साहिल वाकोडे आत्महत्या मामले की जानकारी ली। इसके बाद प्रशासन के अधिकारियों के साथ उस छात्रावास का भी दौरा किया, जहां साहिल ने आत्महत्या की थी। अठावले ने साहिल की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। रामदास अठावले ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की। अठावले ने कहा कि यदि जांच में प्रोफेसर डूला दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद पर सवालों से बचते नजर आए शहबाज शरीफ

न्यूयॉर्क ।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेने के लिए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय पहुंचे थे लेकिन वहां आतंकवाद को लेकर पूछे गए सवालों से बचते नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद को लेकर पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में पाकिस्तानी पीएम यूएन मुख्यालय पहुंचते दिख रहे हैं, तभी रिपोर्टर्स ने उनसे पूछा, "आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?" शहबाज शरीफ ने इसका कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। यूएन से निकलते वक्त भी उनसे यही सवाल दोहराया गया। रिपोर्टर्स ने पूछा, "आप लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?

राष्ट्रपति शी चिनफिंग और मेरे बीच गहरी दोस्ती कायम हुई है : ट्रंप

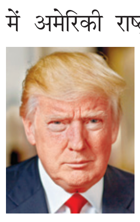

बीजिंग ।चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भाग लिया। इस मौके पर राष्ट्रपति ट्रंप ने भाषण दिया। ट्रंप ने कहा, "राष्ट्रपति शी चिनफिंग, श्रीमती फंग लीयुआन और चीनी प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों, मुझे इस खूबसूरत व्हाइट हाउस में आपका स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। इस वर्ष मई में, मुझे पेइचिंग में एक प्रतिनिधिमंडल को लीड करने का मौका मिला था, जहां आपने हमारे प्रतिनिधिमंडल का बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया था। अब, मेलानिया और मुझे वाशिंगटन में आपका स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है। 2016 में मेरे पहली बार निर्वाचित होने के बाद से, राष्ट्रपति शी चिनफिंग और मेरे बीच गहरी दोस्ती कायम हुई है। यह मित्रता आपसी सम्मान और दोनों देशों की जनता के मौलिक हितों पर आधारित है।

जयशंकर बोले- आतंकी देश भारत से आतंकवाद पर सवाल करेगा ?

पाकिस्तानी पत्रकार ने भारत पर लगाया था आतंकवाद फैलाने का आरोप

एजेंसी । न्यूयॉर्क

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को एक पाकिस्तानी रिपोर्टर पर तंज कसा। रिपोर्टर ने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इस पर जयशंकर ने कहा, "एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है।" रिपोर्टर के सवाल का जवाब देने के बाद वे मुस्कुराए और वहां से निकल गए। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारत की विदेश नीति, वैश्विक सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई पर बातचीत हो रही थी।

4 साल पहले भी ऐसा ही जवाब दिया था : इससे पहले दिसंबर 2022 में न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी पत्रकार ने जयशंकर से पूछा था कि दक्षिण एशिया आखिर कब तक भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवाद का सामना करता रहेगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच आतंकवाद बड़ा विवाद

भारत लंबे समय से पाकिस्तान पर सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाता रहा है। पाकिस्तान इन आरोपों से इनकार करता है। दोनों देशों के बीच आतंकवाद का मुद्दा लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठता रहा है। भारत ने अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले का भी मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया है। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में मौजूद या वहां से संचालित होने वाले आतंकी संगठनों और आतंकवाद की फंडिंग का मुद्दा भी उठाया है। वहीं, पाकिस्तान भारत के आरोपों को खारिज करता रहा है।

सिर्फ दूध से बनी पनीर अन्य नकली : एफएसएसएआई

एजेंसी । नई दिल्ली

fssai

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने नकली पनीर के निर्माण और बिक्री पर एक बड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने एनालॉग पनीर के संबंध में एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को गुमराह होने से बचाना और उन्हें असली उत्पाद उपलब्ध कराना है।

इस संशोधन के तहत, 'डेयरी संदर्भ में एनालॉग' श्रेणी में पहले से लाइसेंस प्राप्त या पंजीकृत उत्पादों को अब पनीर शब्द का उपयोग बंद करना होगा। यह प्रतिबंध उनके नामकरण, लेबलिंग या विपणन में सख्ती से लागू होगा।खाद्य नियामक का कहना है कि यह कदम उत्पादों की प्रकृति और संरचना के बारे में उपभोक्ताओं को गलत जानकारी देने से रोकेगा। इससे बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और असली पनीर की पहचान आसान होगी। यह निर्णय खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्राधिकरण ने सभी संबंधित पक्षों को नए नियमों का पालन करने का निर्देश दिया है। यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। एनालॉग पनीर ऐसे उत्पाद होते हैं जो देखने में पनीर जैसे लगते हैं। हालांकि, उनमें दूध के ठोस पदार्थ कम होते हैं या उन्हें वनस्पति तेलों जैसे अन्य अवयवों से बनाया जाता है। ये उत्पाद अक्सर कम लागत पर तैयार किए जाते हैं।

इनकी संरचना और पोषण मूल्य असली पनीर से काफी अलग होते हैं। उपभोक्ताओं को अक्सर यह पता नहीं होता कि वे असली पनीर नहीं खरीद रहे हैं। इससे उनके स्वास्थ्य और वित्तीय हितों को नुकसान पहुंच सकता है। एफएसएसएआई का यह कदम इसी धोखे को रोकने के लिए है।

बच्चों के डिजिटल मीडिया और स्कूलों में स्मार्टफोन इस्तेमाल पर राष्ट्रीय नीति की जरूरत

नई दिल्ली । सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज (सी-लैब) की एक रिपोर्ट में बच्चों के डिजिटल मीडिया इस्तेमाल को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनाने की मांग की गई है। रिपोर्ट में स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने और उम्र के हिसाब से बच्चों को ऑनलाइन दुनिया में प्रवेश देने जैसे सुझाव शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि नियम मानने की कानूनी जिम्मेदारी और नियम तोड़ने पर सजा डिजिटल प्लेटफॉर्म की होनी चाहिए, बच्चे या उसके माता-पिता की नहीं। सी-लैब की इस रिपोर्ट का नाम 'प्रिवेंशन बाय डिजाइनः फ्रॉम वॉलंटरी सेल्फ-रेगुलेशन टू अ स्टेट ड्यूटी ऑफ केयर' है। इसका मतलब है कि बच्चों को ऑनलाइन नुकसान से बचाने के लिए कंपनियों के अपनी इच्छा से नियम बनाने पर निर्भर रहने के बजाय सरकार की कानूनी जिम्मेदारी तय की जाए।

नशे में मिला एअर इंडिया का पायलट, स्विटरलैंड में उतारा, ज्यूरिख से दिल्ली की फ्लाइट उड़ाने वाला था, कंपलसरी टेस्ट में पकड़ा गया

एजेंसी । नई दिल्ली

एअर इंडिया ने ज्यूरिख-दिल्ली फ्लाइट के पायलट को नशे में पाए जाने के बाद सस्पेंड कर दिया है। उसे स्विट्जरलैंड में ही उतार दिया गया। उड़ान से पहले होने वाले कंपलसरी अल्कोहल टेस्ट में उसके नशे में होने की पुष्टि हुई। जांच पूरी होने तक पायलट का निलंबन जारी रहेगा। यह मामला 6 सितंबर का है। टेकऑफ से पहले ग्राउंड स्टाफ को पायलट से शराब की स्मेल आई थी। उन्होंने अफसरों को उसकी सूचना दी। जिसके बाद पायलट को विमान से उतार दिया गया। उसे उसी फ्लाइट से भारत भेजा गया था।

एयर इंडिया ने कहा, "एयर इंडिया की सुरक्षा, नियमों या प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर जीरो टॉलरेंस नीति है। ऐला होने पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाती है।

जम्मू-कश्मीर : नियंत्रण रेखा के समीप सैन्य तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे सेनाध्यक्ष

एजेंसी । नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था और सेना की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने चिनार कोर के अग्रिम इलाकों का दौरा किया है। उन्होंने नियंत्रण रेखा और अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की और सैनिकों से बातचीत भी की। सेनाध्यक्ष ने तंगधार में 'ऑपरेशन दृष्टि 2026' का भी जायजा लिया है। सेनाध्यक्ष का यह दौरा 'जय से विजय' की उस भावना को सामने लाता है, जिसमें अभियानगत सतर्कता के साथ हर योद्धा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया है। उत्तरी कमान के तहत आने वाली चिनार कोर के क्षेत्रों में पहुंचे सेनाध्यक्ष को स्थानीय कमांडरों ने मौजूदा सुरक्षा माहौल से अवगत कराया।

यहां सेना प्रमुख को अभियानगत तैयारियों और क्षमताओं को विकसित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्हें नियंत्रण रेखा पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उपायों और अंदरूनी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों की तैयारियों के बारे में भी बताया गया। अभियान क्षेत्रों में सैनिकों से बातचीत के दौरान सेनाध्यक्ष ने सभी सैन्य कर्मियों की उच्च स्तर की सतर्कता की सराहना की।

81वीं यूएन महासभा में नेतन्याहू के संबोधन पर वाकआउट ने रेखांकित किए नए भू-राजनीतिक व आर्थिक ध्रुवीकरण

- **77 देशों का वॉकआउट, 4 प्रमुख मुस्लिम बहुल मुल्क अपनी सीट पर जमे रहे**
- **बहुपक्षीय व्यवस्था के पतन व वैश्विक अर्थव्यवस्था पर आसन्न संकट का गहराता संकेत**

अजय चंद्र पाण्डेय

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) का 81वां सत्र विश्व व्यवस्था के उस निर्णायक मोड़ का गवाह बना, जहाँ कूटनीतिक शिष्टाचार की पारंपरिक दीवारें अंतरराष्ट्रीय जनाक्रोश के आगे ढह गईं। जैसे ही इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वैश्विक मंच पर संबोधन के लिए पोडियम की ओर बढ़े, दर्जनभर से ज्यादा राष्ट्रों के राजनयिकों, राजदूतों और मंत्रियों ने सामूहिक रूप से सदन से बाहर निकलकर (वाकआउट) एक अभूतपूर्व कूटनीतिक संदेश दिया। गाजा में जारी मानवीय संकट और अंतरराष्ट्रीय विधि के उल्लंघन के विरुद्ध यह मात्र एक प्रतीकात्मक असहमति नहीं थी, बल्कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित बहुपक्षीय संवाद संरचना की बुनियादी विफलता का सार्वजनिक दस्तावेज था। कूटनीतिक और भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से देखें तो यह घटनाक्रम 'ग्लोबल साउथ' और पश्चिमी ताकतों के बीच खिंचती गहरी खाई को उजागर करता है। जब किसी राष्ट्र का प्रमुख वैश्विक मंच पर अकेला खड़ा रह जाए और सदन का बड़ा हिस्सा खाली कुर्सियों में तब्दील हो जाए, तो यह स्पष्ट संकेत है कि संवाद की पारंपरिक शब्दावली अब अप्रभावी हो चुकी है। यह वाकआउट संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वीटो-आधारित पंगुता और महासभा के नैतिक अधिकार के बीच बढ़ते फासले का जीवंत प्रमाण है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विश्वसनीयता का यह क्षरण अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) के निर्देशों की अनदेखी का सीधा परिणाम है।इस कूटनीतिक गतिरोध के आर्थिक निहितार्थ और भी भयावह हैं। पश्चिम एशिया केवल रणनीतिक गलियारा नहीं, बल्कि दुनिया की लगभग एक-तिहाई ऊर्जा आपूर्ति और स्वेज नहर तथा बाब-अल-मंदेब जैसे महत्वपूर्ण व्यापारिक समुद्री मार्गों (Chokepoints) की जीवनरेखा है। युद्ध के विस्तार और कूटनीतिक समाधान की अनुपस्थिति ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर दबाव में ला दिया है। बीमा दरों में उछाल, जहाजों के चक्करदार मार्गों और तेल की कीमतों में अनिश्चितता ने पहले से ही मुद्रास्फीति से जूझ रही पश्चिमी व विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर दोहरी मार की है। 'अब्राहम अकॉर्ड्स' के जरिए जिस क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण और ऊर्जा व्यापार की रूपरेखा गढ़ी गई थी, वह अब अनिश्चितकालीन ठहराव की स्थिति में पहुंच चुकी है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र महासभा में इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के संबोधन के दौरान लगभग 77 देशों के प्रतिनिधियों ने सदन से वॉकआउट किया जबकि अब्राहम समझौते और मजबूत रणनीतिक संबंधों के कारण यूएई, बहरीन, मोरक्को और अज़रबैजान सदन में मौजूद रहे। नेतन्याहू ने वॉकआउट करने वाले प्रतिनिधियों को नैतिक रूप से कायर करार दिया।

रणनीतिक प्रभाव विश्लेषण: एक नज़र में-

आयाम (Dimension)	तात्कालिक स्थिति (Current Reality)	मध्यम व दीर्घकालिक प्रभाव (Strategic & Economic Impact)
कूटनीतिक संतुलन	यूएन महासभा में सामूहिक वाकआउट; अलग-थलग नेतृत्व	बहुपक्षीय मंचों और सुरक्षा परिषद के वीटो अधिकारों की प्रासंगिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न
ग्लोबल साउथ का रुख	मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय विधि के उल्लंघन पर मुखर विरोध	पश्चिम बनाम गैर-पश्चिमी राष्ट्रों के बीच नए कूटनीतिक व राजनीतिक गुटों का उभार
ऊर्जा व व्यापार गलियारे	लाल सागर और स्वेज नहर मार्गों पर उच्च जोखिम व सुरक्षा तनाव	समुद्री माल ढुलाई (Freight) लागत में वृद्धि; वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध
क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण	अरब-इजरायल द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं व समझौतों में ठहराव	आईएमईसी (IMEC) जैसे अंतर-महाद्वीपीय कॉरिडोर प्रोजेक्ट्स की प्रगति अनिश्चित